मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.4	23.0
डालटनगंज	28.4	24.5
धनबाद	30.9	25.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, शनिवार 12 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 95 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

शेख हसीना की और बढ़ेंगी मुश्किलें

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मानवता के विरुद्ध अपराध के एक मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में आरोप तय किए गए. विशेष न्यायाधिकरण ने मुकदमे की शुरुआत की तारीख 3 अगस्त तय की गई है. जस्टिस गुलाम मुर्तुजा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने हसीना, असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पांच आरोपों में अभियोग लगाया.

अब हेल्थकेयर सेक्टर में अडानी की होगी एंट्री!

नयी दिल्ली। भारत के हेल्थ सेक्टर में आपको आने वाले दिनों में बड़ा बदलाव दिखने वाला है. उद्योगपति गौतम अडानी ने शुक्रवार को ऐलान किया है कि अडानी अब स्किल डेवलपमेंट, एजुकेशन और हेल्थ सर्विसेज के लिए पहले से घोषित किए गए साठ हजार करोड़ का बड़ा हिस्सा देश के हेल्थकेयर सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए लगाया जाएगा. सर्जनों को मुंबई में संबोधित करते हुए गौतम अडानी ने कहा कि आज देश के अंदर लोगों में बैक लोअर पेन यानी रीढ़ की समस्या काफी बढ़ गई है.

नेपाली तस्करों ने किया जवानों पर हमला

पूर्वी चंपारण। नेपाल सीमा से सटे रेगनिया बॉर्डर के निकट स्थित द्वार देवी माई मंदिर के पास नेपाल के रमसगरा ढाठ के यूरिया खाद के तस्करों ने 71वीं वाहिनी जवानों पर पत्थर से हमला बोल दिया. सभी भारत से नेपाल की ओर से खाद ले जा रहे थे. जवानों ने तस्करों को रोकने का प्रयास किया तो तस्करों द्वारा जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं. जवानों पर हमला कर दिया गया और जवानों का हथियार छीनने का प्रयास किया गया. जवानों ने हवाई फायरिंग की.

ट्रंप ने 1,300 कर्मियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन। अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी छंटनी की तैयारी कर रहा है. मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे. ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं. इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं. विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को 1,300 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है. एक अधिकारी के अनुसार, जिनको हटाया गये, उनमें 1,107 लोकसेवक शामिल हैं.

सरकार को नागरिकता रद्द करने का अधिकार

नोम पेन्ह। कंबोडिया की संसद ने शुक्रवार को एक संविधान संशोधन को पारित किया, जो सरकार को उन लोगों की नागरिकता रद्द करने का अधिकार देगा. नेशनल असेंबली ने सर्वसम्मति से संविधान में संशोधन को मंजूरी दी. इस बदलाव के बाद सरकार अब ऐसा कानून बना सकेगी जो पहली बार किसी व्यक्ति की नागरिकता को रद्द करने की अनुमति देगा. यह कानून उन लोगों पर भी लागू होगा जो जन्म से कंबोडियाई नागरिक हैं, दोहरी नागरिकता रखते हैं.

कैबिनेट की बैठक : 27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी, झारखंड विस का मानसून सत्र 1 अगस्त से

सरकारी कर्मियों का डीए 6% बढ़ा

शुभम संदेश।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में झारखंड कैबिनेट की अहम बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में राज्यहित से जुड़े कुल 27 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई. इन प्रस्तावों में बुनियादी ढांचे के विकास, वित्तीय प्रशासनिक सुधार, सेवा से बर्खास्तगी और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं. झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 1 अगस्त से शुरू होगा, जो 7 अगस्त तक चलेगा. इस सत्र में कुल पांच कार्य दिवस होंगे. 2 और 3 अगस्त को अवकाश रहेंगे. माना जा रहा है कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार अनुपूरक बजट भी पेश कर सकती है. सरकारी कर्मचारी और पेंशनधारियों के महंगाई भत्ता में 6 फ़ीसदी की वृद्धि की गई है, संस्था निबंधन नियमावली गठन की स्वीकृति दी गई. सभी थानों में चार पहिया और दो पहिया वाहन के खरीद की स्वीकृति दी गई. दो पहिया वाहनों की खरीद में 20 करोड़ 41 लख रुपए खर्च किए जाएंगे और चार पहिया वाहनों की खरीद में 126.38 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. इसके अलावा कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी मिली है.

हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़े : सीएम

इन निर्णयों से राज्य के आधारभूत ढांचे में सुधार, वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, और सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी. खासकर सड़क परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता के हित में लगातार निर्णय ले रही है, और हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गए दिल्ली, राष्ट्रपति झारखंड आएंगी

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को फिर दिल्ली रवाना हो गए. वहां वह पिता शिबू सोरेन के इलाज और देखभाल में सहयोग करेंगे. मालूम हो कि शिबू सोरेन 19 जून से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. वहां उनका गहन इलाज जारी है. मुख्यमंत्री भी 24 जून से 9 जुलाई तक उनकी देखभाल के लिए दिल्ली में ही डेरा जमाए हुए थे. लेकिन 10 जुलाई को पूर्वी क्षेत्रीय परिषद और 11 जुलाई को कैबिनेट की बैठक

को लेकर मुख्यमंत्री नौ जुलाई की रात रांची आए थे.

इधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड

आ रही है. राष्ट्रपति भवन से राज्य सरकार को भेजी गयी सूचना के अनुसार द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को देवघर आएंगी. एक अगस्त को बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी. दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद वह अपने गंतव्य को लौट जाएंगी. हालांकि राष्ट्रपति के दौरे का अभी विस्तृत कार्यक्रम नहीं आया है. मालूम हो कि इससे पूर्व भी वह देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आनेवाली थी. लेकिन अंतिम समय में उनका देवघर दौरा स्थगित कर दिया गया था.

बैठक के प्रमुख निर्णय इस प्रकार हैं

जिला के अनटाइड फंड के इस्तेमाल की गाइडलाइन में बदलाव : राज्य सरकार ने अनटाइड फंड के उपयोग को लेकर मौजूदा गाइडलाइन में संशोधन को मंजूरी दी है. इससे जिलों को अपने अनुसार प्राथमिकताओं के अनुरूप फंड का उपयोग करने की अधिक लचीलापन मिलेगा.

दो प्रमुख सड़कों के लिए 70 करोड़ से अधिक की स्वीकृति : ची के सिल्ली रंगा

माटी सड़क के निर्माण हेतु 32 करोड़ की मंजूरी दी गई. रांची के कुमारिया से संग्रामपुर तक सड़क के निर्माण हेतु 38 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं.

दो डॉक्टर सेवा से बर्खास्त : कैबिनेट ने जामताड़ा में पदस्थापित डॉ. नेहा सिंह को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है. बर्खास्तगी के कारणों में सेवा शर्तों का उल्लंघन और प्रशासनिक लापरवाही की संभावना जताई जा रही है. इसके अलावा वर्ष 2021 से अनुपस्थित चल रहे डॉ. अभिनीत सिद्धार्थ को भी बर्खास्त करने पर मुहर लगाई गई.

एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी : राज्य सरकार ने एकीकृत पेंशन विकल्प योजना को कैबिनेट की मंजूरी प्रदान की है. इस योजना के तहत विभिन्न पेंशन योजनाओं को एकीकृत करते हुए सरकारी कर्मचारियों को अधिक पारदर्शिता और स्थायित्व प्रदान किया जाएगा. केंद्र सरकार के फैसले के आलोक में झारखंड सरकार ने भी अपने यहां इस विकल्प को चुनने का फैसला किया.

थानों से जर्जर वाहन हटाए जाएंगे : झारखंड के थानों से पुरानी और जर्जर गाड़ियों को हटाया जाएगा. अपराधियों को पकड़ने और क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस को 2952 नई पेट्रोलिंग गाड़ियां मिलेगी. कैबिनेट की बैठक में हेमंत सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. गृह कारा और आपदा प्रबंधन विभाग ने कैबिनेट में लाए अपने प्रस्ताव में कहा कि राज्य के सभी थानों में पहले से उपलब्ध अधिकांश वाहनों की स्थिति जर्जर हो गई है थानों में वाहनों के कम संख्या और पुराने वाहन उपलब्ध रहने के कारण पेट्रोलियम करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. विभाग ने 1255 चार पहिया वाहन और 1697 दो पहिया वाहन खरीदने का प्रस्ताव दिया है. इन वाहनों के खरीद में लगभग 146 करोड़ 79 लाख 63 हजार 849 रुपए खर्च होंगे. वाहनों की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा.

कैबिनेट के अन्य प्रमुख फैसले

- जमशेदपुर के सिविल सर्जन रहे डॉ. अरविंद कुमार लाल की सेवा से बर्खास्तगी का फैसला वापस ले लिया गया है. हाईकोर्ट ने डॉक्टर लाल के पक्ष में फैसला दिया था.
- झारखंड अवर शिक्षा सेवा के सृजित 465 पदों में से 318 पद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के लिए कर्णांकित किया गया.
- पीएम कृषि सिंचाई योजना के तहत चार संस्थाओं के साथ एमओयू किया जाएगा.
- झारखंड संस्था निबंध नियमावली 2025 का गठन किया गया. इसके गठन होने से निबंधन की प्रक्रिया में ऑनलाइन व्यवस्था को समाहित किया गया है.
- साथ ही निबंधन शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई. अब संपूर्ण भारत के लिए 3000 रुपए संपूर्ण राज्य के लिए 2000 रुपए संस्था के उद्देश्यों में संशोधन के लिए 1000 रुपए तथा केंद्र एवं राज्य प्रायोजित कार्यक्रम के निबंधन के लिए 50 रुपए की राशि लगेगी. विवाद होने पर आईजी रजिस्ट्रेशन अपील की सुनवाई करेंगे.
- पुनरीक्षित वेतनमान ले रहे कर्मियों एवं पेंशन भोगियों को 1 जनवरी 2025 से 246 प्रतिशत की जगह 252 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा.
- एकीकृत बिहार पंचायती राज के कर्मियों के भुगतान के लिए राशि की मंजूरी दी गई.
- स्वर्गीय मंत्री जगन्नाथ महतो के इलाज पर हुए खर्च के लिए 44 लाख रुपए की मंजूरी दी गई.
- कर्माटांड पथ निर्माण के लिए 131 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए.
- नई उत्पादन नीति के तहत खुदरा दुकानों का संचालन प्रारंभ होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत संचालित दुकानों के सेल्समैन को श्रम विभाग द्वारा स्वीकृत दर पर दैनिक पर पारश्रमिक का भुगतान किया जाएगा.
- कुमुदिनी टुडू, झाप्रसे के खिलाफ (दो) वेतनवृद्धि पर रोक यथावत रखने की स्वीकृति.
- शिव कुमार प्रसाद, स्वै. सेवानिवृत्त पुलिस अवर निरीक्षक के चिकित्सा में हुए व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु 10,20,966 रुपए की स्वीकृति दी गई.

217 डॉक्टरों को इरफान अंसारी 22 जुलाई को देंगे नियुक्ति पत्र

शुभम संदेश।रांची

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 126 विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों (एसएमओ) और 91 सामुदायिक स्वास्थ्य

अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा सभी चयनित अधिकारियों के नियुक्ति पत्र तैयार कर लिए गए हैं, जिन्हें 22 जुलाई को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी सौंपेंगे. यह राज्य गठन के बाद अब तक की सबसे बड़ी चिकित्सा नियुक्ति मानी जा रही है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, मैं स्वयं एक डॉक्टर हूं, मुझे सिस्टम की हर कमजोरी और जरूरत का ज्ञान है. डॉक्टरों की कमी दूर करना मेरी प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि झारखंड के प्रत्येक जिले में अब पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जा रही है, जिससे मरीजों को अपने घर के पास ही बेहतर इलाज मिल सकेगा और उन्हें बाहर रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. संथाल परगना जैसे पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए वहां अधिक संख्या में डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है.

पीएम मोदी आज 51 हजार से अधिक को देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसियां।नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नियुक्त हुए युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे.

इस अवसर पर मोदी इन युवाओं को संबोधित भी करेंगे. पीएमओ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बार 16वां रोजगार मेला देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा. इन मेलों के माध्यम से चयनित युवा देश के विभिन्न हिस्सों से आए हैं और वे जल्द ही अपने-अपने मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे. यह नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में की जा रही हैं, जिनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं. रोजगार मेला पीएम मोदी की युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है. यह पहल युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. अब तक देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं.

भुवनेश्वर में राहुल गांधी का भाजपा पर हमला, कहा

बिहार में चुनाव चोरी करने की साजिश

एजेंसियां।भुवनेश्वर

भुवनेश्वर में कांग्रेस के संविधान बचाओ समावेश कार्यक्रम में शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला. बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र की तरह अब बिहार में चुनाव को चोरी करने की साजिश कर रही है. लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है. मैं बिहार में था. जिस तरह महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई, उसी तरह का प्रयास बिहार में किया जा रहा है. चुनाव की चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साजिश रची है. चुनाव आयोग भाजपा की शाखा के रूप में काम कर रहा है, वह अपना काम नहीं कर रहा है.

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए. कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और वे कहां से आए थे? हमने चुनाव आयोग से कई बार कहा कि हमें मतदाता सूची और

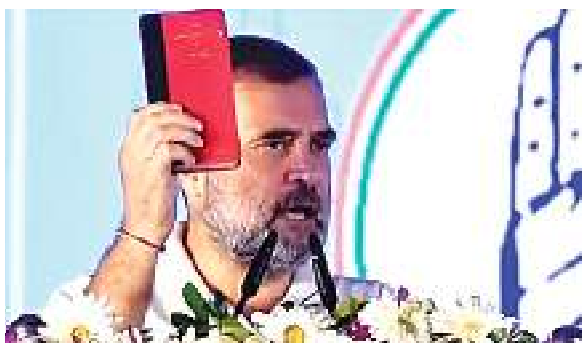

वीडियोग्राफी उपलब्ध कराएं. लेकिन चुनाव आयोग ने हमें यह उपलब्ध नहीं कराया. राहुल ने कहा कि बिहार में मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे.

अडानी चलाते हैं ओडिशा सरकार : राहुल गांधी ने कहा कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी को चलाते हैं. जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसका अनुसरण करते हैं. फिर एक नाटक होता है - अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं. इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ में आ जाएगा. यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है. इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को चुराना है. उन्होंने कहा कि कुछ नया शुरू हुआ है. ओडिशा में 40,000 से ज़्यादा महिलाएं गायब हो गईं. आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएं कहां गईं? यहां हर दिन महिलाओं पर अत्याचार होता है. उनके साथ दुष्कर्म होता है. ओडिशा में हर दिन 15 महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है. आपकी सरकार चौबीसों घंटे आपका खून चूसती है, आपकी जमीन छीनती है.

पाकिस्तान से बोले एनएसए अजीत डोभाल

एक फोटो दिखाइए, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को कोई नुकसान हुआ हो...

- डोभाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है. हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है.

एजेंसियां।चेन्नई

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बयान दिया है. उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. डोभाल ने आईआईटी मद्रास में अपने संबोधन के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेशी मीडिया ने झूठी खबरें फैलाई हैं. मुझे एक तस्वीर दिखाइए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो. भारत को इस दौरान कोई नुकसान नहीं पहुंचा.

डोभाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है. हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है. हमें गर्व है कि इस ऑपरेशन के दौरान हमने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया. हमने

सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था. इनमें सीमावर्ती इलाके में एक भी ठिकाना नहीं था. हमारे सभी निशाने सटीक रहे. हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया.

उन्होंने कहा कि यह पूरा ऑपरेशन 23 मिनट का था. मुझे एक तस्वीर दिखा दीजिए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो. यहां तक कि एक गिलास भी नहीं टूटा. विदेशी मीडिया ने कई चीजें कहीं. उन्होंने कुछ चुनिंदा तस्वीरों को आधार बनाकर पाकिस्तान के 13 एयरबेस को लेकर कई बातें कहीं. लेकिन 10 मई से पहले और इसके बाद पाकिस्तान के 13 एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें देखें. सब साफ हो जाएगा. बता दें कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम अटैक के जवाब में भारतीय सेना ने 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर चलाया था. इसके तहत, भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को उड़ा दिया था. इससे बौखलाकर पाकिस्तानी सेना ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था. चार दिन तक चले सैन्य टकराव के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया था.

डोभाल ने उड़ाई मुनीर की नींद! बार-बार ले रहे नाम

नयी दिल्ली। पाकिस्तान में एक बार फिर से बड़ा अटैक हुआ है. कुछ हमलावरों ने एक बस को शिकार बनाया और 9 यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी है. पाकिस्तान में इससे पहले भी कई बार अटैक हो चुके हैं. बलूचिस्तान की ओर से लगातार पाक का विरोध हो रहा है, लेकिन पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर इसके लिए भारत को जिम्मेदार मानते हैं. मुनीर के बयान से लगता है कि उनकी नींद एनएसए अजीत डोभाल की वजह से उड़ी हुई है. पाक आर्मी के चीफ फील्ड मार्शल मुनीर ने दावा किया है कि भारत प्रॉक्सी वॉर कर रहा है और वह देश को अस्थिर करना चाहता है. पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन की खबर के मुताबिक मुनीर ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा, अजीत डोभाल की वजह से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं हो रही हैं. भारत इन आतंकी संगठनों को मदद दे रहा है. वह पाकिस्तान के साथ प्रॉक्सी वॉर कर रहा है. वे पाक के हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं. मुनीर इससे पहले भी भारत के खिलाफ आग उगल चुके हैं.

राजनीति में हलचल : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का इशारा किधर

उम्र हो गई, 75 साल में हो जाओ रिटायर!

एजेंसियां।नागपुर

75 की उम्र में रिटायरमेंट का सवाल फिर सुर्खियों में है. आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने यह कह कर हलचल मचा दी है कि 75 की उम्र होने के बाद दूसरों को भी अवसर देना चाहिए. वे हाल ही में राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि हमारी उम्र हो चुकी है, अब हम थोड़ा किनारे हो जाएं. हालांकि भागवत ने पीएम नरेंद्र मोदी या किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी से जोड़ रहा है. बता दें कि पीएम मोदी और मोहन भागवत इसी साल 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे.

भागवत के बयान पर विपक्ष का तंज

भागवत के बयान पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा, पीएम मोदी ने आडवाणी, मुरली मनोहर, जसवंत सिंह जैसे बड़े नेताओं को जबरन रिटायर कर दिया था. अब देखते हैं कि मोदी इसका खुद पालन करते हैं या नहीं. शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल के संन्यास वाले बयान पर कहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच मतभेदों पर चर्चा हुई थी. अब, उनकी (मोहन भागवत) टिप्पणी से यह स्पष्ट है. पीएम मोदी का नाम लिये बिना प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं यह नहीं बताना चाहूंगी कि यह टिप्पणी किसके लिए की गयी थी, लेकिन सभी जानते हैं कि सितंबर में कौन 75 साल का हो रहा है. कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट किया.

बेचारे अवार्ड-जीवी प्रधानमंत्री! कैसी घर वापसी है. लौटते ही सरसंघचालक के द्वारा याद दिला दिया गया कि 17 सितंबर 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे. लेकिन प्रधानमंत्री सरसंघचालक से भी कह सकते हैं कि वे भी तो 11 सितंबर 2025 को 75 के हो जाएंगे! एक तीर, दो निशाने!

भाजपा में चली आ रही परंपरा

जान लें कि भाजपा में एक निश्चित उम्र तक पद पर बने रहने को लेकर कोई आधिकारिक नियम नहीं है. हालांकि कहीं-कहीं उम्र सीमाएं लागू हैं. छत्तीसगढ़ भाजपा ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए 35 से 45 साल और जिला अध्यक्ष पद के लिए 45 से 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित है. वैसे भाजपा ने 75 साल की उम्र पर कई नेता रिटायर कर दिये हैं. 2014 में पहली बार पीएम बनने वाले नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में 75 से कम उम्र के सांसदों को शामिल किया था. 2019 के लोकसभा चुनाव में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काट दिये गये थे. इनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन और कड़या मुंडा आदि नेता शामिल थे.

आंध्र प्रदेश के मेडिकल कॉलेज की 50 छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न!

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा रंगाराय मेडिकल कॉलेज की 50 छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. लड़कियों ने कॉलेज के ही 4 कर्मचारियों पर आरोप लगाया है. मामले को गंभीरता से लेते हुए आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. पुलिस ने छात्राओं को परेशान करने के आरोप में 3 लैब टेक्नीशियन को हिरासत में लिया है, जबकि एक मुख्य संदिग्ध फरार है. ये सभी कॉलेज के विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं. चौथा आरोपी बायोकेमिस्ट्री लैब अटेंडेंट कल्याण चक्रवर्ती फरार है. जिन 50 छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है वो यहां मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में बीएससी और डिप्लोमा कर रही हैं. 8 जुलाई को कई छात्राओं की शिकायत के बाद कॉलेज की आंतरिक समिति ने एक जांच की.

सांप के डंसने से विधायक के दो नाती समेत तीन की मौत

शुभम संदेश।मेदिनीनगर

पलामू जिले के चैनपुर क्षेत्र में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में विधायक आलोक चौरसिया के दो नाती और एक महिला की मौत हो गई. जबकि विधायक आलोक चौरसिया के दामाद और मृतक महिला के पति की हालत गंभीर बनी हुई है.

घटना पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर पथरा और बासडीह की है. नरसिंहपुर पथरा में विधायक आलोक चौरसिया के भाई भीषम चौरसिया के दामाद प्रेम चौरसिया और उनके दो बेटों अर्जुन और देव को बीती देर रात एक जहरीले सांप ने डस लिया. तीनों को इलाज के लिए मेदिनीराय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. परिजन तीनों को इलाज के लिए तुंबागड़ा स्थित निजी अस्पताल ले गए. लेकिन रास्ते में ही अर्जुन कुमार और देव कुमार की मौत हो गई. वहीं प्रेम चौरसिया की हालत गंभीर बनी हुई है. तीनों घर में एक साथ सो रहे थे और इसी दौरान उन्हें सांप ने डस लिया. विधायक के करीबी ज्ञानधन चौरसिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद सभी लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हैं. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरा गांव मातम में डूबा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. इस बीच, पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के बासडीह गांव निवासी भिखारी भुइयां और उनकी पत्नी शकुंतला को भी गुरुवार की देर रात जहरीले सांप ने डस लिया. दोनों पति-पत्नी जमीन पर सो रहे थे, तभी सांप ने उन्हें डस लिया. दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय राय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. जहां इलाज के दौरान शकुंतला देवी की मौत हो गई.

रांची में पहली बार भारतीय तटरक्षक बल में करियर-अवसरों के लिए शुरू हुआ जागरूकता अभियान

करियर के साथ राष्ट्र सेवा के लिए तटरक्षक बल से जुड़ें युवा : संजय सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की सकारात्मक पहल

शुभम संदेश। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान है कि देश के अधिक से अधिक युवा देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभाएं. इसके मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में रक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता अभियान चला रहा है. इसी उद्देश्य के साथ रांची में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा एक ऐसे अभियान की शुरुआत की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ. ये बातें रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को कहीं. वे केंद्रीय कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. कहा कि यह झारखंड के युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर है कि वे भी राष्ट्र प्रथम की भावना से करियर और राष्ट्र सेवा दोनों कार्य साथ-साथ कर सकें. भारतीय तटरक्षक बल द्वारा देश के युवा विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता सह भर्ती अभियान चलाया जा रहा है. यह अभियान रांची में पहली बार शुरू हुआ है, जो 20 जुलाई 2025 तक चलेगा.उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंधु के बाद देश के युवाओं में रक्षा क्षेत्र के प्रति आकर्षण भी बढ़ा है और उत्साह भी बढ़ा है. इसी उद्देश्य के साथ इस अभियान का शुभारंभ रांची में किया जा रहा है.

आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना अभियान का उद्देश्य

उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारियां अत्यंत व्यापक और महत्वपूर्ण हैं, जिनमें भारत के समुद्री हितों की रक्षा, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज एवं बचाव कार्य, समुद्री पर्यावरण संरक्षण और समुद्री कानून प्रवर्तन शामिल हैं. अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय तटरक्षक बल को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है. अभियान के दौरान, नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय की एक टीम छात्रों से सीधे संवाद करेगी, जिससे उन्हें इस सेवा के जीवन शैली और चुनौतियों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हो सकेगी. विद्यालयों के संदर्भ में कक्षा 9 और उससे ऊपर के छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जा सकता है, वहीं महाविद्यालयों में सभी इच्छुक छात्रों को इस में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जा सकता है.

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से करियर विकल्पों की जानकारी दी जाएगी

अभियान की जानकारी देते हुए भारतीय तटरक्षक बल के डीआईजी सह रिक्रूटमेंट के प्रधान निदेशक केएल अरुण ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के साथ लगभग 30 मिनट की एक संवादात्मक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारतीय तटरक्षक बल और उसमें उपलब्ध करियर विकल्पों की जानकारी दी जाएगी. डीआईजी ने कहा कि यह अवगत कराते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय तटरक्षक बल, एक वर्दीधारी सेवा, की स्थापना 01 फरवरी 1977 को हुई थी और कोस्ट गार्ड एक्ट, 1978 के अंतर्गत इसे संघ की एक सशस्त्र सेना के रूप में अधिनियमित किया गया. यह बल रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है.

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को हाईकोर्ट ने नहीं दी जमानत

रांची। टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुना दिया है. हाईकोर्ट ने आलमगीर आलम की याचिका को खारिज करते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है. हाईकोर्ट के आदेश से आलमगीर आलम को बड़ा झटका लगा है. दरअसल 26 जून को ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में सुनवाई हुई. आलमगीर आलम को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने बेल देने से इंकार करते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगाई गई थी. लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली.

आधुनिक रक्षा उपकरणों से लैस होगी झारखंड पुलिस

आईईडी बमों से होगा विशेष बचाव

शुभम संदेश। रांची

नक्सलियों के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतिम रूप देने के लिए झारखंड पुलिस के द्वारा बड़ी तैयारी की गई है. नक्सलियों के सबसे घातक हथियार आईईडी बमों को सुरक्षा के साथ पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए झारखंड पुलिस अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद करेगी. इसके लिए बकायदा निविदा भी जारी कर दी गई. इसके साथ-साथ सपाई और कई दूसरे तरह के कैमरे की खरीद के लिए भी निविदा निकाली गई है.

महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों के लिए निकाली गई निविदा: झारखंड पुलिस कई महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की खरीद करेगी. इसके लिए झारखंड पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर टेंडर निकाला गया है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा तय किए गए मापदंडों पर जो कंपनी खरा उतरेगी उनसे यह उपकरण खरीदे जाएंगे.

कौन कौन से उपकरण खरीदे जाएंगे: आरएसपी- आरएसपी एक अत्याधुनिक उपकरण है जो विस्फोटकों को पूरी सुरक्षा के साथ पता लगाने और उन्हें नष्ट करने की प्रक्रिया में मदद करती है. इस उपकरण के द्वारा बिना किसी बीडीएस टीम के भी विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय करने का काम किया जाता है. झारखंड पुलिस के द्वारा इस उपकरण की खरीदारी के लिए भी टेंडर निकाला गया है.

- **हुक एंड लाइन सेट**- हुक एंड लाइन सेट एक ऐसा उपकरण है जो विशेष रूप से इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को नष्ट करता है. इसे रिमोट के द्वारा हैंडल किया जाता है. उदाहरण के लिए अगर मान लीजिए की नक्सलियों के द्वारा किसी जगह पर शक्तिशाली लैंडमाइंस या फिर दूसरे तरह का एक्सप्लोसिव लगाया गया है. तब इस उपकरण के द्वारा रिमोट कंट्रोल के जरिए ही उस एक्सप्लोसिव को नष्ट किया जा सकता है. उपकरण की वजह से मानव हस्तक्षेप की जरूरत नहीं पड़ती है और अगर एक्सप्लोसिव निकालने के दौरान विस्फोट भी हो तो भी किसी की जान नहीं जाती है.
- **सर्विस प्रिजमेटिक लिक्विड कंपास**- सर्विस प्रिजमेटिक लिक्विड कंपास एक विशेष प्रकार का सैया ग्रेट कंपास है जो सर्वेक्षण और नेविगेशन के लिए उपयोग किया जाता है. जमीन के नीचे छिपे विस्फोटकों के पहचान के लिए इस उपकरण का प्रयोग किया जाता है. विस्फोटक किस दिशा में लगाए गए हैं और जमीन में कितने नीचे हैं उसकी जानकारी इस उपकरण के जरिए मिलती है.

नक्सलियो के खिलाफ अभियान में मददगार होंगे उपकरण

झारखंड पुलिस के द्वारा जिन उपकरणों के खरीदारी के लिए निविदा निकाली गई है वह बेहद खास हैं. वर्तमान में झारखंड पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती नक्सलियों का मैन पावर नहीं बल्कि उनके विस्फोटक हैं. खासकर सारंडा में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए विस्फोटक ही सारंडा फतह करने में बाधक बने हुए हैं. ऐसे में अगर इन उपकरणों को जल्द से जल्द हासिल कर लिया जाता है तो इनका उपयोग सारंडा में भी किया जा सकता है.

हताहत हो रहे है जवान, 2025 में अब तक तीन शहीद

आपको बता दें कि नक्सल अभियान में लगे सुरक्षा बल किसी भी तरह सारंडा पर फतह करना चाहते हैं, लेकिन जमीन के नीचे बिछाए गए मौत का सामान उनके रास्ते का रोड़ा बन रहे हैं. इसी साल सारंडा के ओडिशा क्षेत्र में सीआरपीएफ के जीडी शहीद हो गए थे. 14 मई को चाईबासा जिला के सीमावर्ती ओडिशा राज्य के राउरकेला जिला के बोलांग थानान्तर्गत जंगली / पहाड़ी क्षेत्र में अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को लक्षित करके आईईडी ब्लास्ट किया गया. आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ 134 बटालियन के सत्यवान कुमार सिंह वीरगति को प्राप्त हुए थे. मार्च 2025 से लेकर अब तक नक्सलियो के द्वारा दो दर्जन बार ब्लास्ट किया गया है. 12 मई 2025 को हुए ब्लास्ट में झारखंड जगुआर के बम निरोधक दस्ते के आरक्षी मनोज कुमार दमाई बुरी तरह से जख्मी हो गए, जिन्हें एयरलिफ्ट कर रांची लाकर इलाज करवाया जा रहा है. इससे पहले 5 मार्च को हुए ब्लास्ट में तीन जवान घायल हुए. 16 मार्च के ब्लास्ट में एक जवान घायल हुआ जबकि 22 मार्च को हुए ब्लास्ट में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील मंडल शहीद हो गए. वहीं सीआरपीएफ के ही हेड कांस्टेबल घायल हो गए. जबकि 13 अप्रैल को हुए ब्लास्ट में जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान शहीद हो गए. सारंडा में अभियान से बौखलाये नक्सली थोड़े हमलवार हुए हैं. हालांकि इन सब के बावजूद सुरक्षबलों का अभियान जारी है.

गदर पावर ग्रिड शीघ्र चालू करने की मांग

भाकपा-माले के पूर्व विधायक राजकुमार यादव अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

शुभम संदेश। रांची/गिरिडीह

गिरिडीह जिले के धनवार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गदर पावर ग्रिड को चालू करने की मांग को लेकर भाकपा-माले के पूर्व विधायक राजकुमार यादव अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं. यह धरना पावर ग्रिड के उद्घाटन में हो रही लापरवाही और देरी के विरोध में शुरू किया गया है.जानकारी के अनुसार, लगभग 139 करोड़ रुपये की लागत से इस पावर ग्रिड का निर्माण कार्य दो साल पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक इसे चालू नहीं किया गया है. इस लापरवाही के चलते न सिर्फ करोड़ों के उपकरण धीरे-धीरे खराब हो रहे हैं, बल्कि ग्रिड की पूरी इमारत भी जर्जर होती जा रही है. पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने राज्य सरकार और प्रशासन से इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि यह पावर ग्रिड धनवार क्षेत्र की लगभग 3 लाख की आबादी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. इसके चालू न होने से लोगों को लगातार बिजली संकट और अनियमित आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है. धरने में शामिल स्थानीय लोगों और समर्थकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द ग्रिड को चालू करने की मांग की. उन्होंने बताया कि बिजली की अस्थिरता से आम जनजीवन, खासकर गर्मी के मौसम में, बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. फिलहाल प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन धरने को मिल रहे जनसमर्थन से यह मुद्दा क्षेत्रीय स्तर पर लगातार तूल पकड़ता जा रहा है.

जोहार पार्टी जल्द करेगी संगठन विस्तार : विजय

रांची। जोहार पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय महतो ने कहा है कि झारखंड के सभी जिलों में जल्द ही संगठनात्मक कमेटियों का गठन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि पार्टी का फोकस अब प्रखंड और ग्राम स्तर तक संगठन के ढांचे को मजबूत करने पर है. अधूरे कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा ताकि पार्टी की जमीनी पकड़ और मजबूत हो सके. महतो शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में अपने प्रदेश कार्यालय में कहा कि झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रवार समस्याएं व्याप्त हैं, जिन पर ठोस तरीके से काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने भरोसा जताया कि संगठन के विस्तार के बाद पार्टी इन मुद्दों पर शत-प्रतिशत काम करेगी. कुशवाहा विजय महतो ने कहा कि आम जनता का पार्टी की ओर विश्वास तेजी से बढ़ा है और इसे देखते हुए जोहार पार्टी आगामी विस व लोस चुनाव में राज्य की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी. पार्टी झारखंडी अस्मिता, स्थानीय अधिकार और विकास आधारित राजनीति को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी और राज्य में वैकल्पिक नेतृत्व प्रस्तुत करेगी.

इंस्पेक्टर से डीएसपी बने छह अधिकारियों को आईजी ने बैच लगा कर सम्मानित किया

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस के इंस्पेक्टर रैंक से प्रमोशन पाकर डीएसपी बने रांची जिला के नवप्रोन्नत छह अधिकारियों को शुक्रवार को बैच लगाया गया. डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के दफ्तर में पीपिंग सेरेमनी के तहत सभी अधिकारियों को एक-एक कर डीएसपी रैंक का बैच लगाया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं. लोअर बाजार के थानेदार इंस्पेक्टर दयानंद, बरियातू थानेदार मनोज कुमार, अरगोड़ा थाना प्रभारी आलोक सिंह, इंस्पेक्टर विजय सिंह, महेश्वर प्रसाद रंजन और तलेश्वर प्रसाद कुशवाहा को रांची के आईजी मनोज कौशिक ने बैच लगाकर सम्मानित किया. इन अधिकारियों के कंधे पर लगे इंस्पेक्टर रैंक के बैच को हटाकर डीएसपी रैंक का बैच लगाया गया.बता दें कि झारखंड के कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने बीते 25 जून को कुल 64 पुलिस अधिकारियों को डीएसपी रैंक में प्रमोट किया था. उनमें से 23 अधिकारियों को बीते सात जुलाई को डीजीपी ने बैच लगाया था. वहीं, छह अधिकारियों को शुक्रवार को बैच लगा सम्मानित किया गया. मौके पर आईजी मनोज कौशिक, डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी अजीत कुमार, रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

एक नजर

राज्यपाल से मुलाकात कर भोजपुरी, मगही, मैथिली अंगिका को नियोजन नीति में शामिल करने की मांग

रांची। राजद महासचिव सह अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका और भूमिज भाषाओं को झारखंड की नियोजन नीति में क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में शामिल करने की मांग की. कैलाश यादव ने बताया कि झारखंड सरकार की अधिसूचना 29 अगस्त 2018 के अनुसार ये भाषाएं राज्य की द्वितीय राजभाषा हैं, लेकिन कर्मचारी चयन आयोग की 2023 की नियमावली में इन्हें क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, जबकि इन भाषाओं को झारखंड के अनेक जिलों में लाखों लोग बोलते हैं और इनकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा है. राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि वे इस विषय में सरकार को पत्र लिखेंगे. साथ ही सुझाव दिया कि प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिलकर बात करे. प्रतिनिधिमंडल में अमरनाथ झा, सुधीर गोप, सुरेंद्र मिश्रा, राधेश्याम यादव और सुनील पांडेय शामिल थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिवंगत चंद्रशेखर दुबे (ददई दुबे) के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. मुख्यमंत्री ने शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की. मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना ईश्वर से की.

किशोर मंत्री ने परिवहन आयुक्त संजीव बेसरा से मुलाकात की, परमिट नवीकरण का मामला उठाया

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सह झारखंड प्रदेश बस ओनर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष किशोर कुमार मंत्री ने परिवहन आयुक्त संजीव कुमार बेसरा से मुलाकात की. मंत्री ने शुक्रवार को एफएफपी बिल्डिंग के परिवहन विभाग में पदस्थापित नवनियुक्त झारखंड परिवहन आयुक्त का स्वागत किया. इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि परिवहन आयुक्त का पद कई वर्षों से रिक्त था. संजीव बेसरा के आने से बस मालिकों में खुशी की लहर दौड़ी है. परिवहन कार्य को गति मिलेगी और परिवहन व्यवसाय का राज्य में विकास तेजी से होगी. किशोर मंत्री ने परिवहन आयुक्त से एक वर्षों से रुके पड़े परमिट नवीनीकरण के मामला को संचिका के माध्यम से नवीकरण करने का अनुरोध किया. साथ ही राज्य परिवहन प्राधिकार की बैठक एक साल से नहीं हुई है, उसे जल्द कराने का अनुरोध किया. किशोर मंत्री ने परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने वर्षों से रिक्त परिवहन आयुक्त के पद पर बेसरा को पदस्थापित किया. बेसरा ने आश्वस्त किया कि अब कार्य में तेजी लाई जाएगी. इस अवसर पर संयुक्त राज्य परिवहन आयुक्त प्रवीण प्रकाश, वकील, सुशील तिवारी एवं अशफाक आजम उपस्थित थे.

वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉमरेड मिथिलेश सिंह का निधन

रांची। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) झारखंड के अध्यक्ष और वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉमरेड मिथिलेश सिंह का शुक्रवार सुबह निधन हो गया. वे 71 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे.कॉमरेड मिथिलेश सिंह वामपंथी विचारधारा के समर्थक और कॉमरेड एके रॉय के अनुयायी थे. उन्होंने कोयला क्षेत्रों समेत उत्तरी छोटानागपुर के असंगठित मजदूरों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई.सीटू ने उनके निधन को ट्रेड यूनियन आंदोलन के लिए बड़ी क्षति बताया है और उनके परिवार व साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. उनकी मृत्यु की खबर मिलते ही सीटू उपाध्यक्ष प्रकाश विप्लव, कोषाध्यक्ष अनिर्बान बोस और सदस्य समीर दास व अमल आजाद गिद्दी स्थित उनके आवास रवाना हुए.

बड़ा खुलासा मंईयां सम्मान योजना में सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा !

गांव में नहीं कोई मुस्लिम, लेकिन 172 को मिल गई किस्त

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, जो गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के लिए शुरू की गई थी, अब फर्जीवाड़े का शिकार हो गई है. घाटशिला प्रखंड के हेंदलजुड़ी पंचायत में ऐसा घोटाला हुआ है जिससे आम लोग भी हैरान हैं और अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. हेंदलजुड़ी पंचायत के आठों गांवों में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता, लेकिन फिर भी योजना की सूची में बिहार और बंगाल की 172 मुस्लिम महिलाओं के नाम जुड़ गए. इतना ही नहीं, उनके खातों में योजना की पहली किस्त 2,500 भी भेज दी गई. जब गांववालों को इसकी भनक लगी तो सब हैरान और गुस्से में थे. इन महिलाओं में बिहार के किशनगंज जिले की 40 महिलाएं और पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर की 132 महिलाएं शामिल हैं. यानी पूरी की पूरी सूची बाहरी राज्यों की महिलाओं से भरी हुई थी.

केस दर्ज, लाखों की सरकारी राशि गलत तरीके से निकाली गई: मामले की पुष्टि के बाद गालूडीह थाना में 172 महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर दिया गया है. उनके खिलाफ 9.57 लाख रुपए की सरकारी राशि फर्जी तरीके से लेने का आरोप है. कानून की अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. इस पूरे मामले में पूर्व पंचायत सचिव पुष्पा कुमारी पोद्दार को भी शोकॉज नोटिस भेजा गया है कि उन्होंने यह सब कैसे नजरअंदाज किया.

कैसे हुआ फर्जीवाड़ा

जांच में सामने आया कि सभी नामों के साथ एक ही राशन कार्ड नंबर दर्ज था, मोबाइल और आधार कार्ड नंबर भी संदिग्ध थे. फिर भी पंचायत और प्रखंड स्तर पर इस सूची को बिना ठीक से जांचे मंजूरी दे दी गई. ऐसा भी शक जताया जा रहा है कि किसी ने पंचायत सचिव का लॉगिन हैक करके फॉर्म में हेरफेर किया.

झारखंड में राज्य कार्यकारी समिति का पुनर्गठन, मुख्य सचिव को बनाया गया अध्यक्ष

गृह सचिव, स्वास्थ्य सचिव व डीजीपी समेत कई अधिकारी होंगे सदस्य

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) का पुनर्गठन करते हुए मुख्य सचिव को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया है. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह कदम राज्य में विशेष रूप से आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों के समुचित निष्पादन और बेहतर समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है. पुनर्गठित एसईसी में मुख्य सचिव को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि गृह सचिव, वित्त सचिव, स्वास्थ्य सचिव, डीजीपी और आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव को सदस्य नामित किया गया है. आपदा प्रबंधन सचिव समिति के संयोजक भी होंगे. आदेश में यह भी उल्लेख है कि समिति आवश्यकता पड़ने पर विषय विशेषज्ञों या अन्य अधिकारियों को विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल कर सकती है, जिससे निर्णय प्रक्रिया और अधिक प्रभावी हो सकेगी.

राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) क्या है?

राज्य कार्यकारी समिति राज्य सरकार के अधीन एक प्रमुख निकाय है, जो सरकार की नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायक होती है. इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना और विशेष रूप से आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है. एसईसी आपदा पूर्व तैयारी, राहत वितरण और पुनर्वास जैसे कार्यों की निगरानी एवं क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाती है, ताकि राज्य स्तर पर त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम घोषित, राधा यादव होंगी कप्तान

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, शनिवार 12 जुलाई 2025, श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया, संवत 2082

पेज 07

सदर अस्पताल में आज

मेडिसिन	- डॉ पीपी पांडेय, डॉ एपिल टोपनो
शिशु रोग	- डॉ राजेंद्र कुमार
हड्डी रोग	- डॉ हरेंद्र कुमार
सर्जरी	- डॉ प्रभात कुमार
नेत्र रोग	- डॉ सरोजिनी मुर्मू
दंत रोग	- डॉ स्नेहा केसरी
मनोरोग	- डॉ मीनाक्षी दुबे
स्त्री एवं प्रसूति रोग	- डॉ सुरभि

गायनी इमर्जेंसी

सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	- डॉ अंजना कुमारी
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	- डॉ रूमा प्रसाद
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	- डॉ संध्या तिवारी

जेनरल इमर्जेंसी

दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक	- डॉ नीलम बाला
रात 9 बजे से शुक्रवार सुबह 9 बजे	- डॉ मासूम आलम

घोटाला : गोविंदपुर में मनरेगा कार्यों में मुखिया पर मशीन उपयोग का है आरोप

दूसरी शिकायत पर भी अपर सचिव ने दिया जांच का आदेश

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड सरकार के अपर सचिव ने रमेश महतो की शिकायत पर जांच का निर्देश दिया है. मामले में धनबाद उपायुक्त को पत्र भेज कर कार्रवाई करने का निर्देश हैं. गोविन्दपुर प्रखंड के बिराजपुर पंचायत में मनरेगा के तहत जमीन समतलीकरण और डोभा खुदाई कार्य में अनियमितता का आरोप है. स्थानीय निवासी रमेश महतो सहित अन्य लोगों ने पंचायत के मुखिया पर कार्य में मशीन के उपयोग का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत की है. रमेश महतो द्वारा दायर परिवाद में कहा गया है कि मनरेगा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों में नियमों का उल्लंघन करते हुए मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है. इस संबंध में सरकार के अपर सचिव अरुण कुमार सिंह ने उपायुक्त-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक और उप विकास आयुक्त-सह-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, धनबाद को पत्र लिखकर मामले की जांच करने और विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. पत्र में अपर सचिव ने अनुरोध किया है कि शिकायत की गहन जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए और इसकी रिपोर्ट विभाग को उपलब्ध कराई जाए. यह मामला मनरेगा योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े करता है.

बिराजपुर पंचायत में मनरेगा घोटाला : मृत व्यक्ति के नाम पर मजदूरी का फर्जी भुगतान

गोविंदपुर प्रखंड के बिराजपुर पंचायत में मनरेगा योजना के वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्वीकृत एक डोभा निर्माण योजना (वर्क कोड : 3421003011/आईएफ/7080902553743) में स्व. बिनोद कुमार साय (जॉब कार्ड नं : 011-012/50), जिनकी मृत्यु 7 अप्रैल 2023 को हो चुकी थी, को मस्टर रोल में कार्यरत दिखाकर मजदूरी की राशि का गबन किया गया. आरोप है कि बिराजपुर गांव में उपेंद्र पांडे की जमीन पर डोभा निर्माण योजना के तहत स्व. बिनोद कुमार साय को मस्टर रोल में तीन अलग-अलग अवधियों में कार्यरत दिखाया गया. मस्टर रोल के अनुसार :

- 6 जून 2023 से 6 दिनों तक
- 19 जून 2023 से 6 दिनों तक
- 27 जून 2023 से 6 दिनों तक

कुल 18 दिनों तक बिनोद कुमार साय को कार्यरत दिखाकर उनके नाम पर मजदूरी की राशि निकाली गई. जबकि, बिनोद कुमार साव की मृत्यु 7 अप्रैल 2023 को हो चुकी थी. इस फर्जीवाड़े से साफ है कि योजना में शामिल कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों ने सरकारी राशि का दुरुपयोग किया.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव : धनबाद अंचल अधिकारी को शो कॉज

गैर आबाद खाते की 24 डि. जमीन का गलत पंजीकरण

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के अंचल अधिकारी शशि कान्त सिंकर को गैर आबाद खाते की भूमि को रैयत के पक्ष में ऑनलाइन पंजी-II में कायम करने के मामले में अपर समाहर्ता विनोद कुमार द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया है. यह मामला मौजा नारायणपुर, मौजा नं. 13, हल्का नं. 02, खाता नं. 148, प्लॉट नं. 518/798 से संबंधित है, जिसका रकबा 24.8 डिसमिल है. इस भूमि को हाल सर्वे के अनुसार गैर आबाद खाते की भूमि बताया गया है, जो गत सर्वे में भी गैर आबाद थी. अपर समाहर्ता ने कहा है कि अंचल अधिकारी ने विभागीय निर्देशों और वरीय अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करते हुए उक्त भूमि को मालती देवी, पति-ललन प्रसाद के नाम से ऑनलाइन झारभूमि पोर्टल पर पंजी-II में दर्ज कर दिया. यह कृत्य नियमसंगत नहीं है और इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान, योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा, और सरकार की छवि धूमिल होने की संभावना जताई गई है. पत्र में यह भी उल्लेख है कि गैर आबाद खाते की भूमि को संरक्षित करने के लिए एनजीडीआरएस पोर्टल पर प्रतिबंधित सूची अद्यतन की गई थी, ताकि ऐसी भूमि की खरीद-बिक्री रोकी जा सके. इसके बावजूद, बिना सक्षम न्यायालय के आदेश या वरीय अधिकारी की अनुमति के यह पंजीकरण किया गया, जो अंचल अधिकारी की स्वेच्छाचारिता और निजी लाभ की मंशा को दर्शाता है. अपर समाहर्ता ने अंचल अधिकारी को स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ प्रपत्र 'क' में आरोप गठित कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

बलियापुर सीओ को बीसीसीएल नहीं दे रहा जवाब

रैयती भूमि पर जबरन ओबी डंपिंग के खिलाफ शिकायत

धनबाद । बलियापुर अंचल के मौजा सुरूंगा, मौजा नंबर 155 में रैयतों की भूमि पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और उनकी आउटसोर्सिंग कंपनी एटी. देवप्रभा द्वारा कथित तौर पर जबरन ओवरबर्डन (ओबी) डंपिंग के खिलाफ रैयतों ने अंचल अधिकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज की है। इस मामले में अंचल अधिकारी, बलियापुर ने अपर समाहर्ता को पत्र लिखकर विस्तृत जानकारी दी है.

जानकारी के अनुसार प्रभावित भूमि गत सर्वे खाता नंबर 90, 151, 248, 146, 247, और 316 से संबंधित है, जिनका हाल सर्वे खाता नंबर 295, 296, 87, 129, 56, 19, 20, 343, 203, 216, 325, 192, 171, 29, 383, 223, और 176 है. इस मामले की जांच राजस्व उपनिरीक्षक और प्रभारी अंचल निरीक्षक, बलियापुर द्वारा की गई, जिसमें डंपिंग की शिकायतों की पुष्टि हुई. अंचल अधिकारी ने 13 जून को बीसीसीएल के महाप्रबंधक,

धनबाद सीओ

लोदना को पत्र लिखकर दो बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था : पहला, क्या बीसीसीएल या उनकी आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा उक्त भूमि पर ओबी डंप किया गया है? दूसरा, क्या प्रभावित रैयतों को मुआवजा दिया गया है, और यदि नहीं, तो क्या बीसीसीएल मुआवजा देने पर विचार कर रहा है? हालांकि, बीसीसीएल की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है. रैयतों का आरोप है कि उनकी निजी भूमि पर बिना सहमति या मुआवजे के डंपिंग की जा रही है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है. इस मामले में बीसीसीएल की चुप्पी से रैयतों में नाराजगी बढ़ रही है. अंचल अधिकारी ने इस मुद्दे को वरीय अधिकारी के समक्ष रखकर उचित कार्रवाई की मांग की है. स्थानीय प्रशासन और बीसीसीएल के बीच पत्राचार के बावजूद मामले में प्रगति नहीं होने से रैयतों में असंतोष बढ़ रहा है.

बीसीसीएल का रवैया गैर जिम्मेदाराना

जिला प्रशासन को जांच में सहयोग न करना बीसीसीएल की गैर जिम्मेदाराना रवैया है. जिसे लेकर रैयतों में भी काफी रोष है. बीसीसीएल की आउटसोर्सिंग कंपनी लगातार जिला प्रशासन के नियमों की धज्जियां उड़ा रही है. इसके बावजूद जिला प्रशासन बीसीसीएल के इस रुख के खिलाफ कड़ा कदम उठाने में असहज महसूस कर रहा है. बीसीसीएल द्वारा बलियापुर सीओ को जवाब न देना दर्शाता है कि बीसीसीएल को जिला प्रशासन का मान नहीं है.

कोयला हेराफेरी के संदेह में चार हाइवा जब्त

कागजातों की जांच में जुटी पुलिस एवं खनन विभाग

शुभम संदेश। निरसा बाजार

निरसा थाना क्षेत्र के महताडीह कॉलोनी के समीप एमपीएल के एप्रोच रोड में कोयले के स्थान पर मिट्टी एवं पत्थर लदे चार हाइवा को पुलिस ने सीओ रमेश रविदास के निर्देश पर जब्त किया है हालांकि हाइवा के खलासी एवं चालक पूर्व में ही फरार हो चुके थे. पुलिस एवं खनन विभाग के अधिकारी वाहनों को निरसा थाना ले जाकर कागजातों की जांच कर रहे हैं. बताया जाता है कि उक्त हाइवा में लोड कोयला एमपीएल ले जाने की तैयारी थी परंतु इसके पूर्व ही भंडाफोड़ हो जाने के कारण हाइवा के चालक एवं खलासी वाहन को खड़ी कर भागने में सफल रहे. यदि गहराई से मामले की जांच की जाए तो बड़े पैमाने पर कोयले की हेरा फेरी का खुलासा हो पाएगा. साथ ही कई सफेद पोश चेहरे भी बेनकाब होंगे.

यह है मामला: शुक्रवार की सुबह लगभग 5:00 बजे एमपीएल के एप्रोच रोड के महताडीह कालोनी के समीप स्थित एक ढाबे के समीप हाइवा संख्या जेएच 10 एडी 9646, जेएच 10 एडी 9861, जेएच 10 एएल 9887 एवं जेएच 10 एएल 2854 के चालक एवं खलासी वाहन खड़ी कर ढाबे में जाकर खाना बनाने का आर्डर दिया. उन लोगों ने ढाबे वाले को कुछ देर बाद आने की बात कह कर वहां से निकले उसके बाद से वापस नहीं आए. भाजपा नेता मधुरेंद्र गोस्वामी, वापी चक्रवर्ती एवं निरसा के स्थानीय हाइवा मलिक वहां पहुंचे. उन लोगों को पूर्व से संदेह था कि उपरोक्त वाहनों से कोयले की हेराफेरी की जा रही है. स्थानीय लोगों ने जब तिरपाल से ढंके हाइवा के अंदर झांक कर देखा तो मामला समझ में आया. हाइवा में कोयले के स्थान पर काला रंग का पत्थर एवं कचरा लोड था. तिरपाल को बांधकर रस्सी पर सील भी लगा हुआ था. स्थानीय लोगों एवं भाजपा नेताओं ने मामले की जानकारी निरसा अंचलाधिकारी रमेश रविदास एवं पुलिस को दी.

(शेष पेज-11 पर)

ब्रीफ खबरें

पशु क्रुरता के खिलाफ नगर आयुक्त से शिकायत

धनबाद । नालंदा कॉटेज मेमको मोड़ की रहने वाली पशुप्रेमी प्रिया सिंह धनबाद नगर आयुक्त को पत्र देकर नालंदा कॉटेज के ही रहने वाले उमेश गुप्ता के खिलाफ पशु से क्रुरता करने की शिकायत की है. बताया है कि स्थानीय एक महिला के नाम पर फोन कर कुत्ता पकड़ने वाले वाहन को बुलाया गया था और उन्हें पकड़ा गया था. जबकि उक्त महिला ने इस बात से इंकार किया है. आवदेन में उन्होंने बताया कि वे पूर्व में भी शिकायत कर चुकी हैं और फिलहाल छानबीन लंबित है. उनका कहना है कि आवारा कुत्तों को जबरन हटाना वर्जित है, कुत्तों की नसबंदी के बाद उन्हें उसी क्षेत्र में छोड़ देने का नियम है.

नीरज हत्याकांड फिर पहुंचा उच्च न्यायालय

विनोद सिंह ने मुकदमा ट्रांसफर करने की लगाई गुहार

धनबाद । पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या का मामला धनबाद की अदालत में अब अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है, इसी बीच इस मामले के आरोपी जेल में बंद विनोद सिंह ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए मुकदमे को जिला एवं सत्र न्यायाधीश 16 की अदालत से दूसरी अदालत में सुनवाई के लिए स्थानांतरित करने की गुहार लगाई है. इससे पूर्व विनोद सिंह द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में गुहार लगाई थी, जहां अदालत ने उसकी प्रार्थना को ठुकरा दिया था. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत के आदेश के खिलाफ विनोद सिंह ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है.

पूर्व मंत्री ददई दुबे को दी श्रद्धांजलि

पुटकी। पीबी एरिया आरसीएमयू ने बिहार, झारखण्ड प्रदेश के पूर्व मंत्री, धनबाद के पूर्व सांसद व इंटक के क़द्दावर कांग्रेस नेता चन्द्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया पूर्व सांसद के निधन पर दो मिनट का मौन रख दिवंगत के आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई. शोक सभा में अमरेन्द्र चौधरी,सुरेश कुमार तांती ,नगीना रॉय, अक्षयवर प्रसाद, मनबोध सिंह ,जितेंद्र शर्मा, बिनोद चौहान ,रामप्रकाश, उमेश सिंह प्रभु महतो, संजीव सिन्हा, रामबिलास सिंह,रघुवीर यादव ,बिजय दुबे, बिट्टू सिंह आदि मौजूद थे.

सॉफ्ट कोक भट्ठा में छापामारी 40 टन कोयला जब्त

झरिया। लक्ष्मी कोलियरी स्थित लालपुल में संचालित सॉफ्ट कॉक भट्ठा में अवैध कोयले की खरीद बिक्री करने की सूचना पर शुक्रवार की दोपहर में जोरापोखर पुलिस ने छापामारी कर लगभग 40 टन कोयला को जब्त किया है. हालांकि छापामारी के दौरान भट्ठा कर्मियों द्वारा पुलिस को जब्त किए गए कोयले को डीओ का कोयला होने का दावा करते हुए कोयले की कागजात को पुलिस को सौंपा है. पुलिस कोयले की कागजात की जांच कर रही है. बताते है कि जोरापोखर थाना क्षेत्र के लालपुल में एक हार्डकोक भट्ठा संचालित है. जहां डीओ के तहत कोयले की खरीदारी कर सॉफ्ट कॉक बनाकर बिक्री करने का कार्य किया जाता है.

धनबाद रेलवे स्टेशन पर दो बच्चों का किया गया रेस्क्यू

धनबाद । रेलवे सुरक्षा बल की अपराध आसूचना शाखा, धनबाद ने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत शुक्रवार को धनबाद रेलवे स्टेशन पर गश्त और निगरानी के दौरान दो बच्चों को असुरक्षित परिस्थितियों से बचाया। इस अभियान का नेतृत्व निरीक्षक प्रभारी अरबिंद कुमार राम ने किया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार, सहायक उप निरीक्षक शशि कान्त तिवारी, प्रधान आरक्षी फूलचंद महतो और आरक्षी विकास कुमार शामिल थे।

कुमारधुबी, गलफरबाड़ी में लॉटरी का धंधा जोरो पर, प्रशासन मौन

कुमारधुबी। निरसा विधानसभा क्षेत्र के कुमारधुबी और गलफरबाड़ी में वर्षों से अवैध डेली लॉटरी का कारोबार खुलेआम चल रहा है. यह धंधा स्थानीय पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे फल-फूल रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है. इस अवैध लॉटरी कारोबार का सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मजदूर वर्ग को हो रहा है, जो लालच में आकर अपनी जमा-पूंजी गंवा बैठते हैं. कई परिवार कर्ज में डूबकर पलायन को मजबूर हो चुके हैं. घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह और सामाजिक विघटन जैसे गंभीर परिणाम भी सामने आ रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड निरसा निवासी आनंद साव है, जो पूरे क्षेत्र में एजेंटों के माध्यम से लॉटरी सप्लाई करता है.

पिता ने छीना मोबाइल तो फांसी के फंदे से लटकी बेटी

शुभम संदेश। पुटकी

पिता ने मोबाइल छीना तो 22 वर्षीया पुत्री ने दुपट्टा के फंदे से लटककर जान दे दी. यह घटना पुटकी थाना क्षेत्र के लोयाबाद कोक प्लांट ऊपर धौड़ा में हुई है. बताया जा रहा है कि युवती पीके राय कॉलेज में पढ़ती थी. किसी से मोबाइल पर ज्यादा बात करने व व्यस्त रहने पर पिता ने दो दिन पहले ही मोबाइल ले लिया था. इसके कारण लड़की तनाव में थी व हंगामा कर रही थी. तब पिता ने कहा कि भाई धनबाद स्टेशन से लौटकर आएगा, तब मोबाइल दिलवा देंगे. लेकिन भाई के जाते ही अंजली ने गोदाम में जाकर आत्महत्या कर ली. युवती ने कमरे में सीढ़ी के सहारे छत में लगे एंगल से दुपट्टा को बांध लटक गई. काफी देर तक जब अंजली नहीं दिखी तो उसकी खोज हुई तो घर से कुछ कदम की दूरी पर बने मकान का दरवाजा बंद पाया.तोड़कर लोग घुसे तो युवती को फंदे से लटकता पाया. दुपट्टा काट कर उसे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गयी थी.

झारखंड में शराब संकट खत्म

अब हर दुकान पर हर ब्रांड की शराब मिलेगी

रांची । झारखंड में मनचाहा ब्रांड की शराब मिलने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन उत्पाद विभाग का दावा है कि एक सप्ताह के अंदर राज्य में खुदरा शराब की बिक्री पूरी तरह से सामान्य हो जाएगी. फिलहाल झारखंड के 1452 शराब दुकानों में से 1359 दुकानों का ऑडिट पूरा हो चुका है. नई शराब नीति के तहत आज 410 नई दुकानें खोली गई हैं, जो कल की तुलना में दोगुनी से अधिक हैं. रांची में 55, जमशेदपुर में 34, धनबाद में 30 और हजारीबाग में 22 नई शराब दुकानें खोली गई हैं.

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश तीन गिरफ्तार, छह बरामद

शुभम संदेश। निरसा बाजार

निरसा थाना क्षेत्र के कालूबथान ओपी अंतर्गत सक्रिय एक मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. उसके पास से छह चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं. घटना 10 जुलाई की रात की है, जब कालूबथान ओपी प्रभारी को सूचना मिली कि थाना कांड संख्या 375/25 (धारा 303(2), के तहत चोरी गई मोटरसाइकिल पिंड्राहाट से कलियासोल की ओर जा रही है.

(शेष पेज-11 पर)

विश्व जनसंख्या दिवस : झारखंड का पॉपुलेशन 4 करोड़ के पार

धनबाद, रांची और जमशेदपुर में तेजी से बढ़ रही आबादी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की कुल आबादी अब बढ़कर 4 करोड़ 6 लाख 6 हजार 924 हो गयी है. साल 2011 की जनगणना के मुकाबले राज्य की जनसंख्या में 76 लाख 18 हजार 790 लोगों का इजाफा हुआ है. हालांकि देश में 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है. 2025 के अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, झारखंड में पुरुषों की आबादी 2 करोड़ 7 लाख 60 हजार 397 है. जबकि महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 98 लाख 46 हजार 527 है. 2011 की तुलना में पुरुषों की आबादी में 38 लाख 30 हजार 82 और महिलाओं की आबादी में 37 लाख 88 हजार 708 की वृद्धि हुई है. राज्य की जनसंख्या बढ़ने के मामले में रांची सबसे आगे है. यहां बीते 14 सालों में 6 लाख 60 हजार 947 लोगों की संख्या बढ़ी है. इसके बाद धनबाद में 6 लाख 9 हजार 956 और जमशेदपुर में 5 लाख 64 हजार 633 लोगों की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है.

वहीं राज्य में सबसे कम आबादी वाले जिले लोहरदगा में सिर्फ 1 लाख 5 हजार 376 लोग हैं. खूंटी में 1 लाख 21 हजार 672 और सिमडेगा में 1 लाख 39 हजार 187 लोगों की जनसंख्या है. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड की कुल आबादी 3 करोड़ 29 लाख 88 हजार 134 थी. उस वक्त पुरुषों की संख्या 1 करोड़ 70 लाख 30 हजार 315 और महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 59 लाख 57 हजार 819 थी. साल 2001 से 2011 के बीच राज्य की जनसंख्या में 22.4% की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि 2011 से अब तक यह बढ़ोतरी 23.09% हो चुकी है. इन आंकड़ों से साफ है कि झारखंड की आबादी लगातार तेजी से बढ़ रही है और राज्य की जनसंख्या संरचना में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है.

आयु वर्ग के हिसाब से आबादी

18 से 50 वर्ष की महिलाओं की संख्या	- 1 करोड़ 19 लाख 6 हजार 297
0 से 16 वर्ष तक की उम्र के लोग	- 1 करोड़ 22 लाख 22 हजार 965
17 वर्ष की उम्र के युवक	- 7 लाख 82 हजार 779
18 से 19 साल के युवा	- 15 लाख 71 हजार 673
20 से 29 साल के लोग	- 77 लाख 24 हजार 562
30 से 39 साल की उम्र के लोग	- 23 लाख 72 हजार 325
40 से 49 वर्ष की उम्र के लोग	- 47 लाख 14 हजार 569
50 से 59 वर्ष की उम्र के लोग	- 35 लाख 70 हजार 570
60 से 69 साल के बुजुर्ग	- 22 लाख 59 हजार 674
70 से 79 साल की उम्र वाले	- 12 लाख 22 हजार 771
80 साल से अधिक उम्र के लोग	- 37 लाख 5 हजार 697

लोयाबाद में जुमे की नमाज के बाद दो गुटों में मारपीट

दोनों तरफ से चले लाठी-रॉड, चार जख्मी अस्तपाल में भर्ती

खास बातें

- चहल्लुम के दिन छोटे बच्चों के बीच हुए विवाद से था तनाव
- पावर हाउस मस्जिद से निकलते ही एक दूसरे पर टूट पड़े

शुभम संदेश। पुटकी

लोयाबाद पावर हाउस मस्जिद में शुक्रवार को नमाज के बाद नमाजियों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गयी. घटना की पृष्ठभूमि चहल्लुम-तीजा के मिलाद-कुरआनखानी में दो पक्षों में कहासुनी व बहसबाजी के दिन तय हो गयी थी. युवक मौके का इंतजार कर रहे थे. झड़प में दोनों गुटों के चार युवक घायल हो गए. घायलों में लोयाबाद रेलवे स्टेशन मुहल्ले के सैफू खान (23) व लल्लू अंसारी (42) व पावर हाउस के बिट्टू अंसारी (20) व शेरू अंसारी (23) शामिल हैं. इनका इलाज कराया जा रहा है. स्थिति की गम्भीरता को देख पुटकी व लोयाबाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची व स्थिति को नियंत्रित किया. नमाजियों के दो गुटों में मारपीट की वारदात के पश्चात पावर हाउस अंजुमन मामले को सुलझाने में सक्रिय है. जबकि अंजुमन पर आरोप लग रहे हैं कि अगर कमिटी पहले की सक्रिय हुई होती तो घटना नहीं हुई होती.

शुक्रवार को मस्जिद में 150 से ज्यादा नमाजी जुटे थे. नमाज अदा करने के बाद जब नमाजी मस्जिद से बाहर निकलने लगे तो पूर्वाग्रह से ग्रस्त दोनों गुटों ने रॉड, डंडे, मोटरसाइकिल का सेफ्टी चेन आदि से लैस होकर एक दूसरे पर हमला कर दिया. कई सभ्रांत व्यक्तियों ने बीच-बचाव का प्रयास किया व विफल रहे. नव युवक किसी को सुनने को तैयार नहीं थे.दोनो पक्षों के करीब एक-एक दर्जन से ज्यादा लोग मारपीट में शामिल थे.घटना से भगदड़ की स्थिति बन गयी. बताया गया कि लोयाबाद रेलवे स्टेशन मुहल्ले में मुहर्रम के दूसरे दिन इमाम हुसैन की इबादत में चेहल्लुम के तीजा को मिलाद व कुरआनखानी का कार्यक्रम था. बैठने को लेकर पहले छोटे- छोटे बच्चों में लड़ाई हुई थी. इसी में बड़े भी उलझ गए. तब बात को किसी तरह सलटाया गया पर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही.जिसका परिणाम शुक्रवार को नमाज के बाद दिखा. हालांकि अब मामले को सलटाने की कवायद की जा रही है.

हाथुडीह वाशरी कॉलोनी जाने वाली सड़क पर बना गोफ

शुभम संदेश। महुदा

हाथुडीह वाशरी कॉलोनी जाने वाली रोड पर तथा रेलवे ट्रैक से कुछ ही दूरी पर गुरुवार की रात अचानक सड़क के बीचों-बीच गोफ बन गया. इससे वाशरी कॉलोनी आने-जाने वाले लोगों में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना लोगों ने तुरंत बीसीसीएल प्रबंधन मुनीडीह को दी गयी. बीसीसीएल प्रबंधन के निर्देश पर मुनीडीह से जेसीबी मशीन मंगा कर सड़क पर बने गोफ को मिट्टी से भर दिया गया. सनद रहे कि इस क्षेत्र के चारों ओर वर्षों पहले बीसीसीएल व कंपनी की खदानें चली हुई है. इधर लगातार हो रही बारिश के कारण नीचे का मिट्टी ढीला पड़ गया और यह गोफ बन गया.

ब्रीफ खबरें

बारिश ने सड़ा दिए फसलों के बीज

टुंडी । लगातार बीते 26 दिनों की बारिश से टुंडी प्रखंड के किसान परेशान हैं. बारिश की वजह से किसानों के बीज अधिकांश बीज सड़ गये. जिसको लेकर किसानों में धान रोपाई का कार्य प्रभावित हो गया है. वहीं लगातार बारिश की वजह से कई फसलों को भारी क्षति हुई है. कटनियां गांव के किसान दिलीप सिंह का कहना है कि जमीन पर रोपे गए, धान के बीज सड़ गये. इसके अलावे भिंडी सब्जी के पेड़ सफेद हो गये, नेनवा के लत गल गए, वहीं मकई, फसल में कीड़ा लगने से दवाई भी काम नहीं कर रहा है. मनियाडीह गांव के किसान महेंद्र चौधरी का कहना है कि दो बार धान का बीज डालें पर सब पानी में सड़ गया. वहीं पारसबनी गांव के किसान मंगल प्रसाद महतो का कहना है, ऐसी बारिश हमने कभी आषाढ़ मास में नहीं देखी थी.

सहायिका चयन को लेकर आमसभा

मधुबन। बाघमारा प्रखण्ड के खरखरी पंचायत अंतर्गत खरखरी श्रमिक कॉलोनी नीचे क्वार्टर और मोती नगर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र (लघु) में शुक्रवार को नव सृजित सहायिका पद के चयन को लेकर पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार दोनों स्थान पर सीडीपीओ विमला देवी की अध्यक्षता में आमसभा का आयोजन किया गया. जिसमें खरखरी कॉलोनी नीचे क्वार्टर में आयोजित ग्रामसभा में मात्र एक उम्मीदवार सुमिता देवी ने फॉर्म जमा किया. खरखरी पंचायत के मोती नगर में आयोजित ग्राम सभा में भी मात्र एक उम्मीदवार रिता देवी ने फार्म जमा किया. दोनों फार्मा को सुरक्षित रख सीडीपीओ विमला देवी अपने साथ ले गई है, दोनों फार्मो को जांच करने के बाद चयनित सहायिका का नाम घोषित किया जाएगा. इस अवसर पर खरखरी पंचायत के मुखिया कुंदन कुमार रजक ने कहा कि सभा जनप्रतिनिधि की अनुपस्थिति में करवाया गया. जिसको लेकर ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों में आक्रोश है.

मिथलेश सिंह के निधन पर शोक

महुदा । वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता मिथलेश सिंह के निधन पर शोक की लहर, मार्क्सवादी समान्यव समिति (मासस) को संस्थापक सदस्य सह सीटू के प्रदेश अध्यक्ष मिथलेश सिंह कुछ दिनों से बीमार थे, जिनका इलाज के दौरान शुक्रवार को निधन हो गया. निधन की खबर पाकर पूरे कोयला अंचल मे शोक की लहर दौड़ पड़ी. हलधर महतो, दिलिप तिवारी, रहीम शेख, दिलीप ओझा, भीम रजक, दीप सिंह दिवाकर आदि ने शोक व्यक्त की है.

चासनाला में परिवार स्वास्थ्य मेला

चासनाला । विश्व जन संख्या दिवस के अवसर पर झरिया सह जोड़ापोखर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र(चासनाला) में शुक्रवार को परिवार स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन पूर्व पार्षद प्रियंका देवी ने फीता काटकर किया. इस दौरान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाली विश्व जन संख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकाली गई. जागरूकता रैली को चासनाला सीएचसी से पूर्व पार्षद प्रियंका देवी एवं डॉक्टर संजय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर कर रवाना किया. रैली में बीपीएम एएनएम सहिया व स्वास्थ्य कर्मी आदि शामिल थे. इस दौरान कार्यक्रम में बीपीएम एस एस पंकज, एएनएम रूपा कुमारी आदि उपस्थित थे.

आसनबनी में पुलिस व ग्रामीणों के बीच झड़प, दर्जनों लोग घायल

सेल के खिलाफ ग्रामीण कर रहे थे प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठी चार्ज

शुभम संदेश। बलियापुर

बलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आसनबनी गांव में शुक्रवार को जमीन विवाद को लेकर सेल और ग्रामीणों के बीच तनावपूर्ण माहौल बन गया. आरोप है कि सेल द्वारा बिना उचित मुआवजा दिए ग्रामीणों की जमीन पर जबरन कार्य शुरू कराया जा रहा था. इसी पर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया. प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को तितर-बितर करने के लिए मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया. इसमें दर्जनों महिलाएं घायल हो गईं. कई पुरुषों को भी चोटें आई हैं. पुलिस ने कई ग्रामीणों को हिरासत में भी लिया है. ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जाएगा, वे अपनी जमीन पर किसी भी प्रकार का काम नहीं होने देंगे.वहीं, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया गया. इस घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश है. घायल महिलाओं का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया जा रहा है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा.

बनियाहीर विवाद : दोनों पक्षों पर मुकदमा, 50 बने नामजद

झरिया। झरिया थाना क्षेत्र के बनियाहीर मैदान के समीप सात नंबर व चार नंबर में गुरुवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी के मामले को लेकर शुक्रवार को रिया पुलिस ने दोनों ओर से शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है. एक गुट के बनियाहीर चार नंबर निवासी पुर्व पार्षद स्व. आयशा बानो की पुत्री जन्नत फिरदौस की शिकायत पर झरिया थाना कांड संख्या 189/ 25 के तहत 29 नामजद के खिलाफ मामला दर्ज किया है, वहीं बनियहीर सात नंबर निवासी अंशु कुमार साव की शिकायत पर झरिया थाना कांड संख्या 190/ 25 के तहत 20 नामजद लोगों पर मामला दर्ज किया गया है. वही घटना के बाद से ही बानियाहीर में दोनों पक्षों में अभी भी तनाव की स्थिति है. झरिया पुलिस बल की अभी भी तैनाती है. झरिया पुलिस गश्ती की टीम इलाके में लगातार पेट्रोलिंग कर रही है. हालांकि दोनों समुदाय के बुद्धिजीवी लोगों एवं शांति समिति के बैठक के बाद मामला को शांत किया गया है. फिलहाल माहौल शांत है.

फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र मामला

मुखिया ने कहा, गलत है आरोप होगा मुकदमा

शुभम संदेश। बरोरा

बाघमारा प्रखड के बेहराकुदर पंचायत में फर्जी वंशावली के आधार पर आवासीय प्रमाण पत्र बनाने के मामले में शुक्रवार को बेहराकुदर पंचायत भवन में मुखिया ज़ालिम रजक द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन कर सभी आरोपों कों गलत बताया गया. उन्होंने कहा कि पायल कुमारी द्वारा प्रस्तुत सभी कागजातों के आधार पर आवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए उन्होंने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया था. इसमें कहीं कुछ गलत नहीं है. मुखिया ने कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए गलत अफवाह फैलाया गया, उनके विरोधी द्वारा मुझे बदनाम किया जा रहा है. मुखिया ने कहा कि वे गलत आरोप लगाने वालों पर मानहानि का मुकदमा करेंगे. मालूम हो कि बेहराकुदर की एक महिला लक्ष्मी कुमारी पति सूरज राम ने मुखिया पर गलत दस्तावेज के आधार पर वंशावली में हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया है. मौके पर जुमाटांड़ मुखिया निरंजन गोप खरखरी मुखिया कुंदन कुमार रजक ,हरिणा मुखिया प्रतिनिधि भोला रवानी, झीझीपहाड़ी मुखिया प्रतिनिधि गणेश महतो बेहराकुदर उप मुखिया शरण कुमार सिंह वार्ड सदस्य सन्तोष सिंह वार्ड प्रतिनिधि राजेश कुमार दास ,नागेश्वर कुमार राय मदन रजक, अन्य ग्रामीण अवस्थित थे.

होरिजन वेंचर ने किया रामावतार आउटसोर्सिंग का वाहन जब्त

शुभम संदेश। लोयाबाद

शुक्रवार को होरिजन वेंचर कंपनी ने कनकनी कोलियरी में संचालित राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी के वाहनों को जब्त कर लिया. होरिजन कंपनी के पास दो पीसी मशीन, आठ टिपर सहित अन्य वाहन संचालित थे. यह कार्रवाई बकाया राशि के भुगतान न करने के कारण की गई. वेंचर कंपनी ने वाहनों को जब्त करने से पहले इस संबंध में कोलियरी पीओ और लोयाबाद पुलिस को लिखित आवेदन दिया था. वेंचर कंपनी ने वाहनों को अपने कब्जे में लिया, जबकि आउटसोर्सिंग कंपनी के निदेशक आदित्य सिंह मूकदर्शक बने रहे. इस अचानक कार्रवाई की सूचना पर कनकनी कोलियरी के प्रबंधक और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. इससे पहले, रायपुर की एसएएन डीलर्स कंपनी ने भी इस आउटसोर्सिंग कंपनी को ड्रिल मशीन प्रदान की थी, जिसे 2023 में वापस ले लिया गया था. शुक्रवार सुबह करीब सात बजे होरिजन कंपनी के सीओ विशाल कुमार अपने कर्मचारियों और ट्रेलर के साथ कनकनी कोलियरी के आउटसोर्सिंग पैच और कैंप में पहुंचे. उस समय पीसी मशीन से ओबी (ओवरबर्डन) हटाने का कार्य चल रहा था. वेंचर कंपनी के कर्मचारियों ने काम रुकवाया और पीसी मशीन को कब्जे में लेकर ट्रेलर पर लोड कर लिया. साथ ही, कैंप में खड़े टिपरों और अन्य वाहनों को भी जब्त कर लिया गया. वेंचर कंपनी ने पीओ को दिए पत्र में उल्लेख किया कि वाहन करारनामे के तहत उत्खनन कार्य के लिए प्रदान किए गए थे. आउटसोर्सिंग कंपनी पर तीन करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि है. भुगतान के लिए बार-बार कहा गया, लेकिन कंपनी टालमटोल करती रही. वाहनों का मासिक रखरखाव (एमआई) भी बंद हो गया.(दूसरी ओर, राम अवतार आउटसोर्सिंग कंपनी के निदेशक आदित्य सिंह ने कहा कि वेंचर कंपनी का आरोप गलत है.

न्यूज अपडेट

जिप अध्यक्ष ने किया सोलर जलमीनार का उद्घाटन

महुदा। गांधी स्मारक उच्च विद्यालय महुदा में पेयजल सुविधा को लेकर शुक्रवार को सोलर जलमीनार का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने नारियल फोड़कर व फीता काटकर सोलर जलमीनार का उदघाटन किया. विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालय में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों को विद्यालय से बाहर निकलना पड़ता था. गर्मियों में सभी को कठिनाई होती थी.

इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए यहां जलमीनार लगाया गया है, ताकि बच्चों को पढ़ाई के दौरान किसी प्रकार का समस्या नहीं हो. विद्यालयों के विकास के लिए वे हमेशा तत्पर रहता हैं. आगे भी हर संभव मदद करूंगा. कार्यक्रम का संचालन संतोष कुम्भकार ने किया. मौके पर प्रधानाध्यापिका रेणु राय, रघुपति दशौंधी, अविनाश कुमार पाठक, दिवाकर महतो, विकास पाण्डेय, अवोध मिश्रा, गोरीनाथ कुम्भकार, राजन रवानी, ब्रहमदेव ठाकुर, सोनी कुमारी, मंजु कुमारी, प्रिया कुमारी, रंजीत पाण्डेय आदि मौजूद थे.

भुवनेश्वर महतो को झारखंड आंदोलनकारी सम्मान रत्न

गोमो। आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा द्वारा शुक्रवार को डोरंडा भवानीपुर स्थित कार्यालय परिसर में झारखंड आंदोलनकारी चिंहितिकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो को झारखंड आंदोलनकारी सम्मान रत्न 2025 देकर सम्मानित किया गया. यह सम्मान झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो द्वारा प्रदान किया गया. इस मौके पर संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा केंद्रीय उपाध्यक्ष दो रामनाथ मेहता प्रधान महासचिव अजीत मिंज केंद्रीय कोषाध्यक्ष सरोजिनी कछप दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की , झारखंड आंदोलनकारी युवा मोर्चा के अध्यक्ष ललित नारायण, केंद्रीय सचिव सुबोध कुमार लकड़ा, एंथन लकड़ा, सुजीत कुमार राम पुष्पा बरडेवा, अमर भेंगरा प्रमूख थे. मौके पर सभी केंद्रीय नेताओं को भी बारी-बारी से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

विश्व जनसंख्या दिवस पर धनबाद में निकली जागरूकता रैली

सिविल सर्जन ने सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शुभम संदेश। धनबाद

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन को लेकर जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया. रैली की शुरुआत धनबाद सदर अस्पताल से हुई. इसे सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि रैली का मुख्य उद्देश्य समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि लोग इस सेवा का आसानी से लाभ उठा सकें. यह विशेष अभियान आज से 30 जुलाई 2025 तक चलेगा. इस दौरान जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में परिवार नियोजन से संबंधित सेवाएं प्रदान की जाएंगी. बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने और जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों पर लोगों को जागरूक करने का अवसर होता है. इस वर्ष की थीम ₹मां बनने की उम्र वही जब तन और मन की तैयारी सहीे₹, है. इसके बाद सिविल सर्जन ने सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर 30 दिनों तक प्रचार-प्रसार करेगा. वहीं जिले के सभी प्रखंडों में अगले 15 दिनों तक यह रथ भ्रमण कर लोगों को परिवार नियोजन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं जनसंख्या स्थिरीकरण के महत्व के बारे में जागरूक करेगा. मौके पर डॉ रोहित गौतम, डॉ अनीता चौधरी, डीपीएम नीरज कुमार यादव, रेखा सिंह, पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि प्रेम कुमार, अभिजीत कुमार, मनोवर आलम सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

डीएवी बनियाहीर में विश्व जनसंख्या दिवस पर प्रतियोगिता

झरिया । शुक्रवार को डीएवी बनियाहीर के प्रांगण मे विश्व जनसंख्या दिवस बडे. ही उत्साह के साथ मनाया गया. कार्यक्रम के शुभारम्भ मे विद्यालय की छात्रा अनुष्का कुमारी ने बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला. इसके उपरांत विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका रेनू सिंह और अन्य शिक्षिका पिंकी बनर्जी ने जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला. प्राचार्य सैय्यद एजाज़ अहमद ने कहा कि आज भारत की जनसंख्या लगभग एक अरब छियालीस करोड़ हो चुकी है, यही कारण है कि लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है और लोग गांव से शहरों की तरफ पलायन कर रहे है. आवश्यकता इस बात की है कि हम जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाएं अन्यथा वह दिन दूर नहीं ज़ब लोग भूखों मरेंगे .न तो लोंगो के पास पीने के लिए साफ़ पानी होगा, न खाने के लिए अन्न और न रहने के लिए आवास. जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों को रेखांकित करती एक चित्राकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया. प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने विवेक और कौशल का अनूठा प्रदर्शन किया.

जनसंख्या दिवस पर बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

झरिया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर धनबाद के बच्चों ने कला और रैली के माध्यम से देश में बढ़ती जनसंख्या के मुद्दे को उठाया. यह पहल झरिया स्थित सामाजिक संगठन 'इंस्टीट्यूशन फॉर नेशनल एमिटी' (आईएनए) द्वारा की गई है. 'जनराशि और जलराशि' शीर्षक पर चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 50 बच्चों ने जनसंख्या वृद्धि के अर्थ को दर्शाने वाले आकर्षक चित्र बनाए. आरएसपी कॉलेज बीए कि छात्रा रागिनी कुमारी ने अपने कला में दिखाई कि कई लोगों को नल से पानी लेने के लिए उत्सुकता से कतार में खड़े दिखाया. एक छात्रा स्मृति सिन्हा ने एक नाव को क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर एक विशाल नदी को खतरनाक तरीके से पार करते हुए दिखाया. किसी ने 146+ करोड़ की आबादी, प्रदूषण और गरीबी वाले भारत को प्रोजेक्ट किया.

चित्रकला प्रतियोगिता से पहले, छात्रों ने ललित कला केंद्र, गांधीनगर, धनबाद से एक रैली निकाली. रैली स्थानीय क्षेत्र में घूमी और बच्चों ने लगातार नारे लगाते हुए रैली गांधी नगर से निकल कर, हावड़ा मोटर, पुराना बाजार, शक्ति मंदिर के रास्ता में घुम कर वापस लौटा. 50 से अधिक बच्चों ने रैली में शामिल हुए. इस कार्यक्रम में झरिया, केंदुआ और धनबाद के 12 से 22 वर्ष की आयु के बच्चे भाग ले रहे हैं. इंस्टीट्यूशन फॉर नेशनल एमिटी के संस्थापक शिक्षक सह सोशल एक्टिविस्ट पिनाकी रॉय ने कहा कि अभी हमारे देश कि जन राशि 146 करोड़ से ज्यादा हो चुकी, 2027 में आदमशुमारी के बाद सटीक वृद्धि रेट पता चलेगा. जनसंख्यावृद्धि पर नियंत्रण राष्ट्रीय एजेंडे में शामिल होना चाहिए, लेकिन राजनीतिक विचार-मंथन असंवेदनशील हैं. कार्यक्रम में पिनाकी रॉय के अलावा, हिमांशु पंडित, सुमन कुमारी, राघवेंद्र सिंह, शिक्षिका मौसमी रॉय, सुप्रीती सान्याल, सालवी राज, सोनू कुमार, मनोज कुमार, अनुष्का खेतान, पल्लवी, पाण्डेय, शिवानी विश्वकर्मा , पीहू खेतान, रिया कोरा, स्मृति सिन्हा, यशिका शर्मा, सुमित कुमार, आदित्य सोनी, दीपशिखा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रिंकी कुमारी, रागिनी कुमारी, समर कुमार, नंदनी कुमारी, राजवीर आदि थे.

झारखंड आंदोलनकारी हलधर महतो की श्रद्धांजलि

शुभम संदेश।चास

कॉ. हलधर महतो स्मारक समिति के द्वारा झारखण्ड आन्दोलनकारी हलधर महतो की 19वीं पुण्यतिथि उनके पैतृक गाँव में मनाया गया. उनके पत्नी, पुत्र, भाई सहित स्वजनों ने पुष्पार्चन किए. दिवंगत के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले के नेता कॉ. दिलिप तिवारी ने संघर्षाशील जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला. स्व हलधर महतो झामुमो के स्व. विनोद बिहारी महतो और मार्क्सवादी चिन्तक एके राय के अनुयायी थे. वे सदा लाल हरा झण्डा को मैत्री के साथ क्षेत्र के रंगदार, ठिकेदार, अफरसाही, सुदखोरी, महाजनी के विरोध मे संघर्षरत रहे. आन्दोलन के साथ समझौता नहीं किया. वे शिक्षित बेरोजगारों के रोजगार के लिए तत्पर रहते थे. श्रद्धांजलि सभा में अनुज चक्रधर महतो, भीम रजक, पत्नी डुबनी देवी, पूर्णिमा महतो, चण्डी चरण महतो, मनोज कुमार महतो, मोहित कुमार महतो, भाकपा माले के बोकारो जिला सचिव दीप सिंह दिवाकर, दयाल महतो, गयाराम शर्मा, उमेश महतो, नेपाल महतो, शत्रुधन महतो, अमर चक्रवर्ती, लोकनाथ सिंह, भरत लाल ठाकुर, महादेव शर्मा, मुरलीधर महतो, मनीराम महतो, रामविलास महतो, मो० जावेद अन्सारी, दिलिप महतो, मन्टु महतो, मो० एनुल अन्सारी, हिरालाल रजवार, सुरेश चन्द्र महतो, दिलीप ओझा सचिन महतो आजसू सहित अन्य मौजूद थे.

घूस लेते रंगेहाथ पकड़ाया राजस्व कर्मचारी

शुभम संदेश।गावां (गिरिडीह)

धनबाद एसीबी की टीम ने गावां प्रखंड के हल्का नंबर 8 एवं 9 (सेरुआ एवं सांख) में पदस्थापित हल्का कर्मचारी आलोक शंकर त्रिगुणायत को 20 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया. आरोप है कि उन्होंने सांख निवासी राजू प्रसाद यादव से दाखिल-खारिज के बदले 50 हजार रुपये की मांग की थी. राजू यादव की मां गायत्री देवी के नाम से खाता संख्या 194, प्लॉट संख्या 194 व 280, रकबा 18.64 डिसमिल भूमि का दाखिल-खारिज ऑनलाइन आवेदन किया गया था. इसके बाद उन्होंने राजस्व कर्मचारी आलोक से मिलकर प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया, जिस पर कर्मचारी ने 50 हजार रुपये की मांग की.राजू यादव ने इस संबंध में धनबाद स्थित एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर एक टीम का गठन किया गया. तय योजना के अनुसार, परिवादी 20 हजार रुपये की पहली किस्त लेकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचा, जहां कर्मचारी ने राशि अपने आवास (बेलू राम का घर) पर लाने को कहा. परिवादी जैसे ही पैसे लेकर कर्मचारी के घर पहुंचा और राशि सौंपी, एसीबी टीम ने तत्काल छापा मारकर कर्मचारी को रंगेहाथ पकड़ लिया और धनबाद ले गई. एसीबी की कार्रवाई की सूचना गावां क्षेत्र में तेजी से फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए.

बिजली चोरी के आरोप में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

जमुआ(गिरिडीह)। बिजली चोरी के आरोप में जमुआ थाना क्षेत्र के अलग अलग गांव के कुल चार लोगों पर शुक्रवार को जमुआ थाना में विद्युत अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है .आरोपी की पहचान जमुआ थाना क्षेत्र के दालोरीटांड़ गांव निवासी राहुल यादव एवं बिमला देवी, चुंगलो गांव निवासी सोनू कुमार और राजकुमार साव के रूप में की गई है. मिली जानकारी के अनुसार जमुआ विद्युत सहायक अभियंता रामसुंदर राम को लगातार सूचना मिल रही थी कि इन गांवों में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से विद्युत की चोरी की जा रही है. विद्युत चोरी रोकने के लिए एक छापेमारी टीम गठित कर छापामारी किया गया. इस दौरान इन सबों के घरों पर अवैध रूप से बिजली उपयोग करते पाया गया. इस संदर्भ में सहायक अभियंता रामसुंदर राम ने बताया कि इस चोरी से विद्युत विभाग को हजारों रूपये की क्षति हुई है. जिसको लेकर जमुआ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

ब्रीफ खबरें

शौच को निकले युवक की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

पथरगामा। पथरगामा थाना क्षेत्र के कस्तूरिया ग्राम निवासी उमेश यादव (40) पिता दिनेश यादव की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. घटना गुरुवार रात्रि की है. उमेश यादव खाकर सोने के लिए चला गया था. कुछ देर के बाद शौच करने के लिए घर से बाहर निकला. शौच करने के दौरान वह गिरकर बेहोश हो गया. परिजन एवं ग्रामीणों ने उसे उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरगामा ले गए. जहां चिकित्सा प्रभारी डॉ मोहन पासवान ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी पथरगामा थाना को मिलने के बाद थाना के एएसआई ज्योति लक्ष्मी तिवारी वहां पहुंचे और परिजनों से घटना को लेकर जानकारी प्राप्त किया. उसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया गया. इस सम्बन्ध में पथरगामा थाना प्रभारी मनोहर कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही पता चलेगा.

धनबाद सांसद आज करेंगे जनता से संवाद

बोकारो। शनिवार को 9 से 12 बजे तक धनबाद सांसद अपने सेक्टर वन स्थित आवासीय कार्यालय में जन संवाद कार्यक्रम में जनता की समस्याओं से रूबरू होंगे. उक्त जानकारी सांसद के मीडिया प्रभारी मुकेश राय ने दी. बताया कि चास, बोकारो और चंदनकियारी के लोगों की समस्या को सुनेंगे. झारखण्ड सरकार, निगम, शिक्षा, स्वास्थ, प्रशासनिक या विभागीय समस्या को सुनकर समाधान करेंगे. सांसद जनता की समस्याओं को लेकर संवेदनशील हैं. समस्याओं के निदान हेतु वो गंभीर हैं. इसलिए जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. मौके पर परिंदा सिंह, मनोज सिंह, इंद्र कुमार झा, अमर स्वर्णकार, विक्रम महतो सहित अन्य मौजूद रहे.

पूर्व मंत्री ददई दुबे को श्वेता ने दी श्रद्धांजलि

बोकारो। झारखंड के पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके रांची निवास आने के पश्चात बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने पहुंच कर नम आंखों से उनके अंतिम दर्शन और नमन किया. बोकारो विधायक ने बताया कि बाबा अभिभावक समान और परिवार के बेहद करीबी रहे. झारखंड के मजदूरों की आवाज और जनआंदोलनों के प्रेरणास्रोत, धनबाद के पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री और छह बार के विधायक ददई दुबे के निधन से मन अत्यंत मर्माहत है. कांग्रेस ने अपना एक मजबूत स्तंभ खो दिया है. उनके निधन से पार्टी ही नहीं बल्कि झारखंड प्रदेश की आम जनता को भी अपूरणीय क्षति हुई है. उनकी कमी केवल राजनीतिक जगत की नहीं, बल्कि मेरे निजी जीवन की भी एक गहरी रिक्तता है. उनके सरल स्वभाव,जनहित के प्रति निष्ठा और अदम्य संघर्षशीलता को युगों तक स्मरण किया जाएगा.

भाजपा नेता ने किया ट्रांसफर्मर का उद्घाटन

डुमरी(गिरिडीह)। कुलगो उत्तरी पंचायत के महुआगढ़हा में शुक्रवार को 100 केवीए की ट्रांसफर्मर उद्घाटन भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने किया. इस दौरान भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि यहां ट्रांसफार्मर जलने से लोगों को काफी परेशानी हो रही थी. सप्ताह दिनों से यहां बिजली बंद थी. जानकारी मिलने के उपरांत विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर यहां ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराई गई. इस दौरान कामदेव साव, खिरोधर साव उप मुखिया कोकिल साव वार्ड सदस्य अनिल साव तुलसी महतो धनेश्वर कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे.

कुर्सी छोड़ उठे उपायुक्त, घुटने पर बैठ दिव्यांग सुरेश की सुनी बात

48 घंटें में ई-ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

शुभम संदेश।बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आएं आमजनों की समस्याओं और शिकायतों की क्रमवार सुनवाई की गई. इस दौरान कई मामलों पर तत्परता से कार्रवाई का निर्देश दिया गया. कुछ समस्याओं को जांचोपरांत समाधान का आश्वासन दिया. उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि हिम्मत नहीं हारना है, भावुक नहीं होना है, संघर्ष करना है... जिला प्रशासन आपके साथ है.जनता दरबार एक भावनात्मक क्षण का साक्षी भी बना, जब चास प्रखंड के कुरा क्षेत्र से पहुंचे दिव्यांग सुरेश पाण्डेय अपनी परेशानियों को लेकर उपायुक्त के समक्ष पहुंचे. दिव्यांग सुरेश जनता दरबार में पहुंचे और अपनी बात कहनी चाही, तो उपायुक्त कुर्सी छोड़कर स्वयं उनके पास पहुंचे और घुटनों पर बैठकर बड़े स्नेह और संवेदना से उनकी बातें सुनीं. यह दृश्य जनता दरबार में उपस्थित लोगों को भावुक कर गया. दिव्यांग सुरेश ने बताया कि वे लंबे समय से ई-ट्राई साइकिल हेतु प्रयासरत हैं, लेकिन अब तक उन्हें यह सुविधा नहीं मिल सकी है. चलने-फिरने में कठिनाई के कारण उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है. उनकी परेशानी को सुन एवं देख उपायुक्त ने मौके पर ही जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया कि वह सीएसआर नोडल से समन्वय स्थापित कर 48 घंटे के भीतर सुरेश को ई-ट्राई साइकिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. उपायुक्त ने जनता दरबार के दौरान विस्थापित संयुक्त परिवार के प्रतिनिधियों को कहा कि विस्थापित परिवारों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन काम कर रहे हैं, यह प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है. उन्होंने मौके पर उपस्थित डीपीएलआर को विस्थापित परिवार के बच्चों की शैक्षणिक – योग्यता से संबंधित मैपिंग की सूची तैयार करने का निर्देश दिया.अन्य आवेदकों द्वारा रखे गए मुद्दों में भूमि विवाद, भूमि पर कब्जा, दाखिल -खारिज, विधवा पेंशन, बिजली-पानी की समस्या प्रमुख रहे. उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों की सात कार्य दिवस के भीतर जांच कर वास्तविक और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें. जनता की समस्याओं के निराकरण में लापरवाही नहीं होनी चाहिए.जनता दरबार में जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं राजेंद्र नगर कालोनी रेसिडेंस, मूल रैयत विस्थापित मोर्चा आदि ने उपायुक्त से शिष्टाचार मुलाकात की. क्षेत्रीय समस्याओं से संबंधित विषय साझा किया. उपायुक्त ने सभी को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा.

अंचल कर्मी को स्पष्टीकरण

आयोजित जनता दरबार में एक विचित्र स्थिति उत्पन्न हो गई, जब चंदनकियारी अंचल कार्यालय में कार्यरत निम्न वर्गीय लिपिक प्रीति कुमारी दत्ता बिना अवकाश स्वीकृति के जनता दरबार में अपनी व्यक्तिगत समस्या को लेकर पहुंची. मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने नाराजगी जताई और संबंधित कर्मी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि जनता दरबार आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु है, यह मंच सरकारी कर्मियों के लिए नहीं है. यदि किसी कर्मी को व्यक्तिगत समस्या है, तो वह अपने वरीय पदाधिकारी को आवेदन देकर नियमानुसार अवकाश लेकर ही मिलें. कार्यालय अवधि में इस तरह की उपस्थिति अनुशासनहीनता है. मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे.

खाद्य आपूर्ति विभाग की उपायुक्त से शिकायत

जमुआ (गिरिडीह)। खाद्य आपूर्ति विभाग में व्याप्त अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा नेता एवं समाजसेवी परमेश्वर यादव ने उपायुक्त रामनिवास यादव से मिलकर शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने एक आवेदन पत्र के माध्यम से विभाग में हो रही गड़बड़ियों पर कार्रवाई की मांग की है. आवेदन में छह प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख किया गया है. इसमें गोदाम प्रबंधन में अनियमितता, बिना भंडारण के सीधे डीलरों को अनाज भेजना, वजन करने में धोखाधड़ी तथा जनसेवकों को आपूर्ति पदाधिकारी और गोदाम प्रबंधक का अतिरिक्त कार्य देने जैसे मामलों का उल्लेख है. उन्होंने इसे सरकार के नियमों का उल्लंघन बताया और झारखंड सरकार के कृषि विभाग के पत्र का हवाला दिया जिसमें जनसेवकों को गैर–कृषि कार्यों से दूर रखने का निर्देश है.यादव ने यह भी आरोप लगाया कि जून माह का राशन अब तक वितरित नहीं हुआ और कई लाभुकों से अंगूठा लगवाकर राशन नहीं दिया गया. एक अन्य पत्र में उन्होंने पूर्व में झारखंड यूथ फोर्स के धरने के दौरान बनी आठ बिंदुओं की सहमति पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली से आई जांच टीम को भी जमुआ नहीं ले जाया गया और मामले को दबा दिया गया.

बाल अधिकार और महिला संवर्धन को लेकर बैठक

शुभम संदेश। कसमार (बोकारो)

कसमार प्रखंड के टांगटोना पंचायत में पंचायत के जनप्रतिनिधि मुखिया, पंसस, वार्ड सदस्य, सेविका, सहिया, समूह की महिला एवं अभिभावकों के साथ शुक्रवार को पंचायत भवन में बैठक का आयोजन किया गया. इस दौरान किशोरियों एवं महिला के साथ होने वाले घरेलू हिंसा, मानव तस्करी, बाल विवाह एवं सरकारी योजना से जोड़ने को लेकर चर्चा किया गया. सभी हितधारक एक दूसरे से समन्वय बना कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकारी योजना जोड़ने पर चर्चा किया गया. टांगटोना पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवी ने कहा कि किशोरियों एवं महिलाओं को अपने हक अधिकार के लिए आगे आना होगा. सभी प्रकार के हिंसा के खिलाफ़ एकजुट होना होगा. उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए किशोरावस्था सबसे महत्वपूर्व समय होता है, जहां पर अपने कैरियर एवं जीवन को बेहतर बना सकते हैं. मौके पर सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सहयोगिनी संस्था कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के संवर्धन एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने को लेकर काम कर रही है. इन गांवों में किशोरियों एवं महिलाओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाए जैसे सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, कन्या दान योजना, स्कॉलरशिप, साइकिल योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं कौशल विकास से जोड़ कर उनके जीवन को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है. मौके पर संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, संगीता देवी, संध्या देवी, सेविका किरण देवी, शांति देवी, कौशल्या देवी, कुमारी अनिता, अनु कुमारी, आशा कुमारी, गुड़िया देवी, सुरधनी कुमारी, सुमा देवी, होलिका देवी व अन्य महिलाएं मौजूद थी.

मेडिकेंट हॉस्पिटल में डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत

पथरी के ऑपरेशन में आंत कटने से गई जान

खास बात

- मरीज की स्थिति काफी नाजुक थी, तीन दिन तक आईसीयू में इलाज हुआ : डॉ प्रवीण पुष्कर

शुभम संदेश।बोकारो

सेक्टर 12, एनएच 23 हाईवे, बियाडा कॉलोनी स्थित प्रतिष्ठित मेडिकेंट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला मरीज की मौत हो गई है. जिससे परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा किया. इस संबंध में मृतक महिला सबीना किस्कू के पति प्रभात सोरेन ने डॉक्टरों पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है. प्रभात ने ऑन कैमरा बतलाया कि पथरी के ऑपरेशन के लिए उसने अपनी पत्नी को मेडिकेंट हॉस्पिटल में 7 जुलाई को भर्ती किया था. जहां उसके पेट में पथरी की सर्जरी की गई थी. ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही से आंत में कट लग गया. प्रभात ने कहा कि इस गलती को ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर प्रवीण पुष्कर ने हाथ जोड़ते हुए स्वीकार किया और कहा कि दूसरा ऑपरेशन कर के ठीक कर देंगे. इसी दूसरे ऑपरेशन में मरीज की हालत लगातार बिगड़ती गई और इलाज के दौरान 11 जुलाई की सुबह 7:00 बजे सबीना की मौत हो गई. प्रभात सोरेन ने मुआवजे में एक करोड़ की मांग की है. परिजन का आरोप है कि मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन ने बात करने से साफ इनकार कर दिया और कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं की. पीड़ित परिवार के अनुसार, ऑपरेशन के लिए 70,000 रुपये दो बार में भुगतान किया गया था. डॉ प्रवीण पुष्कर ने कहा कि ये काफी कॉम्प्लिकेटेड केस था. मरीज की पथरी 3.5सेंटीमीटर की थी जो काफी बड़ी थी. वहीं मरीज की आंत में किडनी सटा था, जो कि रेयर है. एक हजार में 6 लोगों में ऐसा पाया जाता है. ऑपरेशन के दौरान आंत में थोड़ा कट लग गया. मरीज को तीन दिनों तक आईसीयू में रख उनकी इलाज की गई.

दालगंदो गांव में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

भारी मात्रा में शराब और उपकरण जब्त,संचालक सहित तीन गिरफ्तार

शुभम संदेश।बेंगाबाद(गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बड़कीटांड़ पंचायत अंतर्गत दालगंदो गांव में गुरुवार की रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया. इस छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की नकली शराब, उपकरण और शराब बनाने में प्रयुक्त सामग्री जब्त की है. वहीं, फैक्ट्री संचालक सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

पुलिस अधीक्षक गिरिडीह को गुप्त सूचना मिली थी कि दालगंदो गांव में एक घर में नकली शराब का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ के नेतृत्व में इंस्पेक्टर ममता कुमारी,बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह, एसआई विजय मंडल,

सुरेंद्र सिंह, एएसआई अशोक कुमार, अजय कुमार समेत पुलिस बल ने छापेमारी अभियान चलाया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 13 पेटी विभिन्न ब्रांड की नकली शराब बरामद की, इसमें आरएस, 8 पीएम, आरसी, ब्लेंडर्स प्राइड और सिग्नेचर ब्रांड की शराब की 375 एमएल की 13 पेटी शामिल है. इसके अतिरिक्त खुले बोतलों में भी कई ब्रांड की शराब पाई गई. शराब पैकिंग के लिए 50 कार्टन, विभिन्न ब्रांड के रैपर, कैप, स्टिकर, शराब भरने के लिए बोतल, प्लास्टिक ड्रम, स्प्रिट से भरे ड्रम, टुल्लू पंप सेट, एल्कोहल मीटर, वनीला फ्लेवर, कारमेल कलर, मापने के उपकरण और झारखंड सरकार का नकली कैप स्टिकर जब्त किया गया. मौके से एक नीले रंग की स्विफ्ट कार नंबर जेएच 05 सीपी-4402 तीन मोबाइल फोन (एप्पल, ओप्पो और वीवो कंपनी के सीम सहित) भी जब्त किए गए. पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि यह फैक्ट्री पंकज कुमार राम, सुमित कुमार साह (दोनों पचंबा निवासी) द्वारा हीरालाल बेसरा के घर में संचालित की जा रही थी. पुलिस ने सभी के खिलाफ बेंगाबाद थाना कांड संख्या 102/25 के तहत मामला दर्ज कर गिरिडीह जेल भेज दिया है. इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र में नकली शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है. पुलिस का कहना है कि ऐसे अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा.

न्यूज अपडेट

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, एक घायल

कसमार(बोकारो)। कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा में मुख्य पथ पर सड़क दुर्घटना में सिंहपुर निवासी गिरिधारी महतो के पुत्र अशोक कुमार महतो (25वर्ष) की मौत हो गई. वहीं एक अन्य युवक मनोरंजन महतो गंभीर रूप से जख्मी हो गया. घटना गुरुवार की देर रात की है. शुक्रवार की सुबह सदर अस्पताल, बोकारो में इलाज के दौरान जख्मी अशोक कुमार महतो को चिकित्सकों को मृत घोषित कर दिया. दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव में पहुंचा. मृतक के पिता श्रीगोविंद स्नेहलता सरस्वती शिशु मंदिर खैराचातर के वरीय शिक्षक हैं. जानकारी के अनुसार अशोक एवं मनोरंजन गुरुवार को किसी कार्य से पिरगुल गांव गए थे. देर रात को बाइक से वापस लौटने के दौरान खुदीबेड़ा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी. इससे बाइक असंतुलित होकर सामने खड़े ट्रेक्टर पर जा टकराया. जिससे बाइक चालक अशोक महतो और मनोरंजन महतो दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गये. स्थानीय ग्रामीणों ने एम्बुलेंस की व्यवस्था कर दोनों घायलों को सामुदायिक अस्पताल कसमार पहुंचाया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल, बोकारो रेफर कर दिया गया. इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह चिकित्सकों ने अशोक महतो को मृत घोषित कर दिया. दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव घर पहुंचा. इकलौते पुत्र की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

डीपीएस बोकारो की छात्रा अक्षरा रॉय शर्मा की राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी सफलता

बोकारो। डीपीएस बोकारो की होनहार छात्रा अक्षरा रॉय शर्मा ने निफ्ट एंट्रेंस टेस्ट 2025 में ऑल इंडिया रैंक 2 और आईआईएम इंदौर की आईपीएमएटी परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 35 हासिल कर विद्यालय, शहर और झारखंड का नाम रोशन किया है। साथ ही उसने आईआईएम रोहतक की परीक्षा और जिपमैट 2025 में 98.8 परसेंटाइल प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। अक्षरा ने बताया कि वह प्रतिदिन पांच-छह घंटे नियमित पढ़ाई करती थी। उसे चित्रकला, पठन और वाद-विवाद में भी रुचि है तथा वह कई प्रतियोगिताओं में विजेता रही है। डीपीएस बोकारो की नर्सरी से पढ़ाई शुरू करने वाली अक्षरा, शिक्षकों अमिताभ रॉय शर्मा व अर्चना रॉय शर्मा की पुत्री है। स्कूल के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार व शिक्षकों ने अक्षरा को बधाई देते हुए उसकी सफलता को प्रेरणास्रोत बताया। अक्षरा ने अपनी सफलता का श्रेय डीपीएस बोकारो के शिक्षण, मार्गदर्शन और अपने माता-पिता को दिया। उसने कहा कि असफलता से न डरें, बल्कि पूरी लगन और आत्मविश्वास से लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें, सफलता अवश्य मिलेगी।

फुरसोडीह मारपीट में तीन आरोपी गिरफ्तार

बेंगाबाद(गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फुरसोडीह गांव में गुरुवार की शाम मामूली विवाद में हुई मारपीट की घटना के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को गिरिडीह जेल भेज दिया. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बासुदेव मंडल, सहदेव उर्फ सुरेश मंडल और कलावती देवी शामिल हैं. यह मामला बेंगाबाद थाना कांड संख्या 101/25 से जुड़ा हुआ है. बता दें कि गुरुवार की शाम घर के दरवाजे पर बकरी चले जाने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते-देखते मारपीट में बदल गई. इस घटना में दोनों पक्षों के कुल तीन लोग घायल हो गए थे. घटना के संबंध में किशुन मंडल द्वारा बेंगाबाद थाना में दर्ज कराए गए आवेदन के आधार पर पुलिस ने विरोधी पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था. दर्ज मामले में कुल 15 लोगों को नामजद किया गया था. शुक्रवार को पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में गिरिडीह जेल भेज दिया गया. अन्य 12 नामजद आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं. पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही शेष आरोपियों को भी हिरासत में लिया जाएगा.

बीएसएल ईडी वर्क्स से मिला प्रतिनिधिमंडल

बोकारो। कुमार अमित के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) चितरंजन महापात्र से भेंट कर प्रस्तावित विस्तारीकरण योजना के मार्ग में आ रही बाधाओं के संबंध में जानकारी ली. ईडी वर्क्स ने बताया कि प्रस्तावित विस्तारीकरण कार्य वर्तमान प्लांट की चहारदीवारी के भीतर ही किया जाएगा. वर्तमान में प्लांट की परिकल्पित उत्पादन क्षमता 10 मिलियन टन है, जबकि विस्तारीकरण के पश्चात भी इसकी वास्तविक उत्पादन क्षमता 7.5 मिलियन टन तक ही सीमित रहेगी. प्रतिनिधिमंडल ने प्लांट विस्तारीकरण को लेकर चल रहे महा हस्ताक्षर अभियान की विस्तृत जानकारी भी ईडी वर्क्स को दी. साथ ही यह आश्वासन दिया कि बोकारो की आम जनता शहर के विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध और सहयोगी है. प्रतिनिधिमंडल में सुनील कुमार महतो, निवारण प्रसाद महतो, अरविंद सिंह एवं लालबाबू कुमार भी शामिल थे.

गायत्री परिवार का पांच कुंडीय दीप यज्ञ सम्पन्न

जमुआ(गिरिडीह)। जमुआ प्रखण्ड क्षेत्र के मिर्जागंज स्थित लिलिया देवी माहुरी धर्मशाला में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार मिर्जागंज की ओर से देर रात्रि तक 24 हजार गायत्री मंत्र, पंच कुंडीय यज्ञ एवं दीप यज्ञ सम्पन्न हुआ. देर शाम गायत्री परिवार तिसरी के सुरेश जी व मनोज जी ने प्रवचन किए. जमुआ गायत्री परिवार से संगीता साहू व रेणु साहू भी शामिल रही. इस दौरान गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 35 महिलाओं एवं पुरूषों ने गायत्री परिवार से दीक्षा ली.जिसमें विशाखा गुप्ता ,प्रियंका गुप्ता ,अवधेश ,रिमझिम, सोनाक्षी,प्रभाकर ,राखी ,सावित्री सेठ सहित थे. मौके पर माधुरी गुप्ता, सचिव स्वाति लोहानी, स्नेहलता, ममता लोहानी, रिंकी लोहानी, किरण देवी, बिंदु गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, अजय गुप्ता, मिंटू गुप्ता, बिट्टू, रूपेश, हिरामन राम, दीपक कुमार गुप्ता, अंकित गुप्ता के अलावे गायत्री परिवार के कई सदस्य शामिल थे.

बेंगाबाद के सांसद प्रतिनिधि बने शिवपूजन राम

बेंगाबाद(गिरिडीह)। कैबिनेट मंत्री कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने बेंगाबाद प्रखंड के भाजपा नेता शिवपूजन राम को सांसद प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया है. इस संबंध में मंत्री ने पत्रांक संख्या 315/को0/2025, दिनांक 09 जुलाई 2025 के आलोक में उपायुक्त गिरिडीह के नाम पत्र प्रेषित किया है. भाजपा नेता शिवपूजन राम को सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर प्रखंड समेत पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. मनोनयन की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अन्य राजनीतिक संगठनों के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है. बधाई देने वालों में पूर्व प्रमुख रामप्रसाद यादव, पूर्व उप प्रमुख उपेंद्र कुमार,राजेश पोद्दार,महेश राम,सौरभ सागर मिश्रा,महेंद्र प्रसाद वर्मा, रामरतन राम, रंजीत मरांडी, हेमराज साह, नितेश यादव, मुखिया सद्दीक अंसारी, देवेंद्र यादव, बिपिन सिंह, आशुतोष गुप्ता, दशरथ प्रसाद सिंह और नेता दशरथ सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हैं.

बीएलओ के गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण का तीसरा दिन संपन्न

डुमरी(गिरिडीह)। 9 से 12 जुलाई तक आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण के तीसरा दिन शुक्रवार को 33-डुमरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रखंड डुमरी अंतर्गत विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर तीसरा दिवस का प्रशिक्षण संपन्न हुआ. मतदान केंद्र संख्या 101 से 150 तक के सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित हुए. उक्त प्रशिक्षण में पीपीटी के माध्यम से गणना प्रपत्र, नजरी नक्शा में मतदाताओ को टैग करना ,पता एवं भवनों का मानकीकरण, प्रपत्र 6, 7 एवं 8 के साथ लगने वाले दस्तावेज़ तथा घोषणा पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी, साथ ही वर्ष 2003 के वोटर लिस्ट के बारे में समझाया गया. उक्त प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर इन्द्रजीत महतो, सुजीत कुमार पाठक तथा अमित कुमार सिन्हा के द्वारा दिया गया प्रशिक्षण के उपरांत बीएलओ द्वारा रोल प्ले भी करवाया गया, जिससे कि हाउस टू हाउस विजिट के दौरान किसी भी प्रकार का संशय न रहे.

डॉ. रामदेव ने सिविल सर्जन का पदभार संभाला

साहिबगंज। डॉ. रामदेव पासवान ने जिले के 42वें सिविल सर्जन के रूप में शुक्रवार को पुनः पदभार ग्रहण किया. इससे पूर्व वे 1 अगस्त 2022 से 1 अगस्त 2023 तक 39वें सिविल सर्जन के रूप में कार्यरत रह चुके हैं. अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार करते हुए सदर अस्पताल को दो श्रेणियों में कायाकल्प अवार्ड दिलाया था. इस बार डॉ. पासवान का लक्ष्य जिले को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र दिलाना है. उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य योजनाएं, जैसे जननी शिशु सुरक्षा योजना, संस्थागत प्रसव और नियमित टीकाकरण, को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा. सदर अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा शुरू करना भी उनकी प्राथमिकता में है. पदभार ग्रहण के दौरान आदिम जनजाति पहाड़िया समाज के प्रतिनिधियों ने पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने की मांग की. डॉ. पासवान ने आश्वासन दिया कि वे स्वयं पहाड़ी गांवों में जाकर काम करेंगे और पहाड़िया समाज को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाएंगे. उन्होंने कहा कि विभाग में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और वे जनता के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे.

ब्रीफ खबरें

जनता मजदूर संघ ने किया खुशरी ओसीपी का चक्का जाम

निरसा बाजार। इसीएल मुगमा क्षेत्र के खुसरी ओसीपी में शनिवार को जनता मजदूर संघ के द्वारा चक्का जाम किया गया. साथ में प्रबंधक और अभिकर्ता का घेराव भी किया गया. आंदोलनकारियों का आरोप है कि खुसरी ओसीपी बगल में बासुदेपुर (मुसर दौड़ा) में बिजली, पानी ,रोड, की समस्या से लोग परेशान हैं. कई बार ओसीपी प्रबंधन को इन समस्याओं से निदान दिलाने की मांग की गई परंतु हमारी मांगों को अनसुनाकर दिया गया. बाध्य होकर हम लोगों को यह आंदोलन करना पड़ा. आंदोलन की सूचना मिलते ही प्रबंधन की नींद खुली और आंदोलनकारी से वार्ता की. आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कमल बनर्जी व मनोज सिंह की नेतृत्व में मैनेजमेंट को बुलाकर सकारात्मक वार्ता हुई और समस्या का तुरंत समाधान करने का भरोसा दिया गया. वार्ता में धर्मेंद्र यादव, अशोक मंडल, सुरेश रविदास, राकेश भुईयां बासुदेवपुर ग्राम का सभी ग्रामवासी उपस्थित थे.

आरपीएफ की मुस्तैदी से बची यात्री की जान

धनबाद। धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 07 पर शुक्रवार को एलेप्पी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13351) के प्रस्थान (11:35 बजे) के दौरान एक यात्री, दिनेश मुर्मू (उम्र 30 वर्ष, निवासी रूपान, महाराजगंज, धनबाद), स्लीपर कोच (S4) में चढ़ते समय असंतुलित होकर प्लेटफॉर्म और ट्रैक के बीच गिर गया. यात्री के सिर में चोट लगने से रक्तस्राव होने लगा और वह नशे में प्रतीत हो रहा था. रेसुब पोस्ट धनबाद की उपनिरीक्षक शाहिना इस्लाम, उपनिरीक्षक मनीषा कुमारी, ड्यूटी अधिकारी और स्टाफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन को रुकवाया. हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार यादव ने साहस और तत्परता दिखाते हुए यात्री को सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए कपड़ा बांधकर रक्तस्राव रोका. घटना की सूचना पीए धनबाद, जीआरपी धनबाद और कंट्रोल रूम को दी गई. घायल यात्री को तुरंत एम्बुलेंस से रेलवे हॉस्पिटल धनबाद ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर किया गया.

बस मालिकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ सहायक श्रमायुक्त की बैठक

श्रम कानूनों के शत प्रतिशत अनुपालन करने का निर्देश

शुभम संदेश। धनबाद

सहायक श्रमायुक्त कार्यालय धनबाद के प्रकोष्ठ में सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले के बस मालिकों एवं ट्रांसपोर्ट कारोबारियों के साथ श्रम किया जाए, ताकि मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936 का सही अनुपालन सुनिश्चित हो सके. इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को खाता के माध्यम से मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने तथा मोटर वाहन उपक्रमों में किसी भी स्थिति में नाबालिगों की नियुक्ति नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए. श्रम विभाग द्वारा सभी बस मालिकों से सहयोग की अपेक्षा की गई ताकि परिवहन क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रमिकों को उनके अधिकार प्राप्त हो सकें तथा श्रम कानूनों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके. बैठक में बीसीसीएल के उपप्रबंधक प्रतीक आर्यन, सीनियर मैनेजर शेखर सुमन, एमपीएल के ट्रांसपोर्टर, एसीसी के ट्रांसपोर्टर , बस मालिक एव कार्यालय कर्मी मन्नू सिन्हा , इंद्रजीत कुमार , प्रत्यूष कुमार आदि बस मालिकगण उपस्थित रहे.कानूनों के अनुपालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के आलोक में किया गया, जिसमें मोटर परिवहन कर्मचारी अधिनियम, 1961 के अंतर्गत बस चालकों, खलासियों एवं अन्य कर्मचारियों के कार्य अवधि को प्रतिदिन अधिकतम 8 घंटे निर्धारित करने की बात कही गई. सहायक श्रम आयुक्त ने सभी बस मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कर्मचारियों को हर माह की 7 तारीख तक मजदूरी का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936 का सही अनुपालन सुनिश्चित हो सके. इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को खाता के माध्यम से मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने तथा मोटर वाहन उपक्रमों में किसी भी स्थिति में नाबालिगों की नियुक्ति नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए. श्रम विभाग द्वारा सभी बस मालिकों से सहयोग की अपेक्षा की गई ताकि परिवहन क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रमिकों को उनके अधिकार प्राप्त हो सकें तथा श्रम कानूनों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके. बैठक में बीसीसीएल के उप प्रबंधक प्रतीक आर्यन, सीनियर मैनेजर शेखर सुमन, एमपीएल के ट्रांसपोर्टर, एसीसी के ट्रांसपोर्टर , बस मालिक एव कार्यालय कर्मी मन्नू सिन्हा , इंद्रजीत कुमार , प्रत्यूष कुमार आदि बस मालिकगण उपस्थित रहे.

बिराजपुर स्कूल में पुलिस की पाठशाला

बच्चों को पढ़ाया गया अनुशासन व कानून का पाठ

शुभम संदेश। धनबाद

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिराजपुर हाई स्कूल में शुक्रवार को "पुलिस की पाठशाला" आयोजित की गई. एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देशानुसार, बरवाअड्डा थाना प्रभारी रजनीकांत ने बच्चों को अनुशासन और कानून का पाठ पढ़ाया. पुलिस की पाठशाला के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियम, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा, नशे से बचाव और घरेलू हिंसा से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई. साथ ही, इनसे बचाव के उपाय भी बताए गए. थाना प्रभारी ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की सलाह दी. उन्होंने छात्र-छात्राओं को सुरक्षा का आश्वासन देते हुए कहा कि किसी भी समस्या के समय तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचित करें. पुलिस की टीम समय पर पहुंचकर उनकी मदद करेगी. साइबर अपराध का शिकार होने पर 1930 नंबर पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई. सड़क पार करते समय विशेष सावधानी बरतने और बारिश के दिनों में बिजली के खंभों व विद्युत उपकरणों से दूर रहने की हिदायत भी दी गई.

विधायक रागिनी के कार्यालय में गोलीबारी के आरोपी को नहीं मिली जमानत

धनबाद। झरिया के भाजपा विधायक रागिनी सिंह के कतरास मोड़ स्थित कार्यालय में गोलीबारी करने के आरोपी नवीन कुमार सिंह उर्फ रतीश सिंह को हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिली. नवीन कुमार सिंह के अधिवक्ता जितेंद्र शंकर सिंह ने अदालत से अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली है. नवीन कुमार सिंह की अग्रिम जमानत इससे पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश तृतीय की अदालत से खारिज की गई थी. निचली अदालत के आदेश के खिलाफ आरोपी नवीन कुमार सिंह झारखंड उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी. जमानत की अर्जी का विरोध रागिनी सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता आरएस मजूमदार एवं रोहन मजूमदार ने की. बताते चलें कि रागिनी सिंह के कार्यालय में गोलीबारी की घटना के बाद रागिनी सिंह द्वारा झरिया थाना में शशि सिंह, नवीन कुमार सिंह, एकलव्य सिंह एवं हर्ष सिंह के खिलाफ लिखित आवेदन दिया था. झरिया पुलिस रागिनी सिंह के आवेदन पर सनहा दर्ज कर जांच शुरु किया और फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल की जांच कराई.

बास्केटबॉल में डिनोबिली कोराडीह की टीम विजेता

शुभम संदेश। चिरकुंडा

चिरकुंडा के तालडांगा स्थित लोयला स्कूल में शुक्रवार को दो दिवसीय वार्षिक जोनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट बालक वर्ग के टूर्नामेंट के साथ समापन हुआ. जिसमें धनबाद व बोकारो जिला के आईसीएसई एवं आईएससी बोर्ड टूर्नामेंट में 11 स्कूल के बच्चों ने भाग लिया. तीनों वर्ग में डिनोबली कोराडीह की टीम चैंपियन बनी. शुक्रवार को बालक वर्ग के अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 के बच्चों के बीच मैच खेला गया. तीनों वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले टीम को मुख्य अतिथि एसडीपीओ रजत माणिक बाखला, चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय, स्कूल के सचिव फादर अल्फोन्स, प्राचार्य फादर जॉनी पी देवासिया ने प्रमाण पत्र दिया. एसडीपीओ बाखला ने कहा कि खेलकूद से बच्चों का सर्वागींण, रचनात्मक, तार्किक व बौद्धिक विकास होता है. प्राचार्य जानी पी देवासिया ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को अपने सर्वागिण विकास के लिए खेलकूद पर विशेष ध्यान देना चाहिए, यह स्वास्थ्य एवं बौद्धिक विकास का महत्वपूर्ण संसाधन है. टूर्नामेंट का परिणाम - अंडर - 14 में डिनोबली कोराडीह, डिनोबली भूली, डिनोबली एफआरआई डिगवाडीह, अंडर - 17 में डिनोबली कोराडीह, डिनोबली भूली, डिनोबली सिंदरी एवं अंडर - 19 में डिनोबली कोराडीह, सेंट जेवियर बोकारो एवं डिनोबली सीएमआरआई ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया.

जन शिकायत में सुनी समस्याएं शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत नियाज अहमद ने समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को सुना. लोगों के आवेदनों को प्राप्त कर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत का निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया. जनता दरबार में जमीन पर अवैध कब्जा हटाने, आर्म्स लाइसेंस निर्गत करने, ऑनलाइन रसीद में सुधार करने, जबरन दुकान खाली करने की धमकी देने पर कार्रवाई करने, प्रधानमंत्री आवास एवं बुआ आवास आवंटन में अनियमित की जांच करने, आयुष्मान कार्ड निर्माण करने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, आंगनबाड़ी पोषण सखी का वेतन देने, अंक प्रमाण पत्र एवं स्थानांतरण प्रमाण पत्र निर्गत करने, भूमि से अवैध कब्जा हटाने, दाखिल खारिज करने, बाउंड्री वॉल में अवरोध करने वालो पर कार्रवाई करने, चौकीदार की दूसरी लिस्ट जारी करने, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ देने, आंगनबाड़ी सेविका के चयन करने, श्मशान घाट का रास्ता निर्माण करने समेत कई विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए. उन्होंने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है. जिला प्रशासन नियमानुसार आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा.

बिजली चोरी मामले में 36 पर एफआईआर

शुभम संदेश। धनबाद

महाप्रबंधक अशोक कुमार सिन्हा के निर्देश पर बिजली विभाग द्वारा शुक्रवार को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया. बिजली चोरी मामले में विभाग ने धनबाद सर्किल में 36 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है. विभाग ने धनबाद सर्किल में कुल 404 जगहों में रेड किया है जिसमे 7 लाख 32 हजार रुपये फाइन किया गया है.

बता दें कि धनबाद डिवीजन में 82 जगहों पर हुई छापेमारी में 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया है. इसके साथ ही 4 लाख 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. वही गोविंदपुर में 57 जगहों पर छापेमारी कर 10 लोगो पर एफआईआर दर्ज कराया गया है और एक लाख 51 हजार का फाइन किया गया है. निरसा में 154 जगहों पर हुए छापेमारी में 6 लोगो पर एफआईआर दर्ज कराया गया और 31 हजार फाइन किया गया है. झरिया में 111 स्थानों पर छापेमारी हुई. जिसमें 8 लोगों पर एफआईआर हुआ. साथ ही 1 लाख 2 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया. उक्त जानकारी कार्यपालक अभियंता पंकज कुमार ने दी.

पॉलीटेक्निक पीएसएस से आज तीन घंटे ठप रहेगी बिजली आपूर्ति : पॉलीटेक्निक पीएसएस से शनिवार को तीन घंटे बिजली आपूर्ति बंद रहेगी. मेंटेनेंस कार्य के लिए सुबह आठ बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप कर दी जाएगी. जिससे पॉलिटेक्निक रोड, झारूडीह, वीआईपी कॉलोनी, जय प्रकाश नगर आदि क्षेत्र प्रभावित होंगे.

आसनसोल

देबज्योति हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

- सीतारामपुर एथोरा रोड में गला कटा शव बरामगदी के मामले का खुलासा

शुभम संदेश। कुल्टी

कुल्टी थाने की नियामतपुर फाड़ी पुलिस ने 4 जून को आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के कुल्टी थाना अंतर्गत सीतारामपुर-एथोरा रोड पर एक युवक का गला कटा हुआ शव बरामद किया था. इस घटना में मृतक की पहचान जामुड़िया थाना अंतर्गत निगाह निवासी देबज्योति सिंह (23) के रूप में हुई थी. पुलिस ने घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल बरामद किया था जो मृतक का था. देबज्योति सिंह राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक ज़मीन व्यापारी के कार्यालय से घर जा रहा था, तभी उन पर हमला हुआ था. मृतक के परिवार ने घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. नियामतपुर फाड़ी पुलिस ने घटना की जांच शुरू की और 12 जून को पम्मी शर्मा नामक युवती को गिरफ्तार किया था, इसके बाद पम्मी शर्मा को 10 दिन के रिमांड पर पुलिस ने लिया था. इसके बाद, नियामतपुर फाड़ी ने घटना में सीडीआर कॉल डिटेल्स विवरण और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लंबी पूछताछ के बाद कल शाम राहुल माजी (27) को गिरफ्तार किया. राहुल का घर सलानपुर थाना अंतर्गत रूपनारायणपुर है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, नियामतपुर चौकी में राहुल माजी से लंबी पूछताछ के बाद, उसके बयान में विरोधाभास पाया गया और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं पुलिस सूत्रों की मानें तो राहुल ने देव ज्योति सिंह को छुरी से गला रेत कर उसकी हत्या की थी और छुरे को पास के तालाब में फेंक दिया था. इस खुलासे के बाद पुलिस ने राहुल को इय हत्याकांड के मुख्य आरोपी बनाते हुए आसनसोल जिला न्यायालय भेज दिया गया. वहीं नियामतपुर पहाड़ी में हत्या का यह तीसरा मामला है और तीनों मामलों को नियामतपुर फाड़ी ने सुलझा दी है और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है. देवज्योति सिंह की हत्या की तो यह हत्या का मामला काफी सस्पेंस भरा था, इस हत्या की जांच कुल्टी थाना अंतर्गत नियामतपुर फाड़ी के एसआई विनय दास कर रहे थे. कुल्टी थाना और नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी साथ ही इस हत्या की जांच कर रहे विनय दास की सूझबूझ से हत्यारे को सलाखों के पीछे भेजा जा सका.

कुंतल दास ने जापान में जीता पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल

शुभम संदेश। बर्नपुर

सेल इस्को स्टील प्लांट के अधिकारी सह एथलीट कुंतल दास अंतर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग (बेंच प्रेस) प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन कर राज्य ही नहीं, बल्कि देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं. हाल ही में जापान के हिमीजी में आयोजित एशिया पैसिफिक-अफ्रीका पावर लिफ्टिंग (बेंच प्रेस) प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया. कुंतल दास सेल इस्को स्टील प्लांट के कोक ओवन विभाग में सीनियर मैनेजर पद पर कार्यरत हैं. 6 से 14 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने एम-1, 120 किलोग्राम से अधिक वजन वर्ग में भाग लिया और प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता. इस प्रतियोगिता में एशिया, अफ्रीका एवं एशिया-पैसिफिक महाद्वीपों के कुल 22 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. अपनी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुंतल दास ने बताया कि वे इस प्रतियोगिता के लिए बीते दो महीनों से कड़ी मेहनत कर रहे थे. इससे पूर्व, 17 से 24 मई तक नॉर्वे में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग (बेंच प्रेस) प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने 8वां स्थान प्राप्त किया था. वहीं, गत वर्ष 14 से 18 अक्टूबर तक गोवा में संपन्न नेशनल पावर लिफ्टिंग (बेंच प्रेस) चैंपियनशिप के मास्टर क्लासिक वर्ग में सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं. कुंतल दास ने बताया कि वे अब तक प्रतियोगिताओं में निजी खर्च पर भाग लेते रहे हैं, क्योंकि कंपनी की ओर से उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हो रही है. ऐसे में भविष्य की प्रतियोगिताओं में भाग लेना और भी कठिन हो सकता है. बताया गया कि वे 13 जुलाई को बर्नपुर लौटेंगे.

न्यूज अपडेट

तालबेरिया तालाब किनारे सड़क विवाद पर प्रशासनिक बैठक बेनतीजा

शुभम संदेश। पुरुलिया

शुक्रवार को सांतुड़ी प्रखंड के तालबेरिया तालाब किनारे स्थित सड़क को लेकर उत्पन्न विवाद का समाधान नहीं निकल सका. एक पक्ष जहां सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे रैयती संपत्ति बताते हुए विरोध कर रहा है. स्थिति को देखते हुए प्रखंड प्रशासन द्वारा समाधान हेतु बैठक बुलाई गई. बैठक में सांतुड़ी प्रखंड के बीडीओ पार्थ दास, पंचायत समिति के उपाध्यक्ष रामप्रसाद चक्रवर्ती, प्रखंड भूमि एवं भूमि सुधार विभाग, पुलिस, और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे. दोनों पक्षों के साथ करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में भी कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका. हालांकि, रैयत पक्ष ने सहमति जताई है कि मंगलवार तक सड़क को यातायात योग्य बनाने हेतु सफाई का कार्य पूरा कर दिया जाएगा. शेष मुद्दों पर अगले 15 दिनों में निर्णय लेकर घोषणा की जाएगी. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह सड़क तालबेरिया बड़े तालाब के किनारे-किनारे जाती है और सौ वर्षों से अधिक समय से सांतुड़ी ग्राम पंचायत के निमटिकुरी, मंजुरी, पिरलगड़िया, लेडियाम, कुसुमदा जैसे गाँवों के लोग इस मार्ग का उपयोग करते आ रहे हैं. वर्तमान में यह रास्ता जर्जर स्थिति में है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. इसी के चलते बीते बुधवार को 200 से अधिक पुरुषों और महिलाओं ने बीडीओ का घेराव कर सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया था.

विश्व जनसंख्या दिवस पर सेमिनार का आयोजन

बर्नपुर। विश्व जनसंख्या दिवस 2025 के अवसर पर हीरापुर स्थित विजय पाल मेमोरियल बी.एड. कॉलेज में आईक्यूएसी द्वारा एनएसएस इकाई के सहयोग से एक विचारोत्तेजक इन-हाउस विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का विषय था युवा लोगों को एक निष्पक्ष और आशापूर्ण विश्व में अपने मनचाहे परिवार के निर्माण हेतु सशक्त बनाना. इस सत्र को कॉलेज की सहायक प्रोफेसर एवं उप-प्राचार्या जयश्री माजी ने संबोधित किया. उन्होंने जनसंख्या गतिशीलता, युवा सशक्तिकरण और आज की दुनिया में सूचित विकल्पों के महत्व पर गहन अंतर्दृष्टि साझा की. गौरतलब है कि विश्व जनसंख्या दिवस हर वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या वृद्धि से संबंधित चुनौतियों एवं अवसरों के प्रति जागरूकता फैलाना होता है. यह दिवस परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, गरीबी उन्मूलन, मातृ स्वास्थ्य और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों की ओर ध्यान आकर्षित करता है. सेमिनार में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को इस शैक्षणिक समारोह को सफल एवं सार्थक बनाने के लिए सम्मानित भी किया गया.

श्रमिक नेता सुदीप्त पाल चिनाकुरी से गिरफ्तार

शुभम संदेश। कुल्टी

समस्त ग्राम समिति नामक एक संगठन ने ईसीएल की चिनाकुरी कोयला खदान में कोयला खनन करने वाली निजी कंपनी में स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार की मांग को लेकर धरना दिया. इस दौरान ग्राम समिति के सदस्यों की कुल्टी थाने से झड़प हो गई. ग्रामीणों का आरोप है कि कुल्टी थाने ने लाठीचार्ज किया और श्रमिक संगठन के नेता सुदीप्त पाल समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर कुल्टी थाने की नियामतपुर चौकी ले गए. लाठीचार्ज और पांच लोगों की गिरफ़्तारी के विरोध में ग्राम समिति के सदस्यों ने कल दोपहर नियामतपुर चौकी पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के चलते पुलिस ने कल रात चार लोगों को खदेड़ दिया और नेता सुदीप्त पाल को गिरफ़्तार कर लिया गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस महीने की 8 तारीख़ को चिनाकुरी कोयला खदान अधिकारियों ने सुदीप्त पाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. सरकारी काम में बाधा डालने की इसी शिकायत के आधार पर उन्हें गिरफ़्तार किया गया. उन्हें आज दोपहर एक बजे आसनसोल जिला न्यायालय में पेश किया गया है सूत्रों ने बताया है कि सुदीप्त पाल ईसीएल ठेका श्रमिक अधिकार संघ की नेता हैं, उनका संगठन राज्य के विभिन्न जिलों में ठेका श्रमिकों के लिए आंदोलन करता रहा है और सबसे खास बात यह है कि करीब एक साल पहले केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने कुल्तुर के डिसरगढ़ इलाके में सुदीप्त पाल के घर पर छापा मारा था और कई दस्तावेज जब्त किए थे.

बीएलआरओ कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ बजरंग दल का विरोध

पुरुलिया। बलरामपुर के बीएलआरओ कार्यालय में भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर शुक्रवार को बजरंग दल द्वारा एक प्रतिनिधिमंडल सौंपा गया. इस प्रतिनियुक्ति कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता और बजरंग दल के सदस्य अनूप माझी ने तृणमूल नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए. अनूप माझी ने कहा कि बलरामपुर स्थित बीएलआरओ कार्यालय लंबे समय से भ्रष्टाचार का केंद्र बना हुआ है, जहाँ आम लोगों को तरह-तरह से परेशान किया जाता है. उन्होंने आरोप लगाया कि बिना रिश्वत के यहां कोई भी काम नहीं होता. जहाँ भी जाइए, तृणमूल के दलाल बिना पैसे के कोई काम नहीं करते. उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से बजरंग दल के साथ मिलकर एक ज्ञापन सौंपा गया है. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर इस ज्ञापन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो हम जनता को बताएंगे कि भ्रष्टाचार के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं.

बराकर में जेसीआई और प्रेरणामई समिति का भव्य सावन मेला

शुभम संदेश। बराकर

जेसीआई चिरकुंडा एवं प्रेरणामई महिला समिति द्वारा शुक्रवार को बराकर के डी. सर्राफ हाउस के सभागार में एक दिवसीय सावन मेले का आयोजन भव्य रूप से किया गया. मेले का उद्घाटन मारवाड़ी महिला समिति बराकर की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल, सखी क्लब की अध्यक्ष निर्मला अग्रवाल तथा महिला समिति चिरकुंडा की ललिता कसेरा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. स्टॉल प्रारंभ होने से पूर्व समिति की सदस्यों ने मिलकर गणेश वंदना गाकर कार्यक्रम की शुभ शुरुआत की. समिति की ओर से मेले में पधारी सभी वरिष्ठ महिलाओं को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया. इस एक दिवसीय मेले में बराकर, आसनसोल, रानीगंज, दुर्गापुर, धनबाद, बोकारो सहित दिल्ली और जयपुर से आई महिलाओं ने लगभग 50 स्टॉल लगाए. इन स्टॉलों में भगवान की तस्वीरें, बच्चों के कपड़े, लड़कियों की कुर्तियां, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, गिफ्ट आइटम, लड्डू गोपाल के वस्त्र, राखियाँ, कॉस्मेटिक उत्पाद तथा खाने के विविध प्रकार के व्यंजन और रेसिपियाँ शामिल थीं, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं. जेसीआई की अध्यक्ष चारुलता केजरीवाल एवं प्रेरणामई समिति की प्रिया गढ़यान ने बताया कि सावन महीने में हर वर्ष इस प्रकार का मेला आयोजित किया जाता है, ताकि एक ही छत के नीचे लोगों को विभिन्न प्रकार के वस्त्र और सामग्रियाँ खरीदने का अवसर मिले. उन्होंने कहा कि सभी लोग आसनसोल, दुर्गापुर या कोलकाता नहीं जा सकते, जहाँ सस्ते और अच्छी गुणवत्ता वाले सामान उपलब्ध होते हैं, इसलिए इस मेले के माध्यम से वह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाती है. कार्यक्रम के समापन पर महिलाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया. इस सफल आयोजन में जेसीआई की पूनम खरकिया, प्रेरणामई महिला समिति की अध्यक्ष चारुलता केजरीवाल, रीता गढ़यान सभी सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहीं.

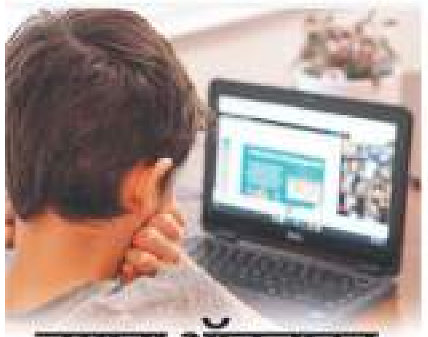

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते है, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कॉर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स मे एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते है।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस रोमांचकारी कॅरियर

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वानात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वानात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवी उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संस्था से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं है। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान मे नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नही लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते है। कपड़ो की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ो को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नही तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है। आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्यवसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनो ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ो की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते है। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों मे अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नही लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नही है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्याय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ो की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नही पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफ़ा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है।इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमी है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते है, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रोत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते है। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते है। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है।

सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियो की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थो का उपयोग करने की जरूरत भी नही होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेंड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ‌ भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेंड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेंड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ‌ टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेंड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेंड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों मे एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

मंथन

सहकारी संघवाद की पुकार व झारखंड की वाजिब मांगें

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक रांची में एक महत्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आई, जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की 31 ज्वलंत मांगों को मजबूती से केंद्र के समक्ष रखा. बैठक में राज्य की प्राथमिकताओं को उजागर किया गया.सहकारी संघवाद को भी नए संदर्भ में परिभाषित किया गया. हेमंत द्वारा उठाई गई मांगों में सबसे प्रमुख रही कोल कंपनियों से लंबित 1.40 लाख करोड़ रुपए की रॉयल्टी वसूली. ये मांग न केवल राज्य के आर्थिक हक की बात है, बल्कि इससे राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाया जा सकता है. साथ ही मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए की आर्थिक मदद देने का प्रस्ताव सामाजिक न्याय की दिशा में सराहनीय पहल है. मुख्यमंत्री ने ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना और रांची मेट्रो जैसी अधोसंरचना परियोजनाओं को तेज़ गति से आगे बढ़ाने की बात कहकर यह संकेत दिया कि झारखंड विकास के हर उस आयाम में आगे बढ़ना चाहता है, जो उसकी क्षेत्रीयता व आकांक्षाओं के अनुरूप हो. बैठक में झारखंड, बिहार, ओडिशा व बंगाल की साझा सांस्कृतिक और विरासत को रेखांकित करते हुए हेमंत ने क्षेत्रीय संतुलन और साझे विकास की जरूरत पर बल दिया। सहकारी संघवाद की यह पुकार केवल भाषण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे ठोस नीति और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण में भी परिलक्षित होना चाहिए. आशा है कि केंद्र सरकार इस मंच से उठी मांगों को केवल सुनेगी ही नहीं, बल्कि उन्हें क्रियान्वित भी करेगी. तभी ऐसे मंचों की सार्थकता सिद्ध होगी और राज्यों का विश्वास संघीय ढांचे में और मजबूत होगा.

नजरिया

श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संगम है देवघर श्रावणी मेला

देवघर में विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले का भव्य शुभारंभ दुम्मा में जिस गरिमामयी ढंग से हुआ, वह राज्य की सांस्कृतिक, धार्मिक और प्रशासनिक परिपक्वता का प्रतीक है. समारोह में राज्य सरकार के तीन मंत्री और कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी दर्शाती है कि यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनभावनाओं और आस्था का केंद्र है. पर्यटन मंत्री सुदिव्य द्वारा दुम्मा से बाबा मंदिर तक कांवड़िया फ्लाईओवर की घोषणा, शिवभक्तों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शी सोच को दर्शाती है. उद्घाटन समारोह में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा व्यक्त किए गए भाव—श्रद्धा, समर्पण व सौहार्द- झारखंड की सामाजिक एकजुटता और धार्मिक समरसता की पहचान हैं. शिवभक्ति में रमे ये जयकारे, केवल धार्मिक रस्में नहीं, बल्कि जनमानस की सांस्कृतिक चेतना के प्रमाण हैं. इस बार प्रशासन की तैयारी भी उल्लेखनीय है. सहायता केंद्रों की स्थापना, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर किए गए इंतजाम इसके संकेत हैं कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है. श्रावणी मेला झारखंड का केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यहां की स्थानीय पहचान है. यह आवश्यक है कि श्रद्धा, व्यवस्था और समर्पण की इस त्रिवेणी को हर वर्ष और बेहतर बनाया जाए. तभी बाबा बैद्यनाथ की यह नगरी श्रद्धालुओं के लिए आस्था और व्यवस्था दोनों का प्रतीक बन सकेगी. मेला निर्विघ्न चले और हंसी-खुशी संपन्न हो. यही कामना है. हर हर महादेव!

खतरनाक है भाषाई वैमनस्य, गरमाई राजनीति

निशिकांत ठाकुर

> मुंबई में बढ़ते भाषाई विवाद पर काबू पाना अब जरूरी हो गया है.

बिहार के विकृत मानसिकता वाले तथाकथित पत्रकार व नेता ने पिछले वर्ष भारतीय अखंडता को तोड़ने- मरोड़ने तथा भड़काने के उद्देश्य से एक नितांत फर्जी वीडियो बनाया कि बिहार से मजदूरी करने गए व्यक्तियों के साथ दक्षिण भारत के राज्यों में उन्हें अपमानित कर उनके साथ मारपीट की जाती है. लेकिन, दोनों राज्यों की पुलिस ने जब इसकी जांच की तो वीडियो नितांत फर्जी और दो राज्यों में राग्रह पैदा करने वाला पाया गया. कुछ उपद्रवियों ने खुलकर उग्रता का प्रदर्शन किया, लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा तो मामला अदालत पहुंचा. फिर उस तथाकथित अपराधी को सजा भी हुई. पर अब जेल से बाहर निकलकर वह बिहार में अपनी नेतागिरी शुरू कर चुका है. यही हाल महाराष्ट्र और विशेष रूप से मुंबई का पिछले कई वर्षों से कर दिया गया है. केवल भाषाई लड़ाई द्वारा दुनिया भर से रोजगार के लिए आए लोगों को इसलिए डराया, धमकाया जाता है कि वह वहां की भाषा नहीं जानते. अब मुंबई से भी इसी तरह की वारदात के सामने आने से कटुता बढ़ती नजर आ रही है. भारतीयों की याददाश्त छोटी होती है, लेकिन चाहे वह जो कुछ भूले या याद रखे, दोस्ती और हमदर्दी के इन सलूकों को वह कभी नहीं भूलता.

मुंबई में पिछले दिनों मीरा रोड पर एक दुकानदार के साथ मनसे के कार्यकर्ता द्वारा जो मारपीट की गई वह तो निंदनीय और शर्मनाक है. इसके लिए मुख्यमंत्री ने कहा है कि दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा. इससे समाज में सरकार के प्रति विश्वास तो बढ़ा ही होगा, लेकिन जिस प्रकार घटना के अगले दिन हजारों व्यापारियों के साथ साथ महिलाओं ने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की उसका संदेश देश भर में पहुंच ही गया है. अब तो जो बात सामने आ रही है उससे ऐसा कतई नहीं लगता कि यह मामला तत्काल शांत होने वाला है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि भाषा के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. दूसरी ओर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मनसे नेता अविनाश जाधव ने प्रदर्शन को भाजपा प्रायोजित बताया और कहा कि भाजपा इसे तूल दे रही है. मराठी -गैरमराठी में झगड़ा करवाकर वह भाईचारा खराब करना चाहती है. यदि मनसे की सोच इस तरह की आगे भी रही तो महाराष्ट्र में जो इतना उद्योग विकसित हुआ है, सभी बाहरी लोग निकाले जाएंगे? ऐसा इसलिए कि महाराष्ट्र के किसी भी उद्योग में ,यदि आप जाते है तो विभिन्न भाषाओं में बात करने वाले व्यक्ति आपको मिल जाएंगे. मराठा शब्द से ही गौरवमई इतिहास ताजा हो जाता है. इस बात पर तत्काल विश्वास नही होता, लेकिन जब सच्चाई धीरे धीरे सामने आने लगती है तो डरना सामान्य व्यक्ति के लिए स्वाभाविक हो जाता है. यह उन्हीं वीर मराठाओं की धरती है जहां के योद्धाओं ने अहमद शाह अब्दाली से पानीपत का ऐतिहासिक युद्ध किया था. लेकिन अब उन्हीं वीर मराठाओं की धरती पर भाषाई दुराग्रह से बगावत के नाम पर मानवता को शर्मसार करेंगे? वैसे कभी भी समाज में कुछ विरले होते हैं जो गंदगी फैलाकर अपना नाम किसी प्रकार रोशन करना चाहते हैं.

सर्वसम्पन राज्य की राजधानी मुंबई है जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है. जिसने मुगलकाल और अंग्रेजी शासन काल में भारतीय अस्मिता के लिए सदैव अपने बलिदान को ही चुना, उस प्रदेश की राजधानी में मराठी नहीं जानने वालों के साथ सरेआम मारपीट की जाएगी-इस तरह सोचना भी उसका अपमान है. लेकिन ऐसा हुआ है .भारतीय संविधान प्रत्येक भारतीय को यह अधिकार देता है कि वह अपनी रोजी-रोटी के लिए अपनी योग्यता के आधार पर किसी भी राज्य में जाकर जीविकोपार्जन के लिए आजाद है और यही विश्व की नीति भी है. लेकिन, अब तक तो जो विदेशों में जीविकोपार्जन के लिए गए भारतीयों के साथ किया जाता रहा था, अब देश में भी एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने रोजगार के लिए गए लोगों के साथ ऐसी घटना घटेगी ऐसा सोचना ही मन को विचलित कर देता है. पिछले कुछ दिनों से अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए गए भारतीय छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है. यह किसी भी दशा में उचित नहीं माना जा सकता. लेकिन ऐसा हुआ इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है?

> **भविष्य में ऐसा न होने पाए इस पर राज्य सरकारों सहित केंद्र को भी कठोर कानून बनाना चाहिए. यदि ऐसे लोगों पर लगाम नहीं कसी गई, तो इसका बुरा परिणाम देश को भविष्य में होगा. जिससे फिर संभलना मुश्किल हो जाएगा.**

संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1948 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर जज एसके धर की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय आयोग का गठन किया था, जिसने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन की सिफारिश की थी. इसके बाद पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार बल्लभभाई पटेल तथा पट्टाभि सीतारमैया की एक जेपीसी बनाई गई. इस समिति का काम राज्यों के गठन का मुख्य आधार खोजना था. इस समिति ने भी भाषाई आधार पर राज्यों को बांटने का विरोध किया और आर्थिक और प्रशासनिक आधार पर सीमांकन करने की सिफारिश की थी. फिर भी देश में भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया. आज देश में केंद्र शासित राज्यों को मिलाकर 28 राज्य हैं. 1951 की जनगणना के मुताबिक 844 भाषाएं बोली जाती है, लेकिन मात्र 91% लोग 14 भाषाएं ही बोलते हैं .19 दिसंबर 1953 को प्रधानमंत्री नेहरू ने राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया. इस तीन सदस्यीय आयोग में जस्टिस सैयद फजल अली, हृदयनाथ कुंजरू और सरदार केएम पणिक्कर थे. इस आयोग ने 1955 में अपनी सिफारिशें की थीं. 1956 में आयोग की रिपोर्ट को पारित कर दिया गया, परन्तु आज भी हमारा समाज भाषाई दुराग्रह से पीड़ित है और मारपीट व भाषाई विवाद को चुपचाप सहकर अपमानित होते रहते हैं. भविष्य में अब ऐसा न होने पाए इसपर राज्य सरकारों सहित केंद्र सरकार को भी कठोर कानून बनाना चाहिए. यदि इस प्रकार के लोगों पर लगाम नहीं कसी गई, तो इसका बुरा परिणाम देश को भविष्य में देखना पड़ेगा. जिससे फिर संभल पाना मुश्किल होगा. ऐसे विवाद देश में गृहयुद्ध भी भड़क सकते हैं. **(लेखक वरिष्ट पत्रकार और स्तंभकार हैं)**

आज का इतिहास

1290: इंग्लैंड के सम्राट एडवर्ड प्रथम के आदेश पर यहूदियों को बाहर निकाला गया.

1823: भारत में निर्मित प्रथम वाष्प इंजन युक्त जहाज 'डायना' का जलावतरण.

1918 : टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट में 500 लोगों की मौत.

1949: गांधी जू की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए बैन को सशर्त हटाया गया.

1960: भागलपुर और रांची यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई.

1990 : सोवियत नेता बोरिस येल्तसिन ने कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया.

1997 : नोबल पुरस्कार से सम्मानित मलाला युसुफजई का पाकिस्तान में जन्म.

1998 : फ्रांस और ब्राजील के बीच हुए फुटबॉल विश्वकप के फाइनल को कुल 1.7 अरब लोगों ने देखा.

2001 : अगरतला से ढाका के बीच 'मैत्री' बस सेवा की शुरुआत.

गंगा-यमुना पर सबका समान अधिकार है...

चिंतन

गांधी जी का पूरा जीवन प्रेरणा का स्रोत है. इस प्रसंग से भी हमें उनके सादा जीवन उच्च विचार के दर्शन का पता चलता है. बात इलाहाबाद की है, उन दिनों वहां कांग्रेस का अधिवेषन चल रहा था. सुबह गांधी जी, नेहरू व अन्य स्वयं सेवकों के साथ बातें करते -करते हाथ -मुंह धो रहे थे. गांधीजी ने कुल्ला करने के लिए जितना पानी लिया था वो खत्म हो गया और उन्हें दोबारा पानी लेना पड़ा. इससे गांधी जी थोड़ा खिन्न हो गए.

गांधी जी के चेहरे के भाव बदलते देख नेहरू जी ने पूछा, क्या हुआ, आप कुछ परेशान दिख रहे हैं? बाकी स्वयंसेवक भी गांधी जी की तरफ देखने लगे. गांधी जी बोले, मैंने जितना पानी लिया था वो खत्म हो गया और मुझे दोबारा पानी लेना पड़ रहा है, ये पानी की बर्बादी ही तो है.

नेहरू जी मुस्कुराए और बोले - बापू, आप इलाहाबाद में हैं, यहां त्रिवेणी संगम है,यहां गंगा-यमुना बहती हैं, कोई मरुस्थल थोड़े ही है कि पानी की कमी हो, आप थोड़ा पानी अधिक भी प्रयोग कर लेंगे तो क्या फर्क पड़ता है? गांधीजी ने तब कहा- किसकी हैं गंगा-यमुना? ये सिर्फ मेरे लिए ही तो नहीं बहतीं, उनके जल पर तो सभी का अधिकार है? हर किसी को ये बात अच्छी तरह से समझनी चाहिए कि प्राकृतिक संसाधनो का दुरूपयोग करना ठीक नहीं है, कोई चीज कितनी ही प्रचुरता में मौजूद हो पर हमें उसे आवश्यकतानुसार ही खर्च करना चाहिए. और दूसरा, यदि हम किसी भी चीज की अधिक उपलब्धता के नाते उसका दुरूपयोग करते हैं, तो हमारी आदत बिगड़ जाती है, और हम बाकी मामलों में भी वैसा ही व्यवहार करने लगते हैं. नेहरू जी और बाकी लोग भी गांधी जी की बात समझ चुके थे.

मित्रों, गांधी जी की सोच और दूरदर्शिता कितनी प्रबल थी, इसे आज और भी अच्छी तरह से समझा जा सकता है. आज मनुष्य प्रकृति से हुए खिलवाड़ का खामियाजा भुगत रहा है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम प्राकृतिक संसाधनो का सही उपयोग करें और एक बेहतर विश्व के निर्माण में अपना योगदान दें.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #WorldPopulationDay
2. TDP JSP GATE KEEPER NTR
3. #HBDBandiSanjay
4. POLITICAL JOKER PK
5. #श्रावण_मास
6. #IRTSARajasthan2025
7. भगवान शिव
8. #HardeepSPuri
9. नरेश मीणा
10. सावन मास

बहुरंग

अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज

जब अजय देवगन साल 2012 में 'सन ऑफ सरदार' लेकर आए थे तो उन्होंने अपनी दमदार कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया था. अब एक बार फिर वह जस्सी रंधावा के किरदार में शानदार वापसी कर चुके हैं.

आने वाले समय में कई बड़ी फिल्मों के सीक्वल दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं. इन्हीं में से एक है- 'सन ऑफ सरदार 2', जिसकी रिलीज़ का फैंस लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे. फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. इससे पहले वह अपनी सुपरहिट फिल्म 'रेड' के सीक्वल 'रेड 2' के जरिए बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त वापसी कर चुके हैं. अब अजय देवगन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. हाल ही में रिलीज़ हुए 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर में अजय ने जबरदस्त कॉमेडी के साथ-साथ धमाकेदार एक्शन का भी तड़का लगाया है. ट्रेलर देखकर साफ है कि यह सीक्वल पहले भाग से भी ज्यादा धमाल मचाने वाला है. वहीं, मृणाल ठाकुर और नीरू बाजवा की मौजूदगी ने फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है. अब देखना होगा कि यह फिल्म थिएटर्स में कितनी धूम मचाती है.

श्री श्रीरविशंकर की बायोपिक 'व्हाइट' में नजर आएंगे अभिनेता विक्रांत मैसी

'12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी अब एक नई फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में वह शनाया कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे. विक्रांत अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए है, जो आध्यात्मिक गुरु श्री श्रीरविशंकर की बायोपिक है. हाल ही में विक्रांत की श्री श्री रविशंकर के साथ एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिससे कयास लगाए जा रहे थे कि वह इस बायोपिक से जुड़ चुके हैं. अब फिल्म को लेकर कुछ नए अपडेट्स सामने आए हैं, जिनका फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. विक्रांत का इस किरदार में नजर आना न केवल उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम साबित हो सकता है, बल्कि दर्शकों के लिए भी एक अलग और प्रेरणादायक अनुभव होगा. विक्रांत मैसी जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं. यह फिल्म आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्रीरविशंकर के जीवन पर आधारित है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'व्हाइट' की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में की जाएगी. दरअसल, यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि कोलंबिया में 52 सालों से चले आ रहे सशस्त्र संघर्ष और उसमें श्री श्रीरविशंकर की शांति-दूत की भूमिका को भी दर्शाएगी. चूंकि ये घटनाएं मुख्य रूप से कोलंबिया में घटित हुई थीं, इसलिए मेकर्स ने फैसला किया है कि फिल्म की शूटिंग भी वहीं की जाएगी, ताकि इसकी वास्तविकता और भावनात्मक गहराई बरकरार रह सके. फिल्म का यह अंतरराष्ट्रीय पहलू दर्शकों के लिए इसे और भी खास बना देता है. विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'व्हाइट' को लेकर पूरी तरह समर्पित हैं. हाल ही में वह बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ़ लिविंग आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने श्री श्रीरविशंकर द्वारा शुरू किए गए हैप्पीनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया. इस दौरान विक्रांत ने ध्यान, प्राणायाम और योग जैसे अभ्यासों के साथ-साथ रविशंकर की जीवनशैली और विचारधारा को गहराई से समझने की कोशिश की. उनका उद्देश्य है कि फिल्म में निभाया गया किरदार पूरी तरह वास्तविक लगे. विक्रांत ने अपने लुक में भी बदलाव शुरू कर दिए हैं, उन्होंने बाल और दाढ़ी बढ़ा ली है

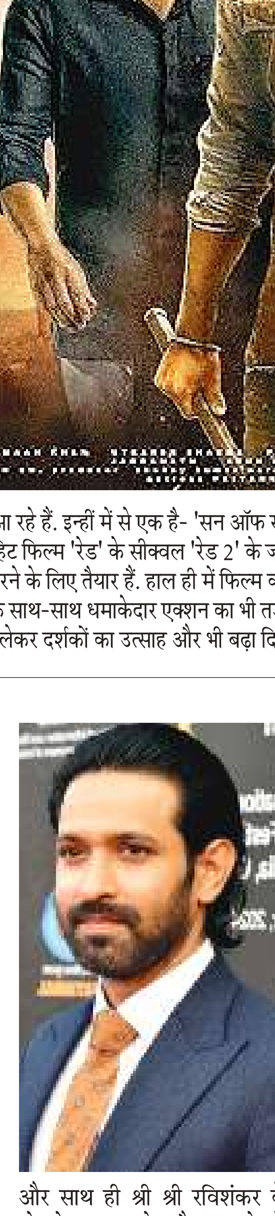

और साथ ही श्री श्री रविशंकर के बोलने, मुस्कराने और चलने के तरीके को भी आत्मसात करना शुरू कर दिया है. वह नियमित रूप से उनके प्रवचनों के वीडियो भी देख रहे हैं ताकि किरदार की आत्मा को पकड़ सकें. बताया जा रहा है कि विक्रांत जल्द ही कोलंबिया रवाना होंगे, जहां फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग शुरू होने वाली है.

इमरान हाशमी की नई फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का ऐलान

अभिनेता इमरान हाशमी को हाल ही में फिल्म 'ग्राउंड जीरो' में दमदार अभिनय के लिए सराहा गया. अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका टाइटल 'गनमास्टर जी9' है. इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि 'गनमास्टर जी9' इमरान और आदित्य की जोड़ी का तीसरा प्रोजेक्ट है. इससे पहले दोनों 'आशिक बनाया आपने' और 'दिल दिया है' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. अब देखना होगा कि ये हिट जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर क्या नया धमाका लेकर आती है. 'गनमास्टर जी9' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता है, और अब फिल्म की स्टारकास्ट और डिटेल्स सामने आने के बाद यह चर्चा और भी

तेज हो गई है. इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डिसूजा, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट कर रहे हैं, जबकि म्यूजिक की कमान मशहूर संगीतकार हिमेश रेशमिया के हाथों में है. 'गनमास्टर जी9' की शूटिंग मानसून के बाद मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद इसका एक अहम शेड्यूल उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में फिल्माया जाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. योग्यताएं सम्मान दिलायेगी. शुभांक-3-5-7

वृष : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. विद्यार्थियों को लाभ. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. शुभांक-3-5-6

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. शुभांक-2-4-6

कर्क : संतान की उन्नति के योग हैं. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. शुभांक-3-6-7

सिंह : अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. स्वास्थ्य नरम होगा. शुभांक-3-6-8

कन्या : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. व्यापार में वृद्घि होगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि होगी. शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-6-7-8

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. शुभांक-1-4-6

वृश्चिक : पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. सफलता मिलेगी. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. कर्ज देने से बचें. शुभांक-4-7-9

धनु : स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. एकाकी वृत्ति त्यागें. शुभांक-5-7-9

मकर : अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. धार्मिक यात्रा का योग. शुभांक-4-7-9

कुंभ : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी. शुभांक-4-6-9

मीन : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. आलस्य का त्याग करें. काम पर पैनी नजर रखिए. सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. किसी करीबी के साथ दुर्घटना घट सकती है. शुभांक-2-5-7

श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव : स्वामी आगमानंद ने बताई गुरु की महिमा

राज्यपाल और आईपीएस विकास वैभव ने बताया वेदांत का दर्शन

शुभम संदेश।पटना

पटना के गर्दनीबाग स्थित गेट पब्लिक लाइब्रेरी एंड इंस्टिट्यूट का वातावरण गुरुवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से सराबोर हो गया, जब श्री शिवशक्ति योगपीठ और केंद्रीय उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव में जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री रामचंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज का आगमन हुआ. श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव में देशभर से 25 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे. स्वामी आगमानंदजी महाराज और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के आगमन पर एनसीसी के एएनओ लेंटननेंट कंपनी कमांडर तुषार कांत झा के नेतृत्व कैडेट ने गॉर्ड ऑफ आनर दिया. इसके बाद स्वामी आगमानंद ने ढाई सौ से ज्यादा लोगों ने गुरु दीक्षा दी. कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आगमानंदजी महाराज ने अपने उद्बोधन में गुरु की महिमा बताई.

सर्वश्रेष्ठ पर्व है गुरु पूर्णिमाः आगमानंद

महासभा के दूसरे सत्र में अपने उद्बोधन में स्वामी आगमानंद जी महाराज ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा, सनातन संस्कृति में गुरु पूर्णिमा सर्वोच्च पर्व है. गुरु का शब्द मंत्र के समान है. धर्म ग्रंथों को लिपिबद्ध करने वाले ऋषि व्यास की अनुकंपा का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता. इसलिए आज के दिन हमें अपने गुरु के साथ-साथ व्यास जी को भी स्मरण करना चाहिए. राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के ज्ञान की प्रशंसा करते हुए स्वामी आगमानंदजी महाराज ने कहा कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जी संस्कृत, हिंदी, अरबी और उर्दू के गहरे अध्येता हैं. मैंने तो सोच लिया है कि आगे चलकर इन्हें अपनी पार्टी में शामिल करूंगा.

उन्होंने कहा शहरों में मंदिर, मस्जिद और महफिलें हैं, परंतु राज्यपाल महोदय की उपस्थिति से महफिल इतनी निखर गई कि पहचानी नहीं जा रही. जो पक्ष में हैं, वे हाथ खड़ा करें कि आगे भी हमारे आयोजनों में राज्यपाल महोदय आते रहें.

आईपीएस विकास वैभव ने बताया वेदांत का दर्शन आईपीएस और लेट्स इंस्पायर बिहार के प्रवर्तक विकास वैभव ने कहा 'भारत में गुरु का स्थान सर्वोच्च है. बिहार वेदांत की भूमि है. जो तत्व दिखता नहीं, सुनाई नहीं देता, उसकी अनुभूति गुरु कराते हैं. चंद्रगुप्त और चाणक्य के बिहार में जातिवाद नहीं, जातियां थीं.

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का प्रेरक भाषण : बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भारतीय संस्कृति में कथा परंपरा की महिमा का उल्लेख करते हुए आदि शंकराचार्य की कथा सुनाई. कहा एक बार बनारस में जब शंकराचार्य गंगा स्नान कर लौटे, तो सामने एक चंडाल था. उन्होंने सोचा कि इसके स्पर्श से अपवित्र हो सकता हूं. इस बीच चंडाल ने कहा — शरीर हटाऊं या आत्मा? तब शंकराचार्य को बोध हुआ कि वे जो उपदेश देते हैं, उसे आत्मसात नहीं कर पाए. उन्होंने उसी क्षण मनीष पंचकम की रचना की. उन्होंने कहा— जो यह समझ जाए कि हर जीव में परमात्मा है, वह चाहे चंडाल ही क्यों न हो, वही मेरा गुरु है. राज्यपाल ने गुरु की परिभाषा को विस्तृत करते हुए कहाः गुरु चंद्रमा की तरह प्रकाश फैलाते हैं, और हम अज्ञान के बादल हैं. गुरु वही है, जो आत्मा में परमात्मा की अनुभूति करा सके.

भजन और पूजन में डूबा जनमानस : भजन सम्राट डा. हिमांशु मोहन मिश्र दीपक जी के भजनों ने माहौल को और आध्यात्मिक बना दिया. उनके द्वारा प्रस्तुत "गुरु अंधियारा मिटावे—दिव्य प्रकाश जगावे" जैसे भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे. भजन प्रस्तुति में बलबीर सिंह बग्घा, सुबोध दा, गुलशन, पवन दुबे , माधवानंद जैसे कलाकारों ने भी सहयोग किया.

देशभर से उमड़े श्रद्धालु : महाप्रसाद वितरण, दो दिन के ठहराव और सेवा व्यवस्था के बीच कार्यक्रम में देशभर से आए 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया. बेंगलुरु से विशेष रूप से पहुंचे अनुयायियों ने स्वामीजी को फूलों से सुसज्जित माला भेंट की. बमबम मिश्र, बरुण, आनंद, संजीव, मुकेश जैसे भक्तगण इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बढ़ी हुई 1100 रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में की हस्तांतरित

1.11 करोड़ के खाते में भेजी गई 1,227 करोड़ की राशि

संवाददाता ।पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मास्टरस्ट्रोक लगकर विपक्ष को चित कर दिया है. शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को 400 रुपये महीना से पेंशन बढ़ाते हुए 1100 रुपये कर उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से इस राशि को हस्तांतरित किया. इस तरह से एक करोड़ 11 लाख पेंशनधारियों के बैंक खाते में 1,227 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई. इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश ने ऐलान किया कि यह राशि हर माह की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी. उन्होंने राज्यभर से जुड़े 50 लाख लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 24 नवम्बर 2005 को हमारी सरकार बिहार में बनी थी.

पिछले 20 वर्ष में हमारी सरकार ने सभी के कल्याण के लिए कई काम किये. सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के हित के लिए हम निरंतर काम किया है. इसी क्रम में पेंशन की राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये महीना करने का निर्णय लिया गया. इससे 1.11 करोड़ पेंशनधारी लाभान्वित होंगे. लालू-राबड़ी राज पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 20 वर्ष पहले राज्य में कहीं कुछ नहीं था. हमारी सरकार आई तो हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर जगह के लिए काम किया गया. राजद से दो बार हाथ मिलाने पर सफाई देते हुए कहा कि हम गलती से दो बार उन लोगों को साथ लिए थे. अब फिर से वे कहीं नहीं जाने वाले हैं. अब आगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे.

उन्होंने कहा कि अब बिहार में राजनीति का नया दौर शुरू होगा, बल्कि सब साथ (एनडीए) मिलकर विकास के रास्ते पर चलेंगे. उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति बेहद कमजोर थी, लेकिन उनकी सरकार ने महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले और योजनाएं शुरू की हैं.

हमने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया, हर संभव सुविधा मुहैया कराई. पहले महिलाएं पूछती थीं, पर अब वे सम्मान के साथ बेहतर जीवन जी रही हैं. उनका पहनावा भी पहले से काफी बेहतर हो गया है. मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं को सरकार की प्राथमिकता बताया और कहा कि उनका उद्देश्य महिलाओं का जीवन सम्मानजनक और सुरक्षित बनाना है. उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं के लिए हर स्तर पर काम किया है और भविष्य में भी इसी प्रकार काम जारी रहेगा. हम हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि बिहार अब विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सभी वर्गों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है.

मोदी-नीतीश ध्येय के साथ काम कर रही है एनडीए सरकार : सम्राट

पटना । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार ने दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर समाज के हर तबके के साथ होने का अपना वादा पूरा किया है. एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश के सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास ध्येय के साथ इस ऐतिहासिक फैसले को लागू किया है. उपमुख्यमंत्री चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार को इस योजना को लागू करने के लिए आभार व्यक्त किया. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस फैसले से राज्य के 1,11,19,949 परिवार लाभान्वित होंगे. सरकार इनके जीवन को आसान बनाने के लिए हर साल लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी. उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 1 करोड़ 11 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में 1227.27 करोड़ रुपये की पेंशन राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से ट्रांसफर की. हर लाभार्थी को बढ़ी हुई 1100 रुपये की राशि उनके बैंक खाते में भेजी गई है.

अपराध की योजना बना रहे तीन अपराधकर्मी गिरफ्तार

▪ 02 कट्टा, 07 कारतूस एवं लूटी गई राशि बरामद

संवाददाता ।भागलपुर

जिले के मधुसुदनपुर थाना अन्तर्गत अपराध की योजना बना रहे 03 अपराधकर्मी को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है. इस दौरान 02 कट्टा, 07 कारतूस, खोखा एवं लूटी गई राशि बरामद की गई है. उक्त आशय की जानकारी शुक्रवार को सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने दी. सिटी एसपी ने बताया कि बीते गुरुवार को सूचना मिली कि मधुसुदनपुर थाना अन्तर्गत ग्राम-गोलाहू स्थित बहियार में कुछ अपराधकर्मी किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं, जो मुफस्सिल थाना (मुंगेर) के हत्या के केस में वांछित फरार एवं सबौर थाना अन्तर्गत लूट में शामिल में रहे हैं. उन्होंने कहा कि सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, भागलपुर, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. उक्त गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 अपराधकर्मी को 02 देसी कट्टा, जिंदा कारतूस-07, खोखा-02 एवं बिंडोलिया के साथ विधिवत गिरफ्तार किया गया.

मंत्री मदन सहनी बोले- विपक्ष ने 15 साल तक बिहार को सिर्फ लूटा है

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 1.11 करोड़ लोगों के खाते में शुक्रवार को डीबीटी के माध्यम से 1100 रुपये की राशि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रुप में हस्तांतरित की. इस बाबत विभाग के मंत्री मदन सहनी ने बातचीत में कहा कि बढ़ी हुई राशि मिलने से लाभार्थियों में खुशी है और मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दे रहे हैं. विपक्ष के लोग जो बिहार चुनाव से पहले हीरा, जवाहरत बांटने के लिए तैयार हैं उनको भी 15 साल शासन करने का मौका मिला था. 15 साल में गरबों को लूटने के सिवा और कुछ नहीं हुआ.

सहनी ने कहा 1995 में पेंशन योजना की शुरुआत हुई थी 2005 तक केवल 11 लाख लोग ही पेंशन का लाभ ले रहे थे. वहीं 2005 से 2025 तक 20 साल में पेंशन लेने वालों की संख्या 1 करोड़ 11 लाख से अधिक हो गई है. यानी 20 साल में एक करोड़ संख्या बढ़ गई है. 2015 में 200 से 400 करने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही किया था. अब 400 से 1100 करने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो लगातार काम कर रहे हैं. बिहार की जनता मालिक 20 साल से उनके साथ है और आगे भी रहेगी.

चीन की पाबंदी के बीच भारत का बड़ा कदमः रेयर अर्थ प्रोडक्शन को मिलेगी सब्सिडी

नयी दिल्ली : भारत सरकार रेयर अर्थ मैग्नेट के प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी ने शुक्रवार को बताया कि 1,345 करोड़ रुपये की इस योजना के तहत दो चुनिंदा मैन्युफैक्चरर को सब्सिडी दी जाएगी. यह कदम चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने के बाद उठाया जा रहा है, जिसने वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित किया है और भारत समेत कई देशों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी बनाने वाली कंपनियों को परेशानी में डाल दिया है. इस योजना का मकसद रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने की पूरी प्रक्रिया को सपोर्ट करना है. सूत्रों के मुताबिक, कई मंत्रालय से बातचीत के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा. कुमारास्वामी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 1,345 करोड़ रुपये की इस योजना में दो मैन्युफैक्चरर को शामिल करने का प्रस्ताव है. दो मैन्युफैक्चरर को सरकार देगी सपोर्ट : भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कमरान रिजवी ने बताया कि इस योजना का मसौदा तैयार कर लिया गया है और इसे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के लिए भेजा गया है. उन्होंने कहा, हमारा फोकस मैग्नेट पर है. जो भी हमें मैग्नेट देगा, उसे प्रोत्साहन मिलेगा. इस योजना में दो मैन्युफैक्चरर को शामिल करने की योजना है. यह सब्सिडी रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने के लिए प्रोसेसिंग सुविधाएं स्थापित करने में निवेश को बढ़ावा देगी. भारत में रेयर अर्थ का एकमात्र भंडार इंडियन रेयर अर्थ मैग्नेट्स लिमिटेड के पास है, जो परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक उपक्रम है. चीन द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण धातुओं के निर्यात पर लगाई गई पाबंदी ने ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया है. रेयर अर्थ मैग्नेट, जैसे नियोडिमियम-आयरन-बोरोन, इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर और पावर स्टीयरिंग मोटर में इस्तेमाल होते हैं.

कुमारस्वामी ने पीएम ई-ड्राइव के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की

▪ प्रधानमंत्री के हरित गतिशीलता विजन के तहत भारत ने पहली बार ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना शुरू की

एजेंसी ।नई दिल्ली

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों (ई-ट्रकों) को प्रोत्साहित करने की योजना का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया. भारी उद्योग मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि यह पहली बार है कि केंद्र सरकार ने देश को स्वच्छ और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में परिवर्तन में मदद करने के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए समर्थन योजना शुरू की गई है.

यह योजना प्रोत्साहन इलेक्ट्रिक ट्रक के सकल वाहन भार पर निर्भर करेगा और अधिकतम 9.6 लाख रुपये का प्रोत्साहन प्राप्त किया जा सकता है. मंत्रालय के मुताबिक ये प्रोत्साहन खरीद मूल्य में एकमुश्त कटौती के रूप में प्रदान किए जाएंगे और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पीएम ई-ड्राइव पोर्टल के माध्यम से ओईएम को प्रतिपूर्ति की जाएगी. इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ, कुशल और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में तेजी लाना है. नई शुरू की गई इस योजना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए एक रणनीतिक कदम है.

भारी उद्योग मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) के तहत परिभाषित एन2 और एन3 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों पर भी मांग प्रोत्साहन योजना लागू होंगे. एन2 श्रेणी में सकल वाहन वाले ट्रक शामिल हैं, प्रोत्साहन केवल एन3 श्रेणी के पुलर ट्रैकर्स पर ही लागू होंगे. इसके तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, निर्माता एक व्यापक निर्माता-समर्थित वारंटी प्रदान करेंगे. इसमें पांच साल या 5 लाख किलोमीटर की वारंटी शामिल होगी, जबकि वाहनों और मोटरों के लिए वारंटी पांच साल या 2.5 लाख किलोमीटर, जो भी पहले होगी. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर 2024 को देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी. इस योजना का दो वर्षों की अवधि में वित्तीय परिव्यय 10,900 करोड़ रुपये है.

मंगलम बिड़ला यूएसआईएसपीएफ के निदेशक मंडल में हुए शामिल

एजेंसी ।नई दिल्ली

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है. वह निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे. अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान में बताया गया है कि आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला उसके निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति में शामिल हो गए हैं. कुमार मंगलम बिड़ला निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे. यूएसआईएसपीएफ ने अपने बयान में कहा कि आदित्य बिड़ला समूह अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय ग्रीनफील्ड निवेशक है, जिसका निवेश 15 अरब यूएस डॉलर से अधिक है. ये समूह धातु, कार्बन ब्लैक और रसायन जैसे क्षेत्रों में 15 राज्यों में कार्यरत है. कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, यूएसआईएसपीएफ की कार्यकारी समिति में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है. बहुत कम समय में यूएसआईएसपीएफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मज़बूत करने में एक मज़बूत शक्ति बन गया है. दोनों देशों के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देने में इसके योगदान ने एक सार्थक बदलाव लाया है.

उन्होंने कहा, अमेरिका-भारत साझेदारी दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक है, मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि जब हमारे दोनों देश उद्देश्य और स्पष्टता के साथ एक साथ आते हैं तो वे वैश्विक वाणिज्य और नवाचार की दिशा को बेहतर बना सकते हैं. उल्लेखनीय है कि कुमार मंगलम बिड़ला को हाल ही में वाशिंगटन डीसी में आयोजित 2025 यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप समिट में ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था.

स्टॉक मार्केट में मेटा इंफोटेक की धमाकेदार एंट्री

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लग गया अपर सर्किट

एजेंसी ।नई दिल्ली

बैंकिंग, आईटी और मैन्युफैक्चरिंग समेत अलग-अलग इंडस्ट्रीज के लिए साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्रोवाइड करने वाली कंपनी मेटा इंफोटेक के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 161 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 64 रुपये यानी 39.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 225 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 236.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 46.74 प्रतिशत का मुनाफा हो गया. मेटा इंफोटेक का 80.18 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 8 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 155.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 20.04 करोड़ रुपये के 12.45 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा कंपनी के प्रोमोटर वेणुगोपाल पेरुरी ने 60.13 करोड़ रुपये के 37.35 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बिक्री की है. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

आयकर विभाग ने आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी किया

नयी दिल्ली । आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज जारी कर दी है. इसका उपयोग कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम और अन्य आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए किया जा सकता है. आयकर विभाग ने इससे पहले सिर्फ आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे. आयकर विभाग ने आज एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर -2 और आईटीआर-3 फॉर्म की एक्सेल यूटिलिटीज अब लाइव कर दिया गया है.

लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 690 अंक टूटा

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों से सुस्त संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार भी हफ्ते के लास्ट ट्रेडिंग सेशन यानी शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए. इसी के साथ प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में लाल निशान में रहे. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नतीजे उम्मीद से कमजोर रहने के चलते इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस शेयरों में गिरावट ने बाजार को नीचे खींचा. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कनाडा पर 35% टैरिफ लगाने के ऐलान ने वैश्विक व्यापार चिंताओं को बढ़ा दिया. तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 370 अंक की गिरावट लेकर 82,820 अंक पर पर ओपन हुआ. कारोबार के दौरान यह 82,442.25 अंक तक फिसल गया था. अंत में यह 689.81 अंक या 0.83 फीसदी की गिरावट लेकर 82,500.47 पर बंद हुआ. सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 23 कंपनियों के शेयर लाल जबकि केवल 7 कंपनियों के शेयर हरे निशान में बंद हुए.

सोना 830 रुपये हुआ महंगा, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी ।नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को तेजी का रुख है. सोना शुक्रवार को 760 रुपये से 830 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. इसी तरह चांदी के भाव में भी 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है. भाव में उछाल आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार किया है. इसी तरह 22 कैरेट सोना शुक्रवार को 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका है. चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिका है. दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिका है. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन सिमटी इंग्लैंड की पारी, भारतीय गेंदबाजों ने कराई मैच में वापसी

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए 387 रन, बुमराह ने खोला पंजा

एजेंसियां। लाड्र्स

भारत के खिलाफ लॉड्र्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को इंग्लैंड की पारी 387 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड की की तरफ से पहली पारी में जो रूट, जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने दमदार बल्लेबाजी की. इसके अलावा कप्तान बेन स्टोक्स और ओली पोप ने 44-44 रनों का योगदान दिया, जबकि निचले क्रम में ब्रायडन कार्स ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए 83 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. इस पहली पारी में धीमी बल्लेबाजी के बावजूद इंग्लैंड की टीम ने 400 रन के करीब पहुंचने में सफल रही.

वहीं गेंदबाजी की बात की जाए तो टीम इंडिया की तरफ से सबसे जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट लिए. विदेशी धरती पर जसप्रीत बुमराह का टेस्ट में यह13वीं बार पंजा था. बुमराह ने खेल के दूसरे दिन के पहले ही घंटों में बेन स्टोक्स, जो रूट और क्रिस वोक्स को आउट किया. इसके बाद उन्होंने दूसरे सेशन में जोफ्रा आर्चर को बोल्ड पर अपने 5 विकेट पूरे किए. इसके नीतीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिए वहीं. रविंद्र जडेजा के खाते में 1 विकेट आया.

कैसा रहा दूसरे दिन इंग्लैंड का खेला: लॉड्र्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल की बात करें तो जो रूट के 37वां शतक पूरा किया. हालांकि इंग्लैंड की ये खुशी ज्यादा देर नहीं चली. भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम का स्कोर दिन लंच तक सात विकेट पर 353 रन हो गया. पर खेल के दूसरे घंटे में जैमी स्मिथ (नाबाद 51 रन) और ब्रायडन कार्स (नाबाद 33 रन) ने भारतीय तेज गेंदबाजों की गेंदों का डटकर सामना करते हुए आठवें विकेट के लिए 82 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को निराश किया. 'ड्यूक्स' गेंद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई क्योंकि इसकी हालत से निराश भारतीय टीम को इस सत्र में दो बार लाल गेंद बदलनी पड़ी. इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 251 रन से की. लेकिन बुमराह की शानदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड ने पहले घंटे में कप्तान बेन स्टोक्स (44), रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) के विकेट गंवा दिए. स्मिथ को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब केएल राहुल ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर फॉर्म में चल रहे इस विकेटकीपर बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया.

दिन की पहली गेंद पर रूट का शतक: दिन की पहली ही गेंद पर लॉड्र्स में अपना रिकॉर्ड आठवां टेस्ट शतक पूरा करने वाले रूट अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और बुमराह का दिन का दूसरा शिकार बने जिनकी गेंद उनके मिडिल स्टंप उखड़ गई. यह 11वीं बार है जब बुमराह ने टेस्ट मैचों में इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को आउट किया है. अगली ही गेंद पर वोक्स विकेट के पीछे कैच आउट हो गए. यह हैरानी भरा था कि शुभमन गिल लगभग 10 ओवर पुरानी दूसरी नई ड्यूक्स गेंद को बदलना चाहते थे. अंपायरों ने गिल का अनुरोध स्वीकार कर लिया था, लेकिन भारतीय खिलाड़ी बदली हुई गेंद से खुश नहीं थे. इसके कारण गिल और अंपायरों के बीच तीखी बहस हुई. इंग्लैंड ने शुरुआती घंटे में सात विकेट पर 307 रन बना लिए. इसके तुरंत बाद सत्र में दूसरी बार गेंद बदली गई जिससे इंग्लैंड में इस्तेमाल की जाने वाली गेंदों पर बहस और तेज हो गई.

रेड्डी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

एजेंसियां। लंदन

लॉड्र्स टेस्ट के पहले दिन भारत की ओर से सबसे सफल गेंदबाज़ बनकर उभरे युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी ने अपनी सधी हुई गेंदबाज़ी से सबको प्रभावित किया. 22 वर्षीय नितीश ने इंग्लैंड की पहली पारी में बेन डकेट और ज़ैक क्रॉली को आउट करते हुए कुल दो विकेट झटके – और खास बात यह रही कि दोनों विकेट उन्हें उनके पहले ओवर में ही मिल गए. भारत की ओर से खेले जा रहे चार तेज़ गेंदबाज़ों में सबसे धीमी गति से गेंदबाज़ी करने वाले नितीश ने 14 ओवर डाले, जो अनुभवी मोहम्मद सिराज के बराबर थे. उन्होंने पूरे दिन बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाज़ी की और इंग्लैंड को खुलकर रन बनाने नहीं दिए. दिन के खेल के बाद नितीश ने कहा कि यह गेंदबाज़ी में निरंतरता वह चीज़ है, जिस पर वह इस दौरे की शुरुआत से ही काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे लगा कि मुझे अपनी गेंदबाज़ी और उसकी निरंतरता में सुधार करना होगा. मैंने इस पर सबसे ज़्यादा ध्यान दिया है."

उन्होंने कहा, "पैट कमिंस मेरे कप्तान हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है. मैंने उनसे सुझाव लिए कि कैसे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी की जाती है. वह अनुभव मेरे लिए बहुत उपयोगी रहा. इस दौरे पर मॉर्न मोर्कल के साथ काम करना भी मेरे लिए बेहतरीन रहा है. वह पिछले कुछ हफ्तों से मेरे साथ काम कर रहे हैं और हम मेरी गेंदबाज़ी में निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं. मुझे गेंद स्विंग कराने की काबिलियत है और मैं उसे सभी क्षेत्रों में स्थिरता के साथ उपयोग करना चाहता हूं. नितीश ने माना कि इससे उनकी लय पर असर पड़ा था. उन्होंने कहा,"सच कहूं तो चोट के बाद मेरी लय पकड़ना मुश्किल हो गया था. आईपीएल की शुरुआत में मैं गेंदबाज़ी नहीं कर सका, लेकिन टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में मैंने नेट्स में गेंदबाज़ी शुरू की और फिर मैचों में भी दोबारा उतर सका." पहले दिन की शानदार गेंदबाज़ी के बाद नितीश ने कहा कि वह सिर्फ टीम की ज़रूरत के मुताबिक गेंदबाज़ी करना चाहते हैं.उन्होंने कहा, "मैं सिर्फ इस पल का लुत्फ़ उठाना चाहता था और टीम जो चाहती थी, वैसा ही करना चाहता था. मुझे लगता है कि मैं वही कर पाया और आज की गेंदबाज़ी से काफी खुश हूं.

शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर आया सचिन का बयान

निर्णय लेने की कला शानदार

एजेंसियां। लाड्र्स

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की है. उन्होंने कहा कि वह शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सचिन ने गिल के निर्णय लेने की क्षमता पर भी बात की. बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉड्र्स पर खेला जा रहा है. मेजबानों ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है. दोनों टीमें एक-एक बदलाव के साथ उतरी हैं. इंग्लैंड ने जोश टंग की जगह जोफ्रा आर्चर और भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह जसप्रीत बुमराह को मौका दिया है.

सचिन ने की गिल की तारीफ

मास्टर-ब्लास्टर ने मैच के दौरान गिल की नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की कला की तारीफ की. उन्होंने कहा- वह (गिल) अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वह बहुत शांत और संयमित हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि बाकी 10 खिलाड़ी भी उनके द्वारा लिए गए किसी भी फैसले पर जिस तरह प्रतिक्रिया देते हैं, वह सोच-समझकर लिया गया फैसला होता है. उन्होंने आगे कहा- उनकी बल्लेबाजी भी इसमें योगदान दे रही है क्योंकि अगर कप्तान अच्छी फॉर्म में हो, तो फैसले लेने में काफी फर्क पड़ता है. अहम फैसले लेने के लिए आपको सही मानसिक स्थिति में होना जरूरी है. वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं.

भारत की नजर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर

मालूम हो कि, लीड्स टेस्ट में मिली हार का बदला लेते हुए भारत ने एजबेस्टन में इंग्लैंड को मात दी और सीरीज में 1-1 की बराबरी की. दूसरे मुकाबले में जीत के साथ कप्तान शुभमन गिल ने तमाम रिकॉड्र्स बनाए. वह पहले एशियाई कप्तान बन गए जिन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड की बादशाहत खत्म की. अब उनकी नजर लॉड्र्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट पर है.

इंग्लैंड दौरे पर चमके गिल

इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान गिल ने तीन शतकीय पारियों जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है, की मदद से 585 रन बना लिए हैं. वह फिलहाल इस सीरीज में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं और उनका औसत 146.25 का है. सचिन ने तकनीक में बदलाव के बारे में बात करते हुए कहा कि सीरीज में अब तक गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है. उन्होंने आगे कहा– 'एक विपक्षी टीम के तौर पर, आमतौर पर वे आपकी बल्लेबाजी में कमजोरियां ढूंढ़ने की कोशिश करते हैं. इस समय आपकी तकनीक कमाल की रही है. मैंने जो भी देखा है, वह खास रहा है. मुझे बहुत खुशी है कि पहले टेस्ट मैच की निराशा के बाद दूसरे टेस्ट मैच में हमने जिस तरह से सीरीज में वापसी की, वह कमाल की है.

विंबलडन 2025: वर्बीक और सिनियाकोवा ने रचा इतिहास, जीता मिक्स्ड डबल्स खिताब

एजेंसियां। लंदन

चेक गणराज्य की कैटेरीना सिनियाकोवा और नीदरलैंड्स के सेम वर्बीक ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार)को विंबलडन 2025 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम कर लिया. फाइनल मुकाबले में उन्होंने ब्रिटेन के जो सालिसबरी और ब्राज़ील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 7-6(3), 7-6(3) से हराया. सेंटर कोर्ट पर घरेलू खिलाड़ी सालिसबरी और उनकी जोड़ीदार स्टेफनी के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में चेक-डच जोड़ी ने संयम और आत्मविश्वास का परिचय दिया. दूसरे सेट में स्टेफनी को पैर में परेशानी भी नजर आई, जिसका असर उनकी मूवमेंट पर पड़ा.

जीत का आखिरी बिंदु कैटेरीना सिनियाकोवा के ओवरहेड स्मैश के साथ आया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने खिताबी जीत का जश्न मनाया. यह दोनों की एक साथ पहली खिताबी जीत है. जहां सिनियाकोवा का यह पहला मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब है, वहीं 31 वर्षीय वर्बीक के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है. खिताब जीतने के बाद 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने कहा, "यह बहुत खास है. इस टूर्नामेंट में खेलकर और जीतकर बहुत मज़ा आया. यह एक शानदार अनुभव था." गौरतलब है कि सिनियाकोवा के नाम अब कुल 11 ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब हो गए हैं, जिनमें इस साल जनवरी में टेलर टाउन्सेंड के साथ जीता गया ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला युगल खिताब भी शामिल है. अपने साथी की तारीफ करते हुए वर्बीक ने भावुक शब्दों में कहा, "कैटेरीना, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद. आपके साथ कोर्ट साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही. आप डबल्स की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं. आपने इस गुरुवार को मेरी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बना दिया." वहीं, जो सालिसबरी ने हार के बाद कहा, "फाइनल हारना हमेशा दुखद होता है, लेकिन उन्होंने शानदार खेल दिखाया. दोनों टाई-ब्रेकर में वे हमसे बेहतर साबित हुए. इस खिताब के साथ सिनियाकोवा और वर्बीक ने न केवल पहली बार मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता, बल्कि विंबलडन इतिहास में अपनी एक खास जगह भी बना ली.

फिडे महिला विश्व कप

हम्पी ने खामदमोवा को हराया हरिका भी तीसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसियां। बतूमी

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने उज्बेकिस्तान की अफरुजा खामदमोवा के खिलाफ आसान ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से मिनी-मैच जीतकर फिडे महिला विश्व कप के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है. वहीं, भारत की ही डी. हरिका ने अपनी साथी खिलाड़ी पी. वी. नंधिधा को हराकर अंतिम 32 में जगह बना ली. सफेद मोहरों से खेलते हुए हम्पी ने पूरी तरह नियंत्रण में खेल दिखाया और आगामी मुकाबलों के लिए ऊर्जा बचाते हुए ड्रॉ को स्वीकार किया. वहीं, हरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नंधिधा को हराया, जो कि जीत के लिए सब कुछ दांव पर लगा चुकी थीं. टूर्नामेंट में दो बार कांस्य पदक जीत चुकी हरिका ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए विरोधी के सफेद मोहरों को निष्क्रिय किया और अंततः जीत दर्ज की. नंधिधा, किरण मनीषा मोहंती के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं.

भारत की अन्य खिलाड़ियों का भी शानदार प्रदर्शन: आर. वैशाली ने कनाडा की ओयूलेट मैली-जेड को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. वहीं, दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया की केसारिया मगेलद्जे को 1.5-0.5 से हराकर भारतीय खेमे में और खुशियां जोड़ दीं.के. प्रियांका, जिन्होंने पहले दौर में सभी को चौंकाया था, ने पोलैंड की क्लाउडिया कुलोन के खिलाफ लगातार दो ड्रॉ खेलकर टाईब्रेक में जगह बना ली है.वहीं वंतिका अग्रवाल के लिए यह दिन थोड़ा निराशाजनक रहा. उन्होंने पहले मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन अन्ना उशेनिना (यूक्रेन) को हराया था, लेकिन दूसरे गेम में हारने के कारण मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया.

महत्वपूर्ण भारतीय परिणाम - दूसरा दौर

- कोनेरु हम्पी (भारत) ने अफरुजा खामदमोवा (उज्बेकिस्तान) को 1.5–0.5 से हराया
- डी. हरिका (भारत) ने पी. वी. नंधिधा (भारत) को 2–0 से हराया
- आर. वैशाली (भारत) ने ओयूलेट मैली–जेड (कनाडा) को 2–0 से हराया
- दिव्या देशमुख (भारत) ने केसारिया मगेलद्जे (जॉर्जिया) को 1.5–0.5 से हराया
- वंतिका अग्रवाल (भारत) बनाम अन्ना उशेनिना (यूक्रेन): स्कोर 1–1, मुकाबला टाईब्रेक में
- के. प्रियांका (भारत) बनाम क्लाउडिया कुलोन (पोलैंड): स्कोर 1–1, मुकाबला टाईब्रेक में
- पद्मिनी राऊत (भारत) बनाम अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड): स्कोर 1–1, मुकाबला टाईब्रेक में

यूएफा महिला यूरो 2025

स्विजरलैंड पहली बार क्वार्टरफाइनल में, नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराया

एजेंसियां। जिनेवा

स्विट्ज़रलैंड की रियोला झेमाइली ने गुरुवार को फिनलैंड के खिलाफ मुकाबले के अंतिम क्षणों में गोल कर टीम को 1-1 की रोमांचक बराबरी दिलाई और इसके साथ ही मेज़बान टीम ने पहली बार महिला यूरो 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया. इस ड्रा के चलते फिनलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया. ग्रुप ए में नॉर्वे के बाद स्विट्ज़रलैंड दूसरे स्थान पर रहा. उसे नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उसने नाटकीय अंदाज में हासिल किया. फिनलैंड के लिए नतालिया कुइक्का ने 79वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर बढ़त दिलाई. यह पेनल्टी तब मिली जब वियोला कैलिगारिस ने एम्मा कोइविस्टो को बॉक्स में गिरा दिया. 101वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं सेंटर-बैक कुइक्का ने आत्मविश्वास के साथ गेंद को गोलकीपर लिविया पेंग के विपरीत दिशा में भेजा. हालांकि, घरेलू दर्शकों के जबरदस्त समर्थन से उत्साहित स्विस टीम ने अंतिम पलों में आक्रामक खेल जारी रखा. 92वें मिनट में जेराल्डीन रयूटेलर का शॉट भले ही सही से नहीं लगा, लेकिन झेमाइली मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने गेंद को गोल में डालकर स्टेड डी जिनेवा का माहौल जश्न में बदल दिया.मैच में स्विट्ज़रलैंड ने कुल 15 शॉट्स लिए जबकि फिनलैंड सिर्फ 6 पर ही सिमट गया. अब क्वार्टरफाइनल में स्विट्ज़रलैंड का सामना ग्रुप बी की विजेता से होगा, जो फिलहाल विश्व चैंपियन स्पेन है.

गौपसेट की चमक, नॉर्वे की जीत: एक अन्य मुकाबले में नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराकर ग्रुप ए में लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया. यह मैच नॉर्वे की विंगर सिग्ने गौपसेट के नाम रहा, जिन्होंने दो गोल किए और दो गोल में सहायता दी. हालांकि पहले ही बाहर हो चुकी आइसलैंड की टीम ने शुरुआत में बढ़त बनाई. छठे मिनट में स्वेइंडिस जोन्सडोत्तिर ने गोल दागकर टूर्नामेंट में आइसलैंड का खाता खोला. लेकिन गौपसेट ने 15वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को गोल में बदलते हुए स्कोर बराबर किया, और फिर 26वें मिनट में शानदार लेफ्ट-फुटेड शॉट से बढ़त दिला दी.

जश्न | महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 76वां जन्मदिन मनाया

लिटिल मास्टर के कुछ ऐसे रिकॉड्र्स जिन्हें आप भूल गए होंगे

एजेंसियां। लाड्र्स

महान बल्लेबाजों में शुमार सुनील गावस्कर शुक्रवार को अपना 76वां जन्मदिन मनाया. गावस्कर ने भारत के लिए 16 वर्षों तक मुख्य बल्लेबाज की भूमिका निभाई. इस दौरान उन्होंने कई अहम और यादगार पारियां खेलीं. गावस्कर का नाम सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के महान क्रिकेटर्स की लिस्ट में शुमार है. गावस्कर ने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था. वेस्टइंडीज के खिलाफ इस चार मैचों की टेस्ट सीरीज में गावस्कर ने चार शतक जड़े थे. इनमें से एक 220 रन की पारी भी थी. वहीं, उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े. इस सीरीज से ही वह सुर्खियों में आ गए थे.

वेस्टइंडीज के खिलाफ गावस्कर के रिकॉर्ड: वेस्टइंडीज की टीम गावस्कर के समय सबसे खतरनाक टीम मानी जाती थी. उनकी इस उपलब्धि का मुख्य कारण उनके तेज गेंदबाज थे. उस समय वेस्टइंडीज की इतनी साख होने के बावजूद गावस्कर हमेशा ही उनके खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते थे. गावस्कर ने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पहली ही सीरीज में 774 रन जड़ दिए थे और टीम इंडिया की 1-0 से सीरीज (4 मैचों की) जीत में अहम भूमिका निभाई थी. 774 रन किसी भी डेब्यू सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं. यहां तक की गावस्कर के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक का भी रिकॉर्ड है.

टेस्ट मैचों में 10,000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी

गावस्कर वह पहले खिलाड़ी थे जिन्होंने टेस्ट फॉर्मेट में 10 हज़ार रन का आंकड़ा छुआ था. मार्च 1987 में उन्होंने यह कीर्तिमान हासिल किया था. गावस्कर ने वेस्टइंडीज की बॉलिंग लाइन अप जिसमें माइकल होल्डिंग, एंडी रॉबट्र्स, जोएल गार्नर, जेफ थॉम्पसन जैसे नाम शुमार थे, उनके खिलाफ खूब रन बनाए थे. गावस्कर ने संन्यास लेने से पहले टेस्ट में कुल 10,122 रन बनाए.

गावस्कर के नाम 34 टेस्ट शतक

टेस्ट में 10 हजार रन बनाने के अलावा गावस्कर ऐसे पहले खिलाड़ी भी थे जिन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाए थे. गावस्कर ने अपने करियर की 125 टेस्ट पारियों में 34 शश्तक लगाए थे. लंबे समय से यह रिकॉर्ड किसी भी खिलाड़ी से कोसों दूर रहा था, लेकिन साल 2005 में भारत क्रिकेट के एक और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया था. भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में गावस्कर, सचिन और द्रविड़ के बाद तीसरे स्थान पर हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम घोषित, राधा यादव होंगी कप्तान

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम की घोषणा कर दी है. यह बहु-प्रारूप दौरा 07 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय मुकाबले और एक चार दिवसीय मैच शामिल होगा. टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर राधा यादव को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान के रूप में मिन्नू मणि को चुना गया है. इस दौरे का उद्देश्य उभरते खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना और भविष्य की भारतीय टीम के लिए मजबूत विकल्प तैयार करना है.

दौरे का कार्यक्रम: ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारती टीम तीन टी20 मुकाबले 07 अगस्त से मैकाय (Mackay) में खेलेगी. इसके बाद टीम 50 ओवर के तीन मैच ब्रिसबेन के नॉर्थ्स ग्राउंड में खेलेगी. आखिर में चार दिवसीय मैच एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन में खेला जाएगा.

इंडिया 'ए' टी20 टीम

राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, डी. वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, श्रेयंका पाटिल*, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु.

इंडिया 'ए' वनडे व मल्टी-डे टीम

राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, तेजल हासाबनीस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा*, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गूजर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु.

ब्रीफ न्यूज

जयनगर में बीडीओ ने की आकांक्षी प्रखंड की समीक्षा बैठक

जयनगर। जयनगर प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को आकांक्षी प्रखंड के अंतर्गत एक अहम विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) गौतम कुमार ने की. बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे से जुड़े सूचकांकों की विस्तृत समीक्षा की गई. इन क्षेत्रों में सितंबर 2025 तक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तीन माह की कार्ययोजना तैयार की गई. बैठक में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता व निगरानी व्यवस्था पर विशेष चर्चा हुई. बीडीओ ने शिक्षा विभाग को इस दिशा में त्वरित सुधार करने के निर्देश दिए. स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे परिवार नियोजन पखवाड़ा की भी समीक्षा की गई.

बच्चों की आशाओं को मिल रहा नया आसमान

केरेडारी। केरेडारी कोयला खनन परियोजना जहां एक ओर सतत विकास की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा और सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल कर रही है — "उज्ज्वल भविष्य". इस योजना की शुरुआत 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर की गई, जो शिक्षा, मार्गदर्शन और मूल्यों के प्रतीक के रूप में चुनी गई तिथि है. यह पहल परियोजना प्रमुख श्री के. चंद्रशेखर की दूरदृष्टि और करुणा का प्रमाण है, जो समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हैं. "उज्ज्वल भविष्य" का उद्देश्य उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बसरिया के छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जो परियोजना से प्रभावित परिवारों से आते हैं.

'ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया' अभियान के तहत पौधरोपण

कोडरमा। सुभाष चौक पर ₹ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया₹ अभियान के तहत शुक्रवार को एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में कोडरमा के उपायुक्त श्री ऋतुराज, उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, नगर प्रशासक अंकित गुप्ता तथा कई सामाजिक संगठनों के सम्मानित सदस्य उपस्थित थे. सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया और शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया. इसी अभियान के तहत झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 और 12 में वस्त्र दान कैंप का आयोजन भी किया गया.

चितरपुर में भारी बारिश से दो किसानों के घर ढहे

रामगढ़। चितरपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत शिवालय रोड पर लगातार हो रही तेज बारिश के कारण दो गरीब किसानों, अनिल महतो और नांदो महतो के घर ढह गए. बारिश के चलते घरों की दीवारें कमजोर हो गई थीं और अचानक भरभराने की आवाज के साथ दोनों घर गिर पड़े. हादसे के वक्त नांदो महतो का पूरा परिवार घर के दूसरे कमरे में सोया हुआ था. आवाज सुनते ही सभी बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया. घर गिरने के बाद दोनों किसान परिवारों को एक ही कमरे में रहने को मजबूर होना पड़ा है. खेती और सब्जी बेचकर जीवन यापन करने वाले ये किसान पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, ऐसे में नया मकान बनवा पाना उनके लिए संभव नहीं है. प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई मदद नहीं मिली है.

फाइलेरिया उन्मूलन: 10 से 25 अगस्त तक चलेगा एमडीए-आईडीए अभियान

स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां प्रारंभ कर दीं

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) और इंटेंसिफाइड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (आईडीए) अभियान संचालित किया जाएगा. यह अभियान जिला स्वास्थ्य समिति, हजारीबाग के सिविल सर्जन-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है. इसका मुख्य उद्देश्य फाइलेरिया की रोकथाम के लिए जनसामान्य को दवा सेवन हेतु प्रेरित करना है. राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने अभियान की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं. जिले में जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है. अभियान के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों, वार्ड कार्यालयों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों में दवाएं खिलाई जाएंगी. जो व्यक्ति पहले दिन दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

अभियान को सफल बनाने के लिए कई योजनाबद्ध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा. इसमें ग्राम प्रधान, मुखिया, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया, स्वास्थ्य प्रतिनिधि, शिक्षक, युवाओं के समूह एवं जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. स्कूली बच्चों के बीच फाइलेरिया विषयक क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी, साथ ही दवा सेवन के लिए संकल्प भी लिया जाएगा. इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक घर तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाएगी. साप्ताहिक बाजारों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को दवा सेवन के लिए जागरूक किया जाएगा. मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थलों पर धर्मगुरुओं के माध्यम से संदेश प्रसारित कर लोगों को दवा लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा. सूचना, शिक्षा और संचार एवं व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियों के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पर्यवेक्षकों, स्वास्थ्य विभाग की टीमों जैसे एमटीएस, एसआई, एमपीडब्ल्यू की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है. यह अभियान जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है.

रेलवे कैडर कोर कमेटी की बैठक में बोले एआईआरएफ सदस्य

कैडर पुनर्गठन को 1 नवंबर 2023 से प्रभावी किया जाए

शुभम संदेश। रामगढ़

रेलवे कैडर रिस्ट्रक्चरिंग को लेकर आयोजित कोर कमेटी की एक अहम बैठक हाल ही में दिल्ली के रेल भवन में संपन्न हुई. इस बैठक में रेलवे बोर्ड और ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) के प्रतिनिधियों के बीच व्यापक चर्चा हुई. बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक संचालन (ईडीपीसी) ने की. एआईआरएफ की ओर से महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा, वर्किंग प्रेसिडेंट कॉमरेड जेआर भोसले और सहायक महामंत्री कॉमरेड एसके त्यागी शामिल हुए. बैठक के बाद एआईआरएफ की ओर से सभी जोनल यूनियनों के महामंत्रियों को चर्चा की संक्षिप्त जानकारी पत्र के माध्यम से साझा की गई. इस संबंध में ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री और एआईआरएफ वर्किंग कमेटी के सदस्य मो. ज़्याऊद्दीन ने बताया कि लंबे अंतराल के बाद हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में फेडरेशन ने रेलवे कर्मचारियों की कई प्रमुख मांगों को सामने रखा.

उन्होंने बताया कि एआईआरएफ ने जोर दिया कि कैडर पुनर्गठन को 1 नवंबर 2023 से प्रभावी किया जाए. ट्रैक मेंटेनर श्रेणी के लेवल-4 पदों को लेवल-5 में मर्ज करने की मांग उठाई गई. इसके साथ ही लेवल-4 की पदसंख्या में वृद्धि और लेवल-6 पदों का एक निर्धारित प्रतिशत में समावेश करने का भी सुझाव दिया गया. तकनीशियन श्रेणी के लिए भी लेवल-4 को लेवल-5 में विलीन करने तथा वरिष्ठ तकनीशियनों को लेवल-7 दिए जाने की मांग रखी गई, जिससे कर्मचारियों के करियर में ठहराव की स्थिति दूर की जा सके. ट्रेन्स क्लर्क को लेवल-6 का ग्रेड देने की मांग की गई ताकि मंत्रालयिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के बीच समानता स्थापित हो सके. फार्मासिस्ट कैडर में प्रारंभिक ग्रेड को सीधे लेवल-6 से शुरू करने की सिफारिश की गई और लेवल-5 को समाप्त करने की मांग की गई. लोको रनिंग स्टाफ में मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों के लोको पायलट्स को लेवल-7 और लेवल-8 ग्रेड दिए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया. ट्रेन मैनेजर कैडर में लेवल-6 को भर्ती ग्रेड माना जाए तथा लेवल-7 और उससे ऊपर के ग्रेड्स को एक निश्चित प्रतिशत में उच्चतर स्तर पर प्रमोशन के रूप में देने की बात कही गई.

बैठक में उठाए गए विषयों पर चर्चा करते हुए एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ.पी. शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों के आर्थिक उन्नयन और पदोन्नति से जुड़ी मांगों पर गंभीरता से विचार किया गया है. सरकारी पक्ष ने आश्वस्त किया है कि फेडरेशन द्वारा प्रस्तुत सुझावों की विस्तार से समीक्षा कर एक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिसे मंत्रालय को भेजा जाएगा ताकि उस पर अंतिम सहमति बनाई जा सके. ओपी शर्मा ने यह भी कहा कि एआईआरएफ/ईसीआरकेयू एकमात्र ऐसा संगठन है जो राष्ट्रीय स्तर पर रेलवे कर्मचारियों के हितों की रक्षा करता है और बोर्ड स्तर पर जाकर तर्कसंगत रूप से उनकी मांगों को सामने रखता है.

चौपारण प्रखंड में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

चौपारण। चौपारण प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता वरीय पदाधिकारी व अंचल उप समाहर्ता अजय भगत बरही ने की. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर, अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव, स्वास्थ्य विभाग के नोडल प्रतिनिधि डॉ. पंकज कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे. अजय भगत ने पहली बार प्रखंड में आयोजित इस बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है. विशेष रूप से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, नाली, सड़क एवं पेयजल से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई. इसके साथ ही शिकायत निवारण तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए गए. अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव ने बताया कि डीसी एलआर सर को प्रखंड के वरीय पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, प्रत्येक मंगलवार को डीसी एलआर की अध्यक्षता में प्रखंड में जनता की फरियाद सुनने और विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी.

सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल में दोनों वर्गों में पहुंचा हजारीबाग

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ। खेलो झारखंड के अंतर्गत सिदो-कान्हू जिला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय प्रमंडल स्तरीय 64वें सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन हजारीबाग जिले का दबदबा देखने को मिला. अंडर-17 बालक और बालिका दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग की टीमें फाइनल में पहुंच गईं. अंडर-17 बालिका वर्ग में हजारीबाग की टीम ने मेज़बान रामगढ़ को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया, वहीं बालक वर्ग में रामगढ़ को 3-0 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया. अंडर-15 बालक वर्ग में भी हजारीबाग ने एकतरफा मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की. प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम और कार्यपालक दंडाधिकारी रीना कुजूर ने किया. आयोजकों ने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया. कुमारी नीलम ने खेलों को मानसिक और शारीरिक विकास के लिए जरूरी बताया और छात्रों से शिक्षा के साथ खेलों में भी सहभागिता की अपील की. कार्यपालक दंडाधिकारी रीना कुजूर ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने कहा कि रामगढ़ में प्रतियोगिता का आयोजन गौरव की बात है और भविष्य में राज्य स्तरीय आयोजन की संभावना जताई. कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग और शारीरिक शिक्षा शिक्षक उपस्थित रहे.

डोमचांच में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

डोमचांच (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मसनोडीह में गुरुवार की देर संध्या एक 20 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है. मृतक की पहचान धीरेंद्र कुमार सिंह, मसनोडीह निवासी के रूप मे की गई है. इसे लेकर मृतक के भाई ने बताया कि 10 जुलाई की संध्या हम सब घर निर्माण कार्य के लिए छत पर ईंट बालू साफ कर रहे थे और मेरा छोटा भाई धीरेंद्र कुमार सिंह जो मुंबई में प्राइवेट काम करता था, जब से घर पर आया तब से टेंशन में रहता था.वह अपना कमरा में दरवाजा बंद करके सो रहा था. जब हमलोग ऊपर से कम निपटाकर नीचे आए तो दरवाजा खुलवाने की कोशिश किया तो दरवाजा नहीं खोला. हल्ला करने के बाद अगल-बगल के लोगों ने छोटा खिड़की से देखा तो पंखे से मेरा भाई साड़ी के किनारे से फंदा बनाकर लटका हुआ था.इसके बाद हम लोग कच्चा दीवार तोड़कर अंदर घुसकर दरवाजा खोले और सभी लोग मिलकर पंखे से नीचे उतारा.फिर उसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल कोडरमा ले गए.

रांची-भागलपुर स्पेशल ट्रेन का हजारीबाग में हुआ ठहराव

शुभम संदेश। हज़ारीबाग

श्रावणी मेले के पावन अवसर पर हज़ारीबाग वासियों को एक विशेष सौगात मिली है. दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा रांची और भागलपुर के बीच शुरू की गई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (08646/08645) का अब हज़ारीबाग टाउन स्टेशन पर भी ठहराव सुनिश्चित किया गया है. इस सुविधा से देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी. इस स्पेशल ट्रेन का संचालन 10 जुलाई से 11 अगस्त तक किया जाएगा और यह प्रत्येक दिशा में कुल 14 फेरे लगाएगी. ट्रेन संख्या 08646 (रांची से भागलपुर) हर रविवार, मंगलवार और गुरुवार को चलेगी, जो सुबह 2:40 बजे हज़ारीबाग टाउन स्टेशन पहुंचेगी और 2:45 बजे रवाना होगी. वहीं ट्रेन संख्या 08645 (भागलपुर से रांची) हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलेगी, जो रात 10:25 बजे हज़ारीबाग टाउन पहुंचेगी और 10:30 बजे रवाना होगी.

इस विशेष सेवा का शुभारंभ 10 जुलाई की रात 2:40 बजे हज़ारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया. इस मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, उप प्रमुख विमल गुप्ता, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, श्रद्धालु व रेलवे कर्मचारी मौजूद थे. विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री को आभार जताया.

शिविर | **जिला प्रशासन ने किया एकदिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन**

वंचित वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना है प्राथमिकता

शुभम संदेश। कोडरमा

जिला प्रशासन कोडरमा और इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शुक्रवार को सीएच प्लस टू हाईस्कूल, झुमरी तिलैया मैदान में किया गया. इस शिविर का शुभारंभ उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह और इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन की प्रबंधक प्रो. रोहिणी वी. चौगुले ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर व फीता काट कर किया. शिविर के उद्घाटन सत्र में इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रबंधक ने बताया कि संस्था 1991 से देश के दूर-दराज क्षेत्रों में रेल के माध्यम से मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है. उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन लोगों के लिए है, जो सामान्य चिकित्सा सेवाओं तक नहीं पहुंच पाते.

मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋतुराज ने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता जरूरतमंद और वंचित वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना है. इस शिविर के माध्यम से सामान्य रोगों की जांच, नेत्र जांच, महिला स्वास्थ्य परामर्श, दवा वितरण और प्राथमिक उपचार जैसी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं. शिविर में नेत्र जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन, कान की जांच व सर्जरी, कटे होंठ की सर्जरी जैसी विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं. शिविर में बड़ी संख्या में विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा मिल सके. जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने इस पहल को सराहनीय बताया और कहा कि इससे जिले के आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा. अतिथियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न काउंटर जैसे टोकन/रजिस्ट्रेशन, वेटिंग एरिया, ओपीडी आदि का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए. शिविर के पहले दिन जिले के विभिन्न प्रखंडों से भारी संख्या में लोग पहुंचे. नेत्र जांच, बीपी, शुगर, स्तन व ग्रीवा कैंसर जागरूकता प्रशिक्षण जैसी सेवाएं दी गईं. जरूरतमंदों को दवाएं और आंखों की समस्या वाले मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी प्रदान किया गया. अंत में इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनता की भागीदारी के लिए आभार जताया. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे.

12 महिलाओं ने कराया बंध्याकरण पंजीकरण

जयनगर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जयनगर प्रखंड में परिवार कल्याण पखवाड़ा दिवस की शुरुआत की गई. यह पखवाड़ा 11 जुलाई से 11 अगस्त तक चलाया जाएगा, जिसके तहत प्रखंड के सभी गांवों में परिवार कल्याण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इन कार्यक्रमों में पुरुष नसबंदी, महिला बंध्याकरण, तथा परिवार नियोजन सामग्री का वितरण शामिल है. पखवाड़ा दिवस का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. गोस्वामी विश्वकर्मा एवं शैलेन्द्र तिवारी ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर डॉक्टर दिवाकर यादव, नर्सिंग स्टाफ जूलिया इक्का, मोना कुमारी, गौतम भारद्वाज एवं नीलोफा डेडल सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने महिलाओं को परिवार नियोजन के लाभ तथा स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के बारे में जानकारी दी.

एक नजर

प्रशासन ने जेसीबी लगाकर बरईकलां में जलनिकासी कराई

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के बरईकलां पंचायत अंतर्गत बरईखुर्द चांदनी चौक में जलजमाव की शिकायत पर शुक्रवार को प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेसीबी से जल की निकासी कराई. पार्वती देवी द्वारा अपने घर में बारिश के पानी के भराव की शिकायत कसमार अंचल कार्यालय में की गई थी. शिकायत के आधार पर कसमार अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार, थाना प्रभारी भजन लाल महतो, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्रवाई की गई. जलनिकासी के लिए दो लोहे के पाइप भी डाले गए ताकि भविष्य में जलजमाव की पुनरावृत्ति न हो. लगातार तेज बारिश के कारण पार्वती देवी और भागीरथ महतो का घर पूरी तरह से जलमग्न हो गया था. घर में घुटने भर पानी भर जाने से परिवार बेहद परेशान था और पिछले दो दिनों से चूल्हा तक नहीं जल पाया था. घर में रखा अनाज, फर्नीचर, बिस्तर और अन्य सामान पानी में डूबकर खराब हो गया था. जलभराव से मकान की नींव भी कमजोर हो गई थी, जिससे दीवारों में दरारें पड़ गई थीं. स्थानीय प्रशासन की त्वरित पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है.

जनसंख्या दिवस पर हाई स्कूल में कार्यक्रम

कसमार (बोकारो)। कसमार स्थित पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय में शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान नोडल शिक्षक महाकांत झा ने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं बढ़ती जनसंख्या से होने वाले खतरे से सभी को अवगत कराया. इसके बाद विभिन्न हाउस के बीच निबंध, स्लोगन, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. क्विज का संचालन डॉ जितेंद्र सिंह एवं निर्णायक मंडली में निलिमा बान सिंह, सीमा ठाकुर, सुमन कुमारी, सुजाता कुमारी ने किया. इस दौरान विद्यालय के वरीय शिक्षक डॉ रंजीत कुमार झा ने विश्व जनसंख्या के आंकड़ों एवं इसके दुष्परिणाम से सभी को अवगत कराया. विद्यालय प्राचार्य फारुक अंसारी ने बढ़ती जनसंख्या से होनेवाले पर्यावरण असंतुलन की विस्तृत जानकारी दी. धन्यवाद ज्ञापन निलिमा बान सिंह ने किया. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया.

सड़क दुर्घटना मामले में सुनील राम बाइज्जत बरी

बोकारो। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी सृष्टि कुमारी की अदालत ने जीआर केस नंबर 955/21 में आरोपी सुनील राम को बाइज्जत बरी कर दिया. यह मामला हरला थाना कांड संख्या 70/21 से संबंधित था, जिसमें सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी. अभियोजन पक्ष ने सुनील राम पर वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाने का आरोप लगाया था. मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रणजीत गिरि ने प्रभावी ढंग से पैरवी की. उन्होंने कोर्ट के समक्ष ठोस तर्क और साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके आधार पर अदालत ने सुनील राम को निर्दोष पाते हुए बाइज्जत बरी करने का फैसला सुनाया. बचाव पक्ष के अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि कोर्ट का यह निर्णय निष्पक्षता और साक्ष्यों के आधार पर लिया गया है, जो न्याय व्यवस्था में विश्वास को मजबूत करता है.

सीसीआई के कांवरिया सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन

गिरिडीह। सावन के पावन माह को देखते हुए चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज गिरिडीह ने कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन किया है. गिरिडीह कॉलेज रोड में एक माह तक संचालित होने वाले इस शिविर का उद्घाटन सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने फीता काटकर किया. उद्घाटन के बाद इस पथ से बाबा धाम आने जाने वाले कांवरियों के बीच पानी, बिस्किट, जूस, चाय आदि का वितरण किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि एसडीपीओ श्री उरांव ने कहा कि कांवरिया सेवा शिविर लगाना पुण्य का कार्य है. मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम महतो ने भी इस आयोजन की सराहना की. अध्यक्ष राहुल वर्मन, कार्यक्रम संयोजक व सीसीआई के संरक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि यह शिविर पूरे सावन माह संचालित होगा. गुजरने वाले कांवरियों के बीच चाय-बिस्किट-पानी के साथ फर्स्ट एड की भी व्यवस्था रहेगी. उद्घाटन के बाद सैकड़ो कांवरिया के बीच चाय, बिस्किट, पानी, जूस आदि का वितरण किया गया. मौके पर बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह, सीसीआई के संरक्षक संजय सिंह, सचिव गोपाल दास भदानी, कोषाध्यक्ष डॉ सुमन कुमार, अरुण कुमार साव, राजेश गुप्ता, अनारनाथ मंडल, सौरभ महासेठ, मशरुर आलम सिद्दिक्की, धर्म प्रकाश, उदय भदानी, अजय गुप्ता, सुबोदीप चटर्जी, मुकेश आनंद हबलु गुप्ता समेत कई सदस्य उपस्थित थे.

डुमरी प्रेस क्लब ने लगाया कांवरिया सेवा शिविर

डुमरी(गिरिडीह)। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रेस क्लब डुमरी द्वारा प्रेस क्लब प्रांगण में श्रावणी मेला के अवसर पर निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर की शुरूआत की गयी. उद्घाटन गुरूवार को सीओ शशिभूषण वर्मा, इंस्पेक्टर राजेन्द्र प्रसाद, जिप सदस्या सुनीता कुमारी, बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, भाजपा नेता जिवाधन महतो, आजसू नेता छक्कन महतो, सामाजिक कार्यकर्ता डीके पहाड़िया, झामुमो नेता राजकुमार पांडेय, विहिप जिला अध्यक्ष रामकिशोर शरण आदि ने संयुक्त रूप से फीता काट कर एवं नारियल फोड़ कर किया.मौके पर यशोदा देवी, अजीत कुमार, सुरेन्द्र कुमार, पंकज कुमार झा, गंगाधर महतो, बिरेन्द्र पांडेय, गुड्डु मलिक, मानिकचंद महतो, शिबू स्वर्णकार, कमलेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे. शिविर में भोजन एवं ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था है. नौ वर्षों से शिविर लगाया जा रहा है. इस दौरान पत्रकार मनोज सिंह,शशि जायसवाल, बिरेन्द्र कुमार सिन्हा, आशीष जायसवाल, नंदन सिन्हा, रवि सिन्हा, मुकेश कुमार, कामाख्या नारायण, रवीन्द्र कुमार, घनश्याम सिंह, सूरज मंडल आदि सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे.

पेज-3 का शेष

कोयला हेराफेरी के संदेह में चार हाइवा....

सीओ एवं पुलिस पहुंची तथा संदेह के आधार पर चारों वाहनों को जप्त कर थाना ले गई.

लोडिंग कहीं से, कांटा कहीं और लोडिंग पॉइंट कुछ और : लगभग 10 घंटे बाद ट्रांसपोर्टर का एक स्टाफ आया, सीओ रमेश रविदास को गाड़ी के कागजात दिया. लोड गाड़ी के कोयले के चालान में कारो ओसीपी से कोयला लोडिंग दिखाया गया है जबकि कांटा पारबाद पथरडीह में हुआ है. वहीं हाइवा में लगे जीपीआरएस सिस्टम में उसे कुइयां कोलियरी बस्ताकोला से लोड होकर निकलते दिखाया गया है. कागजात देखने के बाद सीओ एवं पुलिस को संदेह हुआ तथा उन लोगों ने वाहनों को जप्त कर निरसा थाना ले आई है. वहीँ मामले की सूचना पाकर खनन विभाग के इंस्पेक्टर बसंत उरांव भी मामले की जांच को पहुंचे हैं. इस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा नेता मधुरेंद्र गोस्वामी ने आरोप लगाया कि एमपीएल के कोल लॉजिस्टिक विभाग के बड़े अधिकारियों एवं ट्रांसपोर्टर की मिलीभगत से कोयल का हेरा फेरी का गोरख धंधा काफी दिनों से चल रहा है. इस सप्ताह ही लगभग इसी प्रकार से पांच हाइवा से कोयला एमपीएल में अनलोड हो चुका है.सीओ रमेश रविदास ने कहा कि मामले की जानकारी होने के बाद वाहनों को जब्त कर निरसा थाना ले आया गया है. ट्रांसपोर्टर से कागजातों की मांग की गई है. कागजातों के जांचोंपरांत अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी. खनन विभाग के इंस्पेक्टर बसंत उरांव ने कहा कि कागजातों के जांच के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी.

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार....

सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को सूचित किया गया और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, निरसा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर कलियासोल-पतलाबाड़ी मुख्य मार्ग पर वाहन जांच अभियान शुरू किया गया. जांच के दौरान पुलिस को दो संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए. रोकने पर दोनों भागने लगे. पीछा कर पुलिस ने एक युवक को बाइक सहित पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया. गिरफ्तार युवक की पहचान विजय महतो उर्फ हरिबोल महतो (सावलापुर, पाथरडीह) के रूप में हुई. उसके पास से एक चोरी की पैशन प्रो बाइक बरामद हुई. फरार युवक उमेश महतो (परसबनिया निवासी) की बाइक स्प्लेंडर को जब्त कर लिया गया.

विजय की निशानदेही पर दो अन्य अभियुक्त बिट्टू महतो उर्फ विकास महतो (बेनागड़िया, चिरकुंडा) और रॉकी यादव (भालुकसुंडा, गोपीनाथपुर) को भी गिरफ्तार किया गया. पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह के भंडाफोड़ से अन्य चोरी के मामलों का भी जल्द खुलासा होगा.

न्यूज अपडेट

आईपी यूनिवर्सिटी और सीईएमसीए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ

नई दिल्ली । गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया के बीच शुक्रवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया. इस साझेदारी को सीईएमसीएआईपीयू नाम दिया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समावेशिता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है. यह एमओयू सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बशीर अहमद शद्रच और जीजीएसआईपीयू के रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया. समारोह के दौरान, कुलपति प्रो. महेश वर्मा ने इस समझौते को शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में अहम कदम बताया.

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर को लेकर बलरामपुर पहुंची एटीएस

बलरामपुर । अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर यूपी एटीएस शुक्रवार को उसके गांव मधुपुर स्थित कोठी पर पहुंची. यहां 40 मिनट रुकने के बाद बाबा छांगुर को लेकर टीम वापस लखनऊ को लौट गई. इस दौरान बाबा के कोठी के आसपास एटीएस के कमांडो तैनात रहे. दरअसल, अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नसरीन उर्फ नीतू इस समय पुलिस रिमांड पर हैं. दोनों से धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग को लेकर पूछताछ चल रही है. साक्ष्यों को इकट्ठा करने के उद्देश्य से एटीएस की टीम छांगुर बाबा को लेकर यहां मधुपुर में स्थित उसकी कोठी पर पहुंची. इस दौरान मीडिया को दूर रखा गया और छानबीन के समय पूरी कोठी को एटीएस कमांडों ने घेरा बना रहा.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने टी राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार किया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के गोशामहल विधानसभा से तीन बार के विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा मंजूर कर लिया है. शुक्रवार को भाजपा महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार टी. राजा सिंह ने इस्तीफे के साथ जो बातें लिखी थीं, उसे अप्रासंगिक बताते हुए इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार लिया गया है. उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के गोशामहल से चर्चित विधायक टी राजा सिंह ने एन रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के विरोध में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में पार्टी नेतृत्व पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और गलत नेतृत्व चयन का आरोप लगाया था.

वडोदरा-आणंद के बीच गंभीरा ब्रिज दुर्घटना में मृतकों की संख्या 21 हुई

गांधीनगर । वडोदरा और आणंद के बीच गंभीरा पुल हादसे के बाद तीसरे दिन के रेस्क्यू अभियान में तीन ट्रक और एक बाइक को नदी से बाहर निकाला गया. हादसे में घायलों में से दो और लोगों की अस्पताल में मौत के बाद मरने वालों की संख्या 21 हो गई है. इसी बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घटनास्थल का दौरा किया और बाद में अस्पताल में घायलों से मिले और उनका हाल जाना. वडोदरा और आणंद के बीच नदी पर बना गंभीरा पुल 9 जुलाई को अचानक ढह गया था, जिससे कई वाहन नदी में गिर गए थे. हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग लापता हो गए थे. दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया.

आतंकी फंडिंग मामले में एसआईए ने जम्मू-कश्मीर में की छापेमारी

श्रीनगर । राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकी वित्तपोषण से जुड़े एक मामले में जम्मू, डोडा और हंदवाड़ा में तीन ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया. इन तलाशियों के दौरान महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले गुप्त वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है. एक अधिकारी के अनुसार इन तलाशियों का उद्देश्य क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से सीमा पार से फंडिंग से जुड़ी एक जटिल साजिश का पर्दाफाश करने के लिए महत्वपूर्ण सबूत जुटाना था, जिसका जम्मू-कश्मीर में शांति भंग होने की आशंका है. तलाशी अभियान का लक्ष्य उन व्यक्तियों की पहचान करना था, जो युवाओं को भारत के खिलाफ भड़का रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है.

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की क्षेत्रीय बैठक आज केवड़िया में

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की क्षेत्रीय बैठक शनिवार को केवड़िया में होगी. बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के विभागों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे. क्षेत्रीय बैठक की केन्द्र-राज्य के बीच रचनात्मक संवाद और तालमेल के लिए एक मंच के रूप में कल्पना की गई है, जिसमें मंत्रालय की प्रमुख योजनाएं लागू करने को मजबूती प्रदान करने पर मुख्य रूप से चर्चा होगी. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक बैठक में पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल उपकरणों का एकीकरण का उपयोग और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी-सक्षम को बढ़ाने की रणनीतियों जैसे पहलुओं पर चर्चा होगी.

छत्तीसगढ़ : 37 लाख से ज्यादा के 22 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

- पुलिस ने इनमें से 20 नक्सलियों के नाम सार्वजनिक किए हैं.

एजेंसी । नारायणपुर /रायपुर

नारायणपुर में शुक्रवार को कुल 22 इनामी नक्सलियों ने आईटीबीपी और बीएसएफ के अधिकारियों, एएसपी प्रभात कुमार और नारायणपुर के आला अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है. आत्मसमर्पित नक्सलियों में कुल 37 लाख 50 हजार रुपये के इनामी नक्सली शामिल हैं. इनमें 14 पुरुष और 8 महिला नक्सली शामिल हैं. एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि इनमें से अधिकांश नक्सली कुतुल एरिया कमेटी के तहत कार्य करते थे और वे अबूझमाड़ में सबसे ज्यादा सक्रिय थे. पुलिस ने इनमें से 20 नक्सलियों के नाम उजागर किया है. पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया ने पत्रकारों को आत्मसमर्पित नक्सलियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें सबसे प्रमुख कुतुल एरिया कमेटी का सचिव और उसकी पत्नी है. आठ लाख रुपये का इनामी कुतुल एरिया कमेटी सचिव सुखलाल कुंजाम और उसकी पत्नी हिड़मे कुंजाम ने हथियार डालकर लाल आतंक से किनारा कर लिया है. हिड़मे कुंजाम पर 5 लाख रुपये का इनाम है. सुखलाल कुंजाम, कुतुल एरिया कमेटी सचिव था. वह बीते पिछले 14 वर्षों से सक्रिय रहा है. इरकभट्टी कैंप पर ग्रेनेड हमला सहित कई घटनाओं में सुखलाल कुंजाम शामिल रहा , जबकि उसकी पत्नी माड़ डिवीजन की सप्लाई टीम एसीएम की सदस्य थी. इस आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि लोग अब बंदूक नहीं, विकास की राह पर साथ चलना चाहते हैं. हमारी सरकार में अब तक कुल 1476 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं.

नारायणपुर एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है. उससे जुड़े चेक प्रदान किए गए हैं. इसके अलावा उन्हें नक्सल पुनर्वास नीति के तहत अन्य सुविधाएं दी जाएंगी.

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने बताया कि अबूझमाड़ में लगातार हो रही पुलिस कैंपों की स्थापना और विकास कार्यों की शुरुआत से संगठन कमजोर हुआ है. इसके साथ ही प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे पुनर्वास योजनाओं और जनजागरण अभियानों ने भी उन्हें मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है.

पाक में बस से नौ यात्रियों को उतारकर ले गए आतंकी, बाद में गोलियों से भूना

बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (हि.स.). पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में गुरुवार रात हथियारबंद आंतवादियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों में सवार कम से कम नौ यात्रियों का अपहरण कर उनकी गोलीमार कर हत्या कर दी. वारदात के कुछ समय बाद इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली. डॉन अखबार की खबर के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि दो बसों से अगवा किए गए नौ लोगों की हत्या कर दी गई है. उनके शव बरामद कर लिए गए हैं. शवों को पंजाब में उनके पैतृक शहरों में भेजने के लिए राखनी ले जाया जा रहा है. बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन ने तीन काकट, मस्तुंग और सुर-दकई पर हमले किए हैं. सुर-दकई इलाके में कुछ यात्रियों को अगवा किया गया है. सुरक्षा बलों ने बाकी अपहृत यात्रियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है.

बताया गया है कि पंजाब जा रही दो बसों को एन-70 राजमार्ग के पास सुर-दकई इलाके में जाम लगाकर रोका गया. इसके बाद हथियारबंद यह लोग बसों में चढ़ गए. यात्रियों के पहचान पत्र जांचे. इनमें 10 को बंदूक के दम पर बसों से उतारकर अपने साथ ले गए. एक बस यात्री ने बताया कि कुछ देरबाद गोलियों की आवाज सुनाई पड़ी. अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने सारे राजमार्ग पर जगह-जगह नाकाबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी है. प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है. समूह के प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकों ने मुसाखाइल-मख्तार और खजूरी के बीच राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद नौ व्यक्तियों की हत्या कर दी.

जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने यात्रियों की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की है. बुगती ने कहा कि हमलावरों ने जानबूझकर निर्दोष नागरिकों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया. बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपनी कायरता और पाशविक प्रवृत्ति का परिचय दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्री बसों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है और एन-70 पर रात को यात्रा प्रतिबंधित है. हालांकि, एक बस सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शाम के समय एन-70 मार्ग से रवाना हुई. सरकार जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था की किन खामियों के कारण यह वारदात हुई. उन्होंने यह पुष्टि की कि एक सामान्य आतंकवादी धमकी पहले मिली थी. इसके बाद कलात और मस्तुंग में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. एक दिन पहले ही यात्री ट्रेनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है. जिस इलाके में यह घटना हुई, वहां कोई खतरा नहीं था.

रूस का कीव पर हवाई हमला दो लोगों की मौत, 22 घायल

एजेंसी । कीव

रूस ने नौ जुलाई की शाम छह बजे से दस जुलाई की पूरी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ हवाई हमला कर आधारभूत संरचना को भारी क्षति पहुंचाई है. इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए. यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'यूक्रिनफॉर्म' ने शुक्रवार सुबह यह खबर प्रसारित की है. खबर के अनुसार, रूस ने खासतौर पर कीव को निशाना बनाया. उसने ब्रांस्क, प्रिमोर्स्को-अख्तरस्क, कुर्स्क, ओर्योल और मिलरोवो से 397 यूएवी (शाहेड ड्रोन) से हवाई हमला किया. ब्रांस्क क्षेत्र से आठ इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं. इसके अलावा सारातोव क्षेत्र के ऊपर रूसी हवाई क्षेत्र से छह केएच-101 क्रूज मिसाइलें और कुर्स्क क्षेत्र से चार एस-300 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं. 'यूक्रिनफॉर्म' ने दावा किया कि यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने 178 रूसी हवाई खतरों को निष्क्रिय कर दिया. रूस ने कुल 415 प्रेक्षपास्त्र दागे. रूस के हवाई हमले का जवाब यूक्रेनी विमानन, वायु रक्षा मिसाइल बलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) इकाइयों, ड्रोन रक्षा प्रणालियों और यूक्रेनी रक्षा बलों के मोबाइल फायर समूहों ने दिया. कीव पर रूसी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है. इसके अलावा दो लोगों की जान चली गई. 10 जुलाई की रात कीव पर हुए रूसी हवाई हमले में कीव मेट्रो पुलिस के एक 22 वर्षीय पुलिस कॉर्पोरल की मौत हो गई. मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि पोडिल्स्की जिले में रूसी हमले में प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वच्छता सहायता केंद्र संख्या 1 का बाह्य रोगी क्लीनिक नष्ट हो गया. इसके अलावा यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी की कीव के होलोसिव्स्की जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस बीच यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने एक विशेष बैठक में सैन्य चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की है. सिर्स्की ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्रीय चिकित्सा में सुधार, विशेष रूप से युद्ध के मैदान के अग्रिम मोर्चे से चिकित्सा निकासी शामिल है.

पूर्व पीएम शेख हसीना के करीबी अबुल बरकत को किया गिरफ्तार

- बरकत की गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है.
- ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11 :30 बजे धनमंडी–2 से बरकत को हिरासत में लिया.

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक और करीबी पर अंतरिम सरकार ने शिकंजा कसा है. देश के प्रमुख अर्थशास्त्री और जनता बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अबुल बरकत को गुरुवार देररात ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. उनकी गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है. ढाका ट्रिब्यून अखबार की शुक्रवार सुबह प्रसारित खबर के अनुसार, संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11:30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया. भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने 20 फरवरी को बरकत और 22 अन्य लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स समूह के अंतर्गत 22 संस्थाओं को कथित रूप से अवैध ऋण देने का मामला दर्ज किया था. आरोप लगाया गया है कि बरकत ने बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान और अन्य लोगों के साथ मिलकर धनराशि वितरित करने के लिए जाली दस्तावेजों में मिलीभगत की. आयोग का दावा है कि इससे सार्वजनिक कोष को भारी नुकसान हुआ. प्रो. बरकत ढाका विवि में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और बांग्लादेश अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं. अवामी लीग सरकार ने उन्हें जनता बैंक के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया था.

कपिल शर्मा के कैफे में गोलीबारी से भारतीय उद्यमियों में दहशत

एजेंसी । सरे (कनाडा)

भारतीय हास्य कलाकार और अभिनेता कपिल शर्मा के हाल ही में यहां खुले कैप्स कैफे (रेस्टोरेंट) पर हुई गोलीबारी से भारतीय उद्यमी डरे हुए हैं. यहां रह रहे भारतीय समुदाय ने कनाडा सरकार से तत्काल सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की गुहार लगाई है. इस बीच कपिल के कैफे ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि वह इस सदमे से उबर रहा है लेकिन हिंसा के खिलाफ अडिग हैं.

कैफे की टीम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए अपना दर्द साझा किया. वैंकूवर सन अखबार की खबर के अनुसार, जून से अब तक सरे शहर में दक्षिण एशियाई व्यापारिक समुदाय को प्रभावित करने वाली गोलीबारी की पांच वारदात हो चुकी हैं. एबॉट्सफोर्ड निवासी और व्यवसायी सतविंदर शर्मा (56) की 11 जून को गोली मारकर हत्या की जा चुकी है. इससे पहले लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष और रिफ्लेक्शन बैंक्वेट हॉल्स के भी मालिक कुमार पर सात जून को गोलीबारी की गई. कई साल पहले उनके कारोबारी स्थल पर भी फायरिंग की गई थी. कुमार ने कहा कि इस समय सरे में रहना बहुत मुश्किल हो रहा है. यहां बहुत अधिक अपराध हो रहे हैं. हर दिन गोलीबारी हो रही है. कुमार ने कहा कि पुलिस ने कपिल के कैफे पर गुरुवार की गोलीबारी की घटना को हाल ही में हुई जबरन वसूली से जुड़े अपराधों से नहीं जोड़ा है, लेकिन स्थानीय समुदाय के लिए इन घटनाओं के बीच संबंध न देखना मुश्किल है. कुमार ने जबरन वसूली के मामलों में गिरफ्तारी कराने वाले सुराग के लिए 100,000 डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है.

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिव हिरासत में

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के नाम पर वक्तव्य जारी करते समय उनके नाम के आगे श्री 5 महाराजाधिराज की उपाधि लिखने के कारण उनके संवाद सचिव फणीराज पाठक को पुलिस ने हिरासत में लिया है. पुलिस की इस कार्यवाही पर राजा समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने आपत्ति जताई है. काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपील राज बोहरा ने बताया कि संविधान के विपरीत आचरण करने के आरोप में पूर्व राजा के संवाद सचिव फणीराज पाठक को हिरासत में लिया गया है. एसपी बोहरा ने बताया कि पूर्व राजा के नाम पर जारी वक्तव्य में या सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके नाम के आगे राजतंत्र की शैली में श्री 5 महाराजधिराज का संबोधन किया जा रहा है. इस बात को लेकर संसद में कई सांसदों ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है.

मणिपुर की विकास परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

- केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वर्चुअल बैठक में की समीक्षा

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर राज्य की प्रगति, चुनौतियां और चल रही परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए. शुक्रवार को हुई इस बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी वर्चुअली शामिल हुए.

बैठक में पोलो पर्यटन सर्किट का विकास, विश्वविख्यात लोकतक झील के संवर्धन, पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा और बुनकर समुदाय के लिए समर्थन जैसे प्राथमिक मुद्दों पर चर्चा हुई. केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने हालिया ₹उभरता पूर्वोत्तर निवेशक सम्मेलन₹ से उत्पन्न निवेश अवसरों की समीक्षा की और उनके प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई. बैठक में मणिपुर के राज्यपाल भल्ला ने सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की परियोजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश दिए. राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान भविष्य की रणनीतियों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान भी की गई. बयान के अनुसार, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना, निवेश को आकर्षित करना, ग्रामीण विकास को गति देना, प्राथमिक परियोजनाओं की निगरानी और डोनर व पूर्वोत्तर परिषद के तहत लंबित योजनाओं को पूरा करना बैठक के अहम एजेंडे में शामिल रहे.

गुरु पूर्णिमा — पिठापुरम के श्रीविश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ आश्रम परिसर में ज्ञान चैतन्य सम्मान का आयोजन, डॉ. उमर अली शाह बोले-

सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाये जाने का प्रयास जारी

शुभम संदेश । पिठापुरम

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाया जाने का प्रयास किया जा रहा है. गुरुवार की सुबह गुरु पूर्णिमा के अवसर पर स्थानीय श्रीविश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के आश्रम परिसर में आयोजित ज्ञान चैतन्य सम्मान की अध्यक्षता पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा स्वामी ने की. मुरमल्ला विजया दुर्गा पीठ के मुख्य आयोजक व प्रसिद्ध पंचांग कर्ता बनाला दुर्गा प्रसाद ने पीठाधिपत डॉ. उमर अली शाह को गजमाला से सम्मानित किया. उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं रोटरी ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा ने किया. रक्तदान शिविर में करीब 90 लोगों ने रक्तदान किया. गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने 126 लोगों को महामंत्र का उपदेश दिया.

गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हजारों सदस्यों ने पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह के चरण कमलों में गुलाब की पंक्तियों के साथ पाद पूजा की और सद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया. गीतावधानी यरमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने पाद पूजा कार्यक्रम का संचालन किया. उमर अली शाह ने ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा एक गरीब परिवार, मंजेसना वेंकट लक्ष्मी को 18,000 रुपये, एक गरीब महिला, वरालक्ष्मी को एक सिलाई मशीन और पक्षियों के भोजन के लिए अनाज के बंडल वितरित किए (अन्नामरेड्डी सोमाराजू और गीतावाणी छात्रवृत्ति के सौजन्य से).

डॉ. नारायण ने मोहम्मद रसूल के इतिहास ग्रंथ में 1000 छंदों की एक लघु पुस्तक लिखी है, जो 6ठे पीठाधिपति, कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह द्वारा लिखित है. पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने गुरु पूर्णिमा के पवित्र महीने में मेरा पौधा -मेरी सांस योजना के तहत सभी को तीन पौधे लगाकर उसे गुरु दक्षिणा के रूप में देने की अपील की. उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक कमी के कारण असहिष्णुता और अशांति बढ़ रही है और नरसंहार हो रहा है. इसलिए सभी को किसी ज्ञात सद्गुरु की शरण में जाना चाहिए और ज्ञान का प्रकाश जलाकर उस अनुभव से समझना चाहिए कि मानवता ही ईश्वरत्व है और मानव सेवा ही माधव सेवा है.

उन्होंने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है. डॉ उमर अली शाह ने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से आशा और धैर्य का विकास करके जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है. कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार, एवीवी सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा, पीठापुरम नगर आयुक्त एन कनका राव, सेवानिवृत्त आईएएस दसारी श्रीनिवास, मारेड्डी श्रीनिवास, जनसेना पीठापुरम निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, शांति आश्रम प्रशासक नल्ला सत्यनारायण, सेवानिवृत्त आरटीओ रामचन्द्र राव सहित अन्य ने भाग लिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)